बालाघाट
सोमवार 06 अक्टूबर 2025
आश्विन शुक्ल 14 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 15
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

बिना फास्टैग वाले वाहनों को जुर्माने से राहत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजमार्गों पर अब टोल टैक्स की वसूली के नियमों में परिवर्तन किया गया है। जो 15 नवंबर से लागू होगा। केंद्र सरकार ने जो प्रावधान किया है। उसके अनुसार वाहन चालक बिना किसी फास्ट टैग के टोल प्लाजा पर पहुंचते हैं। वह यूपीआई के द्वारा भुगतान करते हैं, ऐसी स्थिति पर अब उन्हें दोगुनी जुर्माने के स्थान पर मात्र 25 फ़ीसदी जुर्माने की राशि अदा करनी पड़ेगी।

परिवहन मंत्रालय द्वारा अधिसूचना जारी कर दी गई है। बिना फास्ट टैग के टोल पर यदि यूपीआई से भुगतान होता है। तो मात्र 1.25 की राशि ही काटी जाएगी। अभी टोल राशि का शत-प्रतिशत जुर्माना चुकाना पड़ता था। उदाहरण स्वरुप 100 रूपये यदि टोल चुकाना होता था, फास्ट टैग नहीं होने पर 200 रूपये लगते थे। अब मात्र 125 रुपए लगेंगे।

सेशन कोर्ट के दो जज बर्खास्त

मुंबई। मुंबई हाईकोर्ट ने भ्रष्टाचार और कदाचरण के आरोप में दो सेशन कोर्ट के जजों को बर्खास्त कर दिया है। इसमें से एक जज अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश धनंजय निकम है। दूसरे सिविल जज इरफान शेख हैं।

हाईकोर्ट की अनुशासन समिति ने जांच के बाद इन्हें नौकरी से बर्खास्त किया है। सेशन जज निकम पर रिश्वत लेने का आरोप था। एक जमानत के मामले में उन्होंने 500000 रूपये की रिश्वत मांगी थी। वह लगे हाथों रिश्वत लेते हुए पकड़े गए थे। वहीं इरफान शेख को रिश्वत लेते और नशाखोरी के आरोप में बर्खास्त किया गया है। हाई कोर्ट ने शुक्रवार को दोनों की बर्खास्तगी के आदेश जारी किए हैं।

एनआईए ने 11 के खिलाफ दाखिल किया आरोप-पत्र, थाने पर किया था आतंकी हमला

चंडीगढ़,। एनआईए ने पंजाब में एक पुलिस थाने पर प्रतिबंधित खालिस्तानी संगठन द्वारा किए आतंकवादी हमले में संलिप्तता के लिए शनिवार को 11 आरोपियों के खिलाफ आरोप-पत्र दाखिल किया है। एनआईए की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि पंजाब के मोहाली में एक विशेष एनआईए कोर्ट के समक्ष दाखिल आरोप-पत्र में आरोपियों पर बीएनएस, गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, शस्त्र अधिनियम और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के कई प्रावधानों के तहत आरोप लगाए गए हैं। सभी आरोपी गिरफ्तार कर लिए गए हैं।

इस मामले में शिनाख्त किए गए अन्य 11 आरोपी अभी भी फरार हैं।

कुछ ना कहना

उत्तर बंगाल में बारिश का कहर, दार्जिलिंग में 7 जगह लैंडस्लाइड

पुल टूटने और भूस्खलन से 17 की मौत

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में इन दिनों भारी बारिश ने भयावह रूप ले लिया है। दार्जिलिंग जिले में एक दुधिया आयरन पुल का एक हिस्सा बह गया और नेशनल हाइवे समेत कई मार्गों पर भूस्खलन से संपर्क टूट गया है। इस विनाशकारी घटना में कम-से-कम 17 लोगों की मौत हुई है और कई अन्य अभी लापता हैं।

अधिकारियों ने बताया कि यह हादसा दार्जिलिंग-सिलीगुड़ी रोड पर हुआ, जो पूर्वोत्तर राज्यों और उत्तर बंगाल को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग है। पुल ढहने का कारण बेहद तीव्र बारिश और पहाड़ी ढलानों में मिट्टी खिसकना बताया जा रहा है। कुछ हिस्से में सड़क धंसने और मिट्टी के मलबे ने मार्ग को पूरी तरह अवरुद्ध कर दिया है।

मृतकों की संख्या बढ़ने का अंदेशा

राहत एवं बचाव दल लगातार राहत अभियान चला रहे हैं। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, मलबे से अब तक 7 शव बरामद किए गए हैं तथा अन्य 10 की मौत होने की जानकारी है। लेकिन अभी और शव मिलने की संभावना बनी हुई है। कुर्सेओंग के एडिशनल एसपी अभिषेक रॉय ने बताया कि दुलाराम और रोहिणी रोड बंद हो चुकी हैं और पनकहबरी रोड की हालत बेहद खराब है।

सड़क एवं पुल टूटने से संपर्क कट गया

पुल टूटने व सड़क धंसने की घटनाओं के कारण सिलीगुड़ी, मिरिक, मदारीहाट एवं कालिम्पोंग क्षेत्रों का संपर्क पूरी तरह कट गया है। दार्जिलिंग और सिक्किम को जोड़ने वाला मार्ग बंद पड़ा है। नेशनल हाइवे 10 व एनएचआई 717ए पर कई जगहों पर भूस्खलन हुआ है, जिससे आवागमन ठप हो गया है। तीस्ता, तोरसा और जलढाका नदियाँ उफान पर हैं और बाढ़ जैसी स्थिति बनी है।

प्रभावित क्षेत्रों में बाढ़ और आपदा

जलपाईगुड़ी, सिलीगुड़ी और कूचबिहार में भारी बारिश से बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है। सडकें जलमग्न हैं, कई पुल एवं रास्ते बह गए हैं। इस कारण आपूर्ति श्रृंखला बाधित हो रही है। दार्जिलिंग, कालिम्पोंग, कुर्सेओंग सहित कई पर्यटन स्थलों को भी बंद कर दिया गया है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था और पर्यटन पर गहरा प्रभाव पड़ा है।

7 अक्टूबर तक भारी बारिश होने की संभावना

महाराष्ट्र के उत्तरी तट की ओर बढ़ रहा चक्रवात शक्ति ओमान की ओर बढ़ गया है। इससे महाराष्ट्र और गुजरात में चक्रवात से हुए नुकसान में कमी आई है। हालांकि, विदर्भ और मराठवाड़ा के कुछ हिस्सों में भारी बारिश की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने चेतावनी दी थी कि चक्रवात शक्ति 4 से 7 अक्टूबर के बीच मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग को प्रभावित करेगा। महाराष्ट्र के विदर्भ और मराठवाड़ा के कुछ हिस्सों सहित इन क्षेत्रों में भारी से बहुत भारी बारिश का भी अनुमान लगाया गया था।

साइक्लोन 'शक्ति' तूफान को लेकर अलर्ट जारी, महाराष्ट्र में हो रही मूसलाधार बारिश

इस साल मानसून सीजन का पहला साइक्लोन अरब सागर में उठा है। मौसम विज्ञानियों ने साइक्लोन का नाम 'शक्ति' रखा है। शुक्रवार को डेवलप हुए इस तूफान का नाम श्रीलंका ने दिया है। इस तूफान की वजह से महाराष्ट्र के मराठवाड़ा और विदर्भ वाले जिलों में मूसलाधार बारिश जारी है। साथ ही पूर्वी गुजरात मौसम विभाग का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने कहा कि साइक्लोन शक्ति का असर पूर्वी तटीय राज्य ओडिशा पर होने की संभावना है। साथ ही इस तूफान को देखते हुए गुजरात और महाराष्ट्र के तटीय इलाके वाले मछुआरों को समंदर में नहीं जाने की सलाह दी गई है।

साइक्लोन शक्ति को लेकर मौसम विभाग का बड़ा अपडेट आया है। मौसम विभाग ने बताया कि गंभीर श्रेणी के इस तूफान का महाराष्ट्र के कोस्टल एरिया में कोई खतरा नहीं है। उत्तर-पश्चिम अरब सागर के ऊपर गंभीर चक्रवाती तूफान 'शक्ति' पिछले 10 घंटों से पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम की ओर बढ़ रहा है। चक्रवात शक्ति की वजह से महाराष्ट्र के कई जिलों में मूसलाधार बारिश हो रही है। महाराष्ट्र के कई जिले हाई अलर्ट पर हैं।

गंभीर चक्रवाती तूफान का रूप लिया शक्ति, 110 किमी की रफ्तार से चल रही हैं हवाएं

उत्तर-पश्चिम अरब सागर के ऊपर गंभीर चक्रवाती तूफान 'शक्ति' पिछले 10 घंटों से 15 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम की ओर बढ़ रहा है। मौसम विभाग ने बताया कि मंगलवार तक गुजरात-महाराष्ट्र तट पर समुद्र की स्थिति खराब हो सकती है। तूफानी मौसम और 55 से 65 किलोमीटर प्रति घंटे से लेकर 75 किलोमीटर प्रति घंटे की तेज हवाएं चलने का अनुमान है। मौसम विभाग ने बताया कि रविवार और सोमवार को 100 से 110 किलोमीटर प्रति घंटे से लेकर 60-100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है।

23 करोड़ रुपये का ई-कचरा ज़ब्त, मास्टरमाइंड गिरफ्तार

मुंबई। डीआरआई मुंबई ने देश में अवैध रूप से ई-कचरा आयात करने वाले एक गिरोह पर ऑपरेशन डिजीस्क्रैप के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए 23 करोड़ रुपये का सामान ज़ब्त किया है। इस कार्रवाई ने अवैध ई-कचरा आयात के एक गिरोह का पर्दाफाश किया है और गुजरात के सूरत से इस गोरखधंधे के मास्टरमाइंड को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। बताया गया है कि इस कार्रवाई में कुल 17,760 पुराने लैपटॉप, 11,340 मिनी/बेयरबोन सीपीयू, 7,140 प्रोसेसर चिप्स और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ज़ब्त किए गए हैं, जिनकी कुल कीमत 23 करोड़ रुपये है। डीआरआई की जाँच से पता चला है कि पुराने और इस्तेमाल किए गए लैपटॉप, सीपीयू, प्रोसेसर चिप्स और इलेक्ट्रॉनिक सामान को एल्युमीनियम उपचारित स्क्रैप घोषित करके चार कंटेनरों में छिपाकर न्हावा शेवा बंदरगाह पर आयात किया गया था। घोषित सामानों की कतारों के पीछे हज़ारों लैपटॉप, सीपीयू और प्रोसेसर चिप्स छिपे हुए थे। इस कार्रवाई में कुल 17,760 पुराने लैपटॉप, 11,340 मिनी/बेयरबोन सीपीयू, 7,140 प्रोसेसर चिप्स और 23 करोड़ रुपये मूल्य के अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए गए। ये सभी वस्तुएं सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 110 के तहत जब्त की गईं। मौजूदा विदेश व्यापार नीति 2023, ई-कचरा प्रबंधन नियम 2022 और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी सामान (अनिवार्य पंजीकरण) आदेश 2021 के अनुसार पुराने और नवीनीकृत इलेक्ट्रॉनिक सामानों के आयात पर पूरी तरह प्रतिबंध है। ये सामान जन स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए खतरनाक हैं और देश के घरेलू विनिर्माण उद्योग के लिए भी गंभीर खतरा पैदा करते हैं। बताया गया है कि सूरत स्थित एक आयातक कंपनी के निदेशक, जो इस अवैध आयात लेनदेन में सीधे तौर पर शामिल थे, को डीआरआई ने गिरफ्तार किया है। जांच में पता चला है कि वह योजना बनाने, खरीद, वित्तीय लेनदेन और समग्र तस्करी में सक्रिय थे। बहरहाल इस कार्रवाई से एक बार फिर यह स्पष्ट हो गया कि डीआरआई देश में खतरनाक ई-कचरे की डंपिंग को रोकने के लिए प्रतिबद्ध है और इस तरह के अवैध व्यापार के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।

बिहार विधानसभा चुनाव का काउंटडाउन शुरू

चुनाव प्रक्रिया 22 नवंबर से पहले हो जाएगी पूरी -मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार बोले

पटना। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के यह कहने के साथ ही कि चुनाव की पूरी प्रक्रिया 22 नवंबर से पहले समाप्त हो जाएगी, बिहार चुनाव का काउंटडाउन भी शुरु हो गया। दरअसल वे बिहार चुनाव को लेकर पटना में मीडिया से बात कर रहे थे। यहां रविवार दोपहर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा, कि बिहार विधानसभा चुनाव की पूरी प्रक्रिया 22 नवंबर से पहले समाप्त हो जाएगी। इसी के साथ उन्होंने वोटरों से आव्हान करते हुए कहा, कि मैं बिहार के तमाम मतदाताओं से यह आह्वान करता हूं कि जिस तरह से हम अपने त्योहारों को उल्लास और श्रद्धा के साथ मनाते हैं, उसी तरह से लोकतंत्र के चुनाव के इस महापर्व

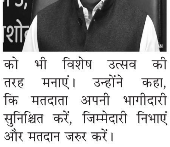

को भी विशेष उत्सव की तरह मनाएं। उन्होंने कहा, कि मतदाता अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें, जिम्मेदारी निभाएं और मतदान जरुर करें।

बूथ लेवल अधिकारियों ने अनुकरणीय कार्य किया

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि बिहार में हाल ही में मतदाता सूची शुद्धिकरण का कार्य किया गया। इस दौरान यहां उपस्थित बूथ लेवल अधिकारियों ने न केवल अपने बूथों पर मतदाता सूची के शुद्धिकरण का बेहतर कार्य किया, बल्कि बिहार के 90,217 बूथ लेवल अधिकारियों ने पूरे देश के लिए एक अनुकरणीय कार्य करके दिखाया है। सीईसी ने कहा, कि अब देशभर में किसी भी मतदान केंद्र पर 1200 से ज्यादा मतदाता पंजीकृत नहीं किए जाएंगे। यह नियम संपूर्ण देश में समान रूप से लागू किया जाएगा। ऐसा इसलिए किया जा रहा ताकि मतदान प्रक्रिया सुचारू रुप से और पारदर्शी हो। इसके साथ ही हर बूथ पर वेबकास्टिंग व्यवस्था और बूथ के बाहर मोबाइल फोन रखने की व्यवस्था भी की जाएगी।

बिहार चुनाव में दिखेंगे ये बदलाव

चुनाव आयोग के मुताबिक इस बार बिहार विधानसभा चुनाव से ही पहली बार अब ईवीएम पर चिपके बैलेट पेपर में उम्मीदवारों की रंगीन फोटो नजर आएगी। इसी के साथ उम्मीदवारों के नाम भी मोटे और बड़े अक्षरों में छापे जाएंगे, ताकि मतदाताओं को उन्हें पहचानने में आसानी हो। एक अन्य महत्वपूर्ण सुधार पोस्टल बैलेट की गिनती से जुड़ा है, अब ईवीएम की अंतिम गिनती से दो राउंड पहले ही पूरी कर ली जाएगी। ऐसा इसलिए किया जा रहा है, ताकि मतगणना प्रक्रिया और चुनाव परिणामों में सटीकता लाई जा सके।

कफ सिरप मामला : देश के कई राज्यों में ताबड़तोड़ छापे, पांच यूनिट्स पर एक्शन

नई दिल्ली। कफ सिरफ से हुई बच्चों की मौत के मामले में जांच हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में चल रही हैं, जहां से कुल 19 दवाओं (जिनमें खांसी की दवाएं, एंटीबायोटिक्स और बुखार की दवाएं शामिल हैं) के सैंपल लिए गए। शुक्रवार से शुरू हुई इस जांच का उद्देश्य दवा निर्माण प्रक्रिया में संभावित खामियों की पहचान करना और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के उपाय सुझाना है। मध्य प्रदेश और राजस्थान में कथित रूप से जहरीले कफ सिरप से बच्चों की मौत के बाद केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन यानी सीडीएससीओ ने छह राज्यों में दवा निर्माण इकाइयों की रिस्क-बेस्ड (जोखिम-आधारित) जांच शुरू कर दी है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि आईसीएमआर, नीरी, एम्स नागपुर और सीडीएससीओ के विशेषज्ञों की एक टीम बच्चों की मौत के कारणों की वैज्ञानिक जांच कर रही है। मंत्रालय ने बताया कि सीडीएससीओ द्वारा जांचे गए छह नमूने और मध्य प्रदेश फूड एंड ड्रग्स एडमिनिस्ट्रेशन द्वारा जांचे गए तीन नमूनों में डायइथिलीन ग्लाइकॉल और इथिलीन ग्लाइकॉल जैसे घातक रासायनिक तत्व नहीं पाए गए।तमिलनाडु के कांचीपुरम स्थित निर्माण इकाई से लिए गए कोल्ड्रिफ कफ सिरप के सैंपलों की जांच में डीईजी की मात्रा अनुमेय सीमा से अधिक पाई गई। इसके बाद तमिलनाडु सरकार ने इस खांसी की दवा की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया और बाजार से स्टॉक हटाने का आदेश जारी किया।

संदिग्ध इंसेफेलाइटिस जैसी बीमारी का खतरा बढ़ा

नागपुर में मरने वाले बच्चों की संख्या 10 हुई

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर में संदिग्ध इंसेफेलाइटिस जैसी बीमारी का खतरा बढ़ने से अभिभावकों की चिंता बढ़ा दी है। दरअसल नागपुर में संदिग्ध इंसेफेलाइटिस जैसी बीमारी से मरने वाले बच्चों की आधिकारिक संख्या अब 10 तक पहुँच गई है। शनिवार को नागपुर के एक निजी अस्पताल में मध्य प्रदेश के परासिया की दो साल की बच्ची की मौत के बाद, पिछले 2 महीनों में इंसेफेलाइटिस जैसी बीमारी से मरने वाले बच्चों की संख्या 10 तक पहुँच गई है। 10 मृत बच्चों में से 5 महाराष्ट्र के अलग-अलग हिस्सों से हैं और इलाज के लिए नागपुर आए थे। जबकि बाकी 5 बच्चे मध्य प्रदेश से इलाज के लिए नागपुर आए थे। इस बीच, इन बच्चों की मौत का रहस्य अभी भी बना हुआ है। क्योंकि यह ज्ञात है कि उनकी मौतें एक्यूट इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम के कारण हुईं, इस संबंध में विभिन्न परीक्षण नकारात्मक आए हैं। इस बीच इनमें से कुछ बच्चों के नमूने एनआईवी (राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान) द्वारा लिए गए हैं, लेकिन उनकी रिपोर्ट अभी तक नहीं आई है और यह भी स्पष्ट नहीं है कि यह कब आएगी। एक ओर, पिछले दो महीनों में 10 बच्चों की मौत का असली कारण क्या था? इसे लेकर अभी भी असमंजस की स्थिति बनी हुई है, वहीं 14 मरीज अभी भी नागपुर के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती हैं। हालाँकि, स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि उनकी हालत खतरे से बाहर है। ऐसे में, बच्चों की इस बीमारी को लेकर अब कुछ सवाल उठने लगे हैं।

* 10 बच्चों की मौत का रहस्य बरकरार, एनआईवी की रिपोर्ट कब आएगी?

- 10 बच्चों की मौत का सही कारण क्या है?

- क्या विदर्भ और मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा क्षेत्र में एईएस (एक्यूट इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम) के संदिग्ध मरीज मिल रहे हैं?

- ऐसे में, एईएस जापानी इंसेफेलाइटिस और चांदीपुरा वायरस की जाँच रिपोर्ट नेगेटिव हैं? फिर मौत का सही कारण क्या है?

- पुणे स्थित राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान प्रयोगशाला (एनआईवी) से जाँच रिपोर्ट कब आएगी? छिंदवाड़ा में स्थानीय कफ सिरप की आपूर्ति की जाँच प्राप्त जानकारी के अनुसार, कफ सिरप का एक नमूना परीक्षण के लिए तमिलनाडु की एक प्रयोगशाला में भेजा गया था। जाँच रिपोर्ट के आधार पर, अब इस कोल्ड ड्रिंक सिरप पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। जबलपुर के खुदरा विक्रेता और छिंदवाड़ा के स्थानीय आपूर्तिकर्ता की जाँच की जा रही है।

4 लोगों की हत्या की हो स्वतंत्र न्यायिक जांच-वांगचुक

जोधपुर। जोधपुर सेंट्रल जेल में बंद सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक से शनिवार को उनके बड़े भाई, त्सेतन दोरजे ले और वकील, मुस्तफा हाजी ने मुलाकात की। विशेष अनुमति के बाद दोरजे को सेंट्रल जेल में सोनम से मिलने की अनुमति दी गई। उनके वकील मुस्तफा हाजी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में दावा किया कि सोनम वांगचुक ने अपने बड़े भाई के माध्यम से एक संदेश भेजा है। सोनम वांगचुक ने चार लोगों की हत्या की स्वतंत्र न्यायिक जांच की मांग की और कहा कि जब तक ऐसा नहीं होता, वे जेल में रहने के लिए तैयार हैं।

ऑपरेशन सिंदूर से सबक : अब निजी कंपनियां भी बनाएंगी मिसाइल और गोला-बारूद

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर कई मायनों में भारत के लिए बेहद फायदेमंद रहा है। युद्ध में भारत को अपनी जरुरतों का अंदाजा भी हो गया है। शायद यही वजह है कि लंबे समय तक युद्ध की स्थिति में गोला बारुद कम न हो इसके लिए निजी कंपनियों के लिए मिसाइल और गोला बारुद बनाने का रास्ता खोल दिया है। रक्षा मंत्रालय ने मिसाइल, तोप के गोले, गोला-बारूद और आयुध के विकास और निर्माण का काम निजी क्षेत्र के लिए खोल दिया है। इसका मकसद यह है कि लंबे चलने वाले युद्ध या सैन्य अभियान के दौरान देश के पास हथियारों की कमी न हो।

यह फैसला ऐसे समय आया है जब ऑपरेशन सिंदूर के दौरान यह साफ हुआ कि भविष्य के युद्ध लॉन्ग-रेंज मिसाइलों और स्टैंड-ऑफ हथियारों पर आधारित होंगे। सूत्रों का कहना है कि पाकिस्तान ने इस अभियान में चीन निर्मित लंबी दूरी की एयर-टू-एयर और एयर-टू-सर्फेस मिसाइलों का इस्तेमाल किया, जिससे भारत सरकार ने निष्कर्ष निकाला कि निजी क्षेत्र की भागीदारी के बिना देश की मिसाइल जरूरतें पूरी नहीं की जा सकतीं। सूत्रों के अनुसार, राजस्व

खरीद मैनुअल में संशोधन किया गया है। इसके तहत अब कोई भी निजी कंपनी गोला-बारूद निर्माण इकाई स्थापित करने से पहले सरकारी कंपनी म्युनिशन इंडिया लिमिटेड से नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट लेने के लिए बाध्य नहीं होगी। इस बदलाव के बाद 105 मिमी, 130 मिमी, 150 मिमी तोप के गोले, पिनाका मिसाइल, 1000 पौंड बम, मोर्टार बम, हैंड ग्रेनेड और मध्यम व छोटे कैलिबर के कारतूस जैसे आयुधों का निर्माण अब निजी क्षेत्र में भी संभव होगा। रक्षा मंत्रालय का यह कदम इस उद्देश्य से भी प्रेरित है कि यदि भविष्य में कोई लंबा युद्ध छिड़ता है, तो भारतीय सेना गोला-बारूद की कमी का सामना न करे। अब तक भारत को कई बार आपातकालीन स्थिति में विदेशी विक्रेताओं से ऊंचे दामों पर हथियार खरीदने पड़े हैं। वर्तमान में रूस और पश्चिमी देश यूक्रेन युद्ध, इजरायल गाज़ा युद्ध में व्यस्त हैं। ऐसे में मिसाइलों और गोला-बारूद की वैश्विक मांग चरम पर है। दूसरी ओर पाकिस्तान को चीन से निरंतर सैन्य आपूर्ति मिल रही है। इससे भारत को अपनी घरेलू रक्षा उत्पादन क्षमता बढ़ाने की आवश्यकता और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।

आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने कहा...

हम सब एक हैं और सभी हिंदू हैं, अंग्रेजों ने टूटा दर्पण दिखाकर हमें किया अलग

सतना। सतना में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत ने बाबा सिंधी कैंप स्थित मेहर शाह दरबार के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए कहा हम सब एक हैं, सभी सनातनी और हिंदू हैं। एक अंग्रेज ने हमें टूटा हुआ दर्पण दिखाकर अलग-अलग कर दिया था। उन्होंने कहा आज हमें अच्छे दर्पण में देखकर एक होने की आवश्यकता है। जब हम आध्यात्मिक परंपरा वाला दर्पण देखेंगे तो एक दिखेंगे। ये दर्पण दिखाने वाले हमारे गुरु हैं, हमें अपना अहंकार छोडक़र

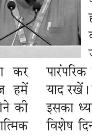

स्वयं को देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि सिंधी समाज के लोग हमारे ही हैं, हमारे घर में किसी ने कब्जा कर लिया। हमें एक जुट होकर अपना घर कब्जा करना होगा। इसके लिए जरूरी है कि हम अपने पारंपरिक वेशभूषा भाषा, रहन-सहन याद रखें। हो सके तो जीवन में हमेशा इसका ध्यान रखें नहीं तो त्योहार पर विशेष दिन पर अपना पारंपरिक वेश धारण करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को तीन भाषा का ज्ञान होना चाहिए। राष्ट्रभाषा, क्षेत्रीय भाषा का ज्ञान होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें भारत के स्व एवं स्वयं के स्व को जीवित करना चाहिए। इस अवसर पर दरबार प्रमुख पुरुषोत्तम दास जी महाराज, उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला, राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी, सांसद गणेश सिंह, इंदौर सांसद शंकर लालवानी, भोपाल विधायक भगवान दास साबनानी और जबलपुर कैंट विधायक अशोक रोहानी सहित कई साधु-संत और शहर के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

आज भारत माता की प्रतिमा का होंगा अनावरण

दुर्गाउत्सव समितियों को किया जायेगा सम्मान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर पालिका परिषद बालाघाट के तत्वावधान में शहर के काली पुतली चौक के समीप सुभाष उद्यान में राष्ट्रप्रेम के जज्बे के भाव को लेकर भारत माता की उभय प्रतिमा की स्थापना की जा रही है। 6 अक्टूबर को शरद पूर्णिमा, महर्षि वाल्मिकी जयंती एवं रानी दुर्गावति जयंती के अवसर पर समारोहपूर्वक आयोजन होगा जिसमें देश के ख्यातिप्राप्त राष्ट्र उद्बोधक एवं जनप्रतिनिधियों,सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों एवं गणमान्य जनों की उपस्थिति रहेगी। नपाध्यक्ष भारती सुरजीतसिंह ठाकुर ने देशप्रेम के भाव को जागृत बनाये रखने इस प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में उपस्थिति का आग्रह किया है।

शहर के काली पुतली चौक के समीप सुभाष उद्यान में 6 अक्टूबर को शाम 04 बजे समारोहपूर्वक आयोजन में स्थापित की जाने वाली भारत माता की प्रतिमा का 25 सितंबर को विशाल रैली निकालकर नगर दर्शन कराया गया था। यात्रा में जीवंत झांकियों का समावेश देश की सांस्कृतिक एवं धार्मिक सभ्यता से परिचय कराने वाला था। जीवंत झांकियों ने लोगों को मंत्रमुग्ध किया वहीं नगर भ्रमण करने के उपरांत भारत माता की प्रतिमा को अनावरण स्थल पर सम्मानपूर्वक रखा गया था। 6 अक्टूबर को भारत माता की प्रतिमा का भव्य अनावरण किया जायेगा। जिसमें देश-प्रदेश से ओजस्वी राष्ट्रभक्त वक्ताओं का आगमन होने जा रहा है। उसी प्रकार देश के जानेमाने आध्यात्मिक पत्रकार और प्रेरक वक्ता गौतम खट्टर का भी 6 अक्टूबर को इस अनावरण समारोह में आगमन होने जा रहा है। श्री खट्टर द्वारा राष्ट्र निर्माण, आध्यात्मिकता और पश्चिमी संस्कृति के प्रभाव जैसे अनगिनत विषयों के संदर्भ और आयामों पर बात कर अपनी विशिष्ट छवि बनाई है। ऐसे ओजस्वी उद्बोधक को सुनने का अवसर बालाघाट में भी मिलने जा रहा है। नपाध्यक्ष भारती सुरजीतसिंह ठाकुर ने भारत माता की प्रतिमा के भव्य अनावरण कार्यक्रम में नगरवासियों से उपस्थिति की अपील की है।

दुर्गाउत्सव समितियों को किया जायेगा सम्मानित

बालाघाट नगर में नवरात्रि के पावन अवसर पर माँ भगवती के विविध दुर्गा पंडालों में श्रद्धा और उत्साह का अनूठा संगम देखने को मिला है। इस शुभ अवसर पर नगर पालिका परिषद बालाघाट द्वारा भारत माता मूर्ति अनावरण समारोह के दौरान नगर की दुर्गा उत्सव समितियों को विभिन्न विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने सम्मानित किया जाएगा।सम्मान की श्रेणियाँ इस प्रकार हैं सर्वश्रेष्ठ मूर्ति प्रतिमा,साज-सज्जा,अनुशासन ,स्वच्छता,स्वदेशी उत्पादों का उपयोग इसके साथ ही भंडारा एवं अन्नपूर्णा भंडारा सेवा जैसी सेवा विधाओं में सांस्कृतिक आयोजनों के लिए भी समितियों को प्रोत्साहित एवं पुरस्कृत किया जाएगा। भारत माता प्रतीमा अनावरण एवं दुर्गा उत्सव समिति सम्मान समारोह के अवसर पर सभी दुर्गा उत्सव समितियों के पदाधिकारी व सदस्यों की विशेष उपस्थिति की अपील भारती ठाकुर ने की है । सर्किट हाऊस में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान नगर के जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। आयोजित पत्रकारवार्ता के दौरान नगर पालिका उपाध्यक्ष योगेश बिसेन,सभापति उज्जवल आमाडारे, वंदे मातरम् राष्ट्र सेवा समिति के जिला संयोजक गजेन्द्र भारतद्वाज,नगर भाजपा अध्यक्ष राकेश सेवईवार,खगेश कावरे, नगर महामंत्री संजू वराडे, संतोष सिंगारे, खिमेन्द्र गौतम,भाजयुमो नगर अध्यक्ष जैनेंद्र कटरे तथा गणेश अग्रवाल उपस्थित रहे।

बाइक के ऊपर कूदा बंदर, भाजपा नेता का पैर टूटा

पद्मेश न्यूज। कटंगी। बिरसोला से कोहका मुख्य सड़क मार्ग पर बाइक के ऊपर बंदर के कूदने से भाजपा नेता डॉ प्रकाश देशमुख का पैर टूट गया है. रविवार की सुबह करीब 10 बजे वह अपनी बाइक से कटंगी की तरफ आ रहे थे. इसी दौरान यह सड़क हादसा हुआ. हादसे के बाद प्रकाश देशमुख ने बिरसोला निवासी अपने मित्र विशेष बिसेन को दूरभाष पर सड़क हादसे की सूचना दी और उन्हें घटनास्थल पर बुलाया. विशेष बिसेन अपने निजी वाहन से डॉ प्रकाश देशमुख को सरकारी अस्पताल कटंगी लेकर पहुंचे. जहां डॉ पंकज दुबे ने प्रकाश देशमुख को प्राथमिक उपचार दिया और रेफर कर दिया. प्रकाश देशमुख को बेहतर उपचार के लिए सरकारी वाहन से नागपुर रेफर किया गया. प्रकाश देशमुख के सड़क हादसे की सूचना मिलने पर बड़ी संख्या में लोग सरकारी अस्पताल पहुंचे थे. गौरतलब हो कि काफी लंबे समय से बंदरों के उत्पात की घटनाएं सामने आ रही है. बीते कुछ समय से बंदरों के वाहनों पर कूदने से सड़क हादसों की घटनाओं में तेजी से इजाफा हुआ है. वन्य प्राणी जंगल छोड़कर खेतों और इंसानी बस्तियों को अपना आवास बना रहे है।

वैश्य महासम्मेलन म.प्र की संभागीय बैठक कल प्रदेश अध्यक्ष सुधीर अग्रवाल होंगे शामिल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वैश्य महासम्मेलन मध्यप्रदेश के अध्यक्ष सुधीर अग्रवाल की प्रमुख उपस्थिति में बालाघाट मंडला जिले के कोर ग्रुप की संभागीय बैठक 7 अक्टूबर मंगलवार को दोपहर 2 बजे से एक होटल में आहूत की गई है। इसमें बालाघाट व मंडला की पुरुष व महिला इकाई एवं युवा इकाई के जिलाध्यक्ष, जिला प्रभारी, संभागीय अध्यक्ष व संभागीय प्रभारी,संभागीय महामंत्री प्रदेश महामंत्री, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, बालाघाट व मंडला की तहसील इकाई अध्यक्ष आवश्यक रूप से उपस्थित होंगे। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष द्वारा संगठन को मजबूत करने व आगामी कार्यक्रमों को लेकर मार्गदर्शन व दिशा निर्देश दिया जाएंगा। इस बैठक में वैश्य महासम्मेलन उपस्थिति की अपील म.प्र जिला बालाघाट अध्यक्ष संदीप नेमा व प्रभारी सुभाष गुप्ता द्वारा संगठन के पदाधिकारियों से की है।

वनग्रामों के विस्थापन के खिलाफ जनसंघर्ष मोर्चा ने भरी हुंकार

8 और 9 अक्टूबर को बालाघाट, मंडला, डिंडोरी के ग्रामीण जिला मुख्यालय में पहुंच कर होंगे जनसुनवाई में शामिल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वनग्रामों को विस्थापित किए जाने के विषय को लेकर जनसंघर्ष मोर्चा द्वारा स्थानीय संस्थान में प्रेस वार्ता का आयोजन किया और मोर्चा के पदाधिकारी ने बताया कि 8 और 9 अक्टूबर को बालाघाट, डिंडोरी और मंडला के ग्रामीणों द्वारा जिला मुख्यालय में जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें उन्होंने दक्षिण बालाघाट के ग्रामों को विस्थापन से रोकने के लिए यह जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया है। साथ ही उन्होंने इस कार्यक्रम में अलग-अलग संबंधित विभागों के अधिकारियों को भी इस जनसुनवाई कार्यक्रम में आमंत्रित किया है ।यह कार्यक्रम स्थानीय अंबेडकर चौक में होना है। जिसको लेकर मोर्चा ने वार्ता में बताया कि आज वन विभाग और राजस्व विभाग के आंकड़ों में भ्रांतियां हैं , जिसे दूर करने की आवश्यकता है । साथ ही उन्होंने कहा कि वनांचल क्षेत्र में तेजी से विस्थापन की प्रक्रिया हो रही है, सरकार पूंजीपतियों का साथ देते हुए ग्रामीणों को विस्थापीत कर रही है ।दक्षिण बालाघाट में वनग्रामों के विस्थापन की चर्चाओं के बीच रविवार को जनसंघर्ष मोर्चा के पदाधिकारियों ने प्रेसवार्ता लेकर अपना रुख साफ कर दिया है। उन्होंने 8 और 9 अक्टूबर को जिला मुख्यालय में विशाल जनसुनवाई करने का फैसला लिया है। इसमें वनग्रामों के ग्रामीणों के साथ पंच, सरपंच आदि शामिल होंगे। संगठन ने प्रशासन से राजस्व और वन विभाग के अधिकारियों को भी जनसुनवाई में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। प्रेसवार्ता में जनसंघर्ष मोर्चा के महाकौशल संयोजक विवेक पवार, सामाजिक कार्यकर्ता मंशाराम मड़ावी, आदिवासी अधिकार राष्ट्रीय मंच का केंद्रीय कमिटी सदस्य रामनाथ कुरलिया, भुवन सिंह कुर्राम मौजूद रहे। विवेक पवार ने कहा कि जिला मुख्यालय में जनसंघर्ष मोर्चा के बैनर तले में 8 और 9 अक्टूबर को बड़ी जनसुनवाई होगी। बालाघाट और मंडला में सर्वाधिक खनिज संपदा, जंगल, जमीन है। इन प्राकृतिक संपदाओं और यहां रहने वाले आदिवासियों पर बड़ा संकट आ गया है। आदिवासी वर्ग प्रशासन के रवैय से नाखुश है। मंशाराम मड़ावी ने कहा कि रिजर्व फारेस्ट के लिए बैहर क्षेत्र के 55 गांवों को विस्थापित करने की प्रक्रिया चल रही है। इस पर हमने आपत्ति जताई है। इससे आदिवासियों के अधिकार समाप्त हो जाएंगे। घोषणा प्रारूप में स्पष्ट है कि रिजर्व फारेस्ट होने के बाद दखल, प्रवेश का अधिकार खत्म हो जाएगा। प्रशासन कह रहा है कि ऐसा नहीं होगा, लेकिन प्रारूप को हम कैसे झुठला सकते हैं। आदिवासी अधिकार राष्ट्रीय मंच का केंद्रीय कमिटी सदस्य रामनाथ कुरलिया ने कहा कि वनाधिकारी अधिनियम 2006 में आदिवासी ग्रामीणों को वन भूमि का पट्टा देने के बजाय सरकार उन्हें उनकी ही जमीन से बदखली का अभियान चलाना चाहती है। सरकार जमीन की लूट के लिए पूंजीपतियों को छूट दे रही है। प्राकृतिक संपदा का बुरी तरह दोहन हो रहा है। मोर्चा के पदाधिकारी भुवन सिंह कुर्राम ने बताया कि आज वन विभाग का डाटा और राजस्व विभाग का डाटा अलग-अलग होने के कारण ग्रामीणों को दावा आपत्ति लगाने पर न्याय नहीं मिल पाता है । इस खामी को सबसे पहले विभाग को दूर करना चाहिए, उन्होंने यह भी बताया कि आज सरकारी विभाग के अधिकारी इन सब विषय को लेकर उतना इंटरेस्ट नहीं दिखाते हैं और ग्रामीण पट्टे दिए जाने को लेकर संबंधित विभागों के चक्कर लगाते रहते हैं ।

जबकि विभाग को सबसे पहले ग्रामीणों को नियम अनुसार पट्टा दिए जाने को लेकर कार्य करना चाहिए। पर ऐसा होता नहीं है सरकार द्वारा पट्टा दिए जाने को लेकर घोषणा तो कर दी गई है। लेकिन जमीनी स्थिति देखा जाए तो आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में आमजन पट्टा लिए जाने को लेकर इधर से उधर भटक रहे हैं। उन्होंने बताया कि आज राजस्व विभाग का रिकाड सही नहीं होने के कारण एक व्यक्ति की सामूहिक जमीन राजस्व विभाग में दिखता है , जिस कारण उसे शासकीय योजनाओं का लाभ न मिलकर अपात्र कर दिया जाता है । जबकि यह डाटा को सुधारा जाए तो बहुत से हितग्राही शासकीय योजनाओं से अपात्र नहीं होंगे। इन सब व्यवस्थाओं को विभाग में रुचि लेकर सुधारना चाहिए ,इन्हीं सब विषय को लेकर 8 और 9 अक्टूबर को स्थानीय अंबेडकर चौक में जनसुनवाई बुलाई गई है।

विश्वकर्मा आदर्श लोहार समाज का युवक युवती परिचय सम्पन्न

40 युवाओं ने कराया पंजीयन, समाज द्वारा सामुहिक विवाह कराने की बनी सहमति

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री विश्वकर्मा आदर्श लोहार विकास मंच जिला बालाघाट द्वारा विश्वकर्मा समाज के युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया गया।नगर के कमला नेहरू महिला मंडल सभागार में 05 अक्टूबर दिन रविवार को आयोजित इस युवक युवती परिचय सम्मेलन में सर्वप्रथम सृष्टि के रचयिता भगवान श्री विश्वकर्मा जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर, छायाचित्र समीप दीप प्रज्वलित किए गए। जहा श्री विश्वकर्मा जी की पूजा अर्चना के बाद कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस दौरान मंचासीन अतिथियों का फूल मालाओं से स्वागत कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई।जिसमें कार्यक्रम का उद्देश्य, इसकी रूपरेखा, समाज द्वारा किए जाने वाले अन्य कार्य आदि का बखान किया गया। आयोजित सम्मेलन के दौरान विवाह योग्य 40 युवक युवतियों ने अपना पंजीयन कराकर विवाह प्रस्ताव के लिए मंच से अपना परिचय दिया। तो वही विभिन्न वक्ताओं ने मंचासीन होकर आयोजन को लेकर अपने विचार व्यक्त किए, जिसमें उन्होंने समाज संगठन को आगे बढ़ाने, समाज में एकता का परिचय देने, सभी को एक दूसरे का सहयोग करने और सभी को मिल जुलकर साथ रहने की समझाईश दी।वही सम्मेलन के माध्यम से उन्होंने युवक युवती परिचय के अलावा, समाज द्वारा सामूहिक विवाह के आयोजन भी किए जाने का आग्रह किया।इस दौरान श्री विश्वकर्मा आदर्श लोहार विकास मंच जिला अध्यक्ष अशोक कुमार वानेकर, संयोजक कोमल प्रसाद बावने, सचिव डॉ श्यामकिशोर मेश्राम, कोषाध्यक्ष दीनदयाल भुरेकर, उपाध्यक्ष नारायण विश्वकर्मा और शिवलाल विश्वकर्मा सहित अन्य पदाधिकारी सदस्य व सामाजिक बंधु प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

समाज को एक मंच प्रदान करने किया गया आयोजन- वानेकर

आयोजित कार्यक्रम को लेकर की गई चर्चा के दौरान श्री विश्वकर्मा आदर्श लोहार विकास मंच जिला अध्यक्ष अशोक कुमार वानेकर ने बताया कि आयोजित इस युवक युवती परिचय सम्मेलन युवाओं ने अपनी सहभागिता निभाई, जहां 40 युवाओं ने अपना पंजीयन कराकर मंच पर खड़े होकर अपना परिचय दिया है।विश्वकर्मा समाज के बैनर तले अंतर्राज्यीय स्तर पर यह आयोजन है। विवाह योग्य युवक-युवती जो रिस्ते के लिये इधर-उधर भटक रहे है उन्हें मंच प्रदान कर परिचय सम्मेलन कराया गया है। हमारा उद्देश्य समाज में समरसता का विकास करना है। आगामी समय में विश्वकर्मा समाज का सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन करने प्रयास किया जाएंगा। इसमें समाज के युवक-युवतियों का परिचय कराकर उनके विवाह सम्बंध जोडने की पहल की जा रही। विवाह सम्बन्ध जोडने में हमारा मंच एक नई दिशा प्रदान कर रहा है। इससे समाज के जरूरतमंद परिवारों को मदद मिलेगी।

अति गरीब परिवारों को खाद्यान्न किट का किया वितरण

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। असत्य पर सत्य की विजय के पर्व विजयादशमी एवं महात्मा गांधी जी की जयंती के अवसर पर अपनी नातिन नित्या पिता पवन रामेश्वरी सिहोरे के चौथे जन्मदिन पर 2 अक्टूबर को तहसील मुख्यालय ग्राम किरनापुर के शांतिनगर निवासी वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता सेवानिवृत प्रधानपाठक रेखलाल सिहोरे द्वारा 5 अति गरीब एवं असहाय परिवार को खाद्यान्न किट का वितरण किया। इस खाद्यान्न किट मे श्री सीहोरे द्वारा आटा, दाल, तेल, बेसन, बिस्किट एवं सब्जी को शामिल कर निर्धन परिवार को भेंट किया। बताएं कि गायत्री परिवार से जुड़े कर्मठ कार्यकर्ता के रूप मे भी रेखलाल सिहोरे द्वारा गौ माता एवं दीन हीन लोगों को निस्वार्थ भाव से सेवा एवं मदद की जाती हैं। उनके इस सेवाभावी कार्य में उनकी नन्हीं नित्या की दादी प्रमिला सिहोरे, बड़े पापा मम्मी टिकेंद्र सिहोरे, दीदी कु. तोषानी, कु. पारूल सहित समस्त सिहोरे परिवार लवेरी के सदस्यों ने नन्हीं बेटी नित्या को जन्मदिन की बधाई देते हुए उनके उज्वल एवं उत्कृष्ट भावी जीवन की कामना की है।

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0028/ड-154/2025-26
मौजा बघोली, रा.नि.मं. लालबर्रा

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक देवानंद मेश्राम पिता कन्हैयालाल मेश्राम जाति महार, निवासी ग्राम बघोली, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा बघोली, रा.नि.मं. लालबर्रा, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपनी दादी भुरकीबाई पति जमादार का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 18.07.1995 मृत्यु की घटना स्थल ग्राम बघोली के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 06.10.2025 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 26.09.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 06.10.2025

आकाश अग्रवाल
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0019/ड-154/2025-26
मौजा चंदपुरी, रा.नि.मं. कनकी

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक रफीक मोहम्मद खैरो पिता इशाक मोहम्मद जाति मुसलमान, निवासी ग्राम मेहंदीवाड़ा, तहसील वारासिवनी, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा चंदपुरी, रा.नि.मं. कनकी, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपनी बहन रशीद खातून पति गफफार खान का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 26.11.1996 मृत्यु की घटना स्थल ग्राम चंदपुरी के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 09.10.2025 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 26.09.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 06.10.2025

आकाश अग्रवाल
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

In The Court Of Additional Judge To I District Judge Waraseoni, District Court Balaghat

Presiding Officer-कविता इवनाती

(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया सहिंता 1908 के अतर्गत प्रकाशन हेतु)
(MJC GW/0000011/2024)

सुनीता ठाकरे.......................................वादी
Vs
मध्यप्रदेश शासन द्वारा कलेक्टर बालाघाट.... प्रतिवादी

Process Id-34//2025
पेशी दिनांक-13/11/2025

प्रेषिती-
आमजनता पता-**निरंक**

यह कि प्रार्थी **सुनीता ठाकरे** ने आपके विरुद्ध आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 08 हिन्दू अप्राप्तव्यता और संरक्षण अधिनियम 1956 एवं धारा 29 सरंक्षक और प्रतिपाल्य अधिनियम 1890 के लिए वाद संस्थित किया है. आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात हाजिर होने के लये सम्मन किया जाता है. आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है. जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारदान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित में हैं पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो बाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें।

यह आज तारीख 29 **September** 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

श्रीमती कविता इवनाती
प्रथम जिला न्यायाधीश वारासिवनी
के अतिरिक्त न्यायाधीश वारासिवनी
जिला-बालाघाट (म.प्र.)

कृपया ध्यान दे-
उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो अगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

हर बड़े काम की शुरुआत छोटे स्तर और कठिन परिस्थितियों से होती है -प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह

प्रतिष्ठित कंपनियों में जाब मिलने से युवाओं और परिजनों के चेहरे पर छाई खुशियां, नक्सल प्रभावित एवं ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को मिला प्रतिष्ठित कंपनियों में नौकरी, एप्पल कंपनी के लिए मोबाइल बनाएंगी बालाघाट की बेटियां

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के नक्सल प्रभावित एवं ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को देश की प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार दिलाने के लिए बालाघाट जिला प्रशासन के प्रयासों से 3700 से अधिक युवाओं का चयन किया गया है। इनमें से 200 युवाओं को प्रथम चरण में 05 अक्टूबर को टाटा इलेक्ट्रॉनिक में जॉब के लिए बैंगलोर एवं टाटा मोटर्स में जॉब के लिए अहमदाबाद रवाना किया गया । इन युवाओं को सांदीपनि विद्यालय बालाघाट से बसों के द्वारा नागपुर भेजा गया है और वहां से इन युवाओं का ट्रेन से रिजर्वेशन कराया गया है । जाब के लिए रवाना होने वाले युवाओं और उनके परिजनों के चेहरे पर खुशियां झलक रही थी और वे बहुत खुश थे।

इस अवसर पर संदीपनी विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में मध्य प्रदेश शासन के स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह, सांसद श्रीमती भारती पारधी, मध्य प्रदेश पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग की सदस्य श्रीमती मौसम बिसेन वर्चुअली शामिल हुए। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन, कलेक्टर मृणाल मीना, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती ठाकुर, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष रमेश रंगलानी, श्रीमती लता एलकर, सत्यनारायण अग्रवाल, सहायक कलेक्टर आकाश अग्रवाल, एसडीएम गोपाल सोनी, आशिष मिश्रा, तपेश असाटी, देवेन्द्र चंदेल, उद्योग एवं आईटीआई के अधिकारी, जाब के लिए जाने वाले युवा एवं उनके परिजन उपस्थित थे।

प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह ने इस अवसर पर युवाओं को प्रतिष्ठित कंपनियों में जॉब दिलाने के लिए बालाघाट जिला प्रशासन द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इससे युवाओं का भविष्य संवरेगा और उन्हें आगे बढ़ने के लिए एक प्लेटफार्म मिला है। प्रभारी मंत्री श्री ने युवाओं से कहा कि वह भाग्यशाली है कि उन्हें देश की टाटा इलेक्ट्रॉनिक एवं टाटा मोटर्स जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों में काम करने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने युवाओं से कहा कि वे 03 साल तक इन कंपनियों में प्रशिक्षण के तौर पर काम अवश्य करें । इसके लिए उन्हें संयम, समर्पण और अनुशासन का पालन करना होगा। हर बड़े काम की शुरुआत छोटे स्तर से और कठिन परिस्थितियों में होती है। अतः युवा अपने सुनहरे भविष्य के लिए इसे एक शुरुआत के तौर पर लें। उन्होंने युवाओं और उनके माता-पिता को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बालाघाट जिला प्रशासन के इन प्रयासों से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का स्किल इंडिया का सपना पूरा होगा।

सांसद श्रीमती भारती पारधी ने इस अवसर पर युवाओं को जाब के लिए बैंगलोर एवं अहमदाबाद जाने की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे आगे बढ़े और अपने भविष्य को उज्जवल बनाने के लिए कठिन परिश्रम करें। बालाघाट जिले की बेटियां टाटा इलेक्ट्रॉनिक बैंगलोर में एप्पल कंपनी के लिए आईफोन मोबाइल बनाने का काम करेंगी तो यह जिले के लिए गर्व का क्षण होगा और हमारी बेटियां आत्मनिर्भर बनेंगी। उन्होंने युवाओं से कहा कि वे इस अवसर का लाभ उठाकर अपने माता-पिता के सपनों को साकार करें और देश को विकास के पथ पर आगे बढ़ाने में योगदान दें।

कलेक्टर मृणाल मीना ने इस अवसर पर बताया कि जिला प्रशासन एवं सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से नक्सल प्रभावित एवं ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने सार्थक प्रयास किए गए हैं। इसके लिए एक मुहिम चलाकर प्रतिष्ठित कंपनियों में चयन के लिए इंटरव्यू कराया गया है। इंटरव्यू में 3700 से अधिक युवाओं का टाटा इलेक्ट्रॉनिक, टाटा मोटर्स, एल एंड टी, रेमंड एवं अन्य कंपनियों द्वारा चयन किया गया है। इसमें 1500 से अधिक बालिकाएं शामिल हैं। कंपनियों में रोजगार के लिए चयनित युवाओं की काउंसलिंग कर उनकी आवश्यकताओं एवं परेशानियों को समझा गया और उनका निराकरण किया गया है। काउंसलिंग के पश्चात प्रथम चरण में 200 युवाओं को बैंगलोर और अहमदाबाद के लिए रवाना किया जा रहा है। इसमें 100 से अधिक बालिकाएं हैं। इन सभी युवाओं को टाटा इलेक्ट्रॉनिक एवं टाटा मोटर्स में रोजगार मिला है। शेष चयनित युवाओं को अलग अलग तिथियों में रवाना किया जाएगा। इन सभी युवाओं को 15 से 25 हजार रुपए मासिक का रोजगार मिलने जा रहा है।

कार्यक्रम में बैंगलोर जाने वाली आस्था उसके, नीतू कटरे, रूखमणी पंचेश्वर, खुमानी कटरे ने अपने अनुभव साझा किए। पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन, नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती ठाकुर, कलेक्टर मृणाल मीना एवं अन्य अतिथियों ने बसों को झंडी दिखाकर रवाना किया।

जिले के ग्रामीण एवं नक्सल प्रभावित क्षेत्र के युवाओं को देश की प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार मिलने से न केवल उनका भविष्य संवरेगा बल्कि उनके परिवार का जीवन स्तर भी सुधरेगा। जिले के युवाओं को रोजगार मिलने से जिले की अर्थव्यवस्था को भी गति मिलेगी और नक्सलवाद को खत्म करने में मदद मिलेगी। रोजगार के लिए चयनित युवाओं में 1500 से अधिक बालिकाओं की संख्या बता रही है बालाघाट जिले महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में निरंतर प्रगति कर रहा है। बालाघाट जिला स्त्री पुरुष लिंगानुपात में 1000 पुरुषों पर 1021 महिलाओं के साथ प्रदेश में प्रथम स्थान पर है। रोजगार के लिए चयनित युवाओं में 1500 से अधिक बालिकाओं की संख्या में भी यह परिलक्षित हो रहा है।

शिक्षा और संस्कार के संगम से मनाया जाएगा संघ का शताब्दी वर्ष

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने पर शताब्दी वर्ष मनाया जा रहा है । इस विषय को लेकर विद्या भारती संस्थान द्वारा 5 अक्टूबर को स्थानीय सरस्वती नगर स्थित, सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। यहाँ संस्था की महिला पदाधिकारी ने बताया कि वह आगामी 26 अक्टूबर से शताब्दी वर्ष मनाने जा रहे हैं। जिसमें अलग-अलग चरणों में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। साथ ही इस शताब्दी वर्ष में होने वाले कार्यक्रमों में बच्चों को संस्कार दिए जाने सहित ऐसे कई विषयों पर जोर देते हुए समाज को जागरूक करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने पर शताब्दी वर्ष मनाया जा रहा है। इसके तहत विद्या भारती भी शताब्दी वर्ष अपने विद्यालय में मनाने की तैयारी में जुटा हुआ है, स्कूलों में सप्तशक्ति संगम कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना है । कार्यक्रम में मातृ शक्ति को स्थान दिया जाना हैं, कार्यक्रमों के आयोजन को लेकर श्रीमती अर्चना गुप्ता कोषाध्यक्ष बाल विकास समिति ने प्रेस वार्ता में बताया कि 5 अक्टूबर को सभी जिलों में प्रेसवार्ता आयोजित की गई हैं और आगामी 26 अक्टूबर से यह कार्यक्रम चरणबद्ध तरीके से होना है। जिसमें मुख्य सहभागिता महिलाओं की सुनिश्चित की गई है। शताब्दी वर्ष के लिए पंच परिवर्तन का संकल्प संघ की ओर से लिया गया है। आगामी 26 अक्टूबर से यह कार्यक्रम निरंतर चरणबद्ध होंगे , पहला कार्यक्रम जिला स्तर पर बालाघाट में सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय में आयोजित किया जायेगा। इस सम्मेलन में दो सौ से तीन सौ महिलाये उपस्थित रहेगी, इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कुटुंब व्यवस्था एवं भारतीय संस्कृति को जागरूक करना हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओ को उनके दायित्व के बारे में बोध कराना और जागरूक करना होगा। श्रीमती आभा श्रीवास्तव समाज सेविका ने बताया कि यह कार्यक्रम मुख्य रूप से महिलाओ के लिए आयोजित होना हैं जिसमे मातृशक्ति में पांच परिवर्तन लाना जैसे पर्यावरण को संरक्षित कैसे करें, एक नागरिक होने के क्या कर्तव्य हैं, कुटुंब प्रबोधन के प्रति जागरूक करना, माता को कैसा आचरण अपने परिवार के प्रति किया जाना चाहिए यह भी इस कार्यक्रम के माध्यम से बताया जायेगा। प्रेस कांफ्रेस में मुख्य रूप से राजेश रहाँगडाले प्राचार्य सरस्वती शिशु मंदिर, श्रीमती अर्चना गुप्ता, आभा श्रीवास्तव, गौरी लिल्हारे समाज सेविका, सावित्री राहाँगडाले जिला संयोजक, कुंतन नेवारे एवं समस्त स्कूल स्टॉफ उपस्थित रहें।

जिला चिकित्सालय में हंगामा, इंजेक्शन लगाने गईं नर्स से परिजनों ने की अभद्रता

नर्सों ने कुछ समय किया काम बंद, पुलिस में की शिकायत, पुलिस ने की जांच शुरू, विवाद कर रहे दो परिजनों को पुलिस ने बिठाया थाने में

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिला चिकित्सालय परिसर में उस समय हंगामा मच गया ,जब एक मरीज को इंजेक्शन लगाने पहुंची दो स्टाफ नर्स और मरीज के साथ पहुंचे परिजनों के बीच विवाद हो गया । मरीज के परिजनों का आरोप था कि स्टाफ नर्सो द्वारा उनके साथ अभद्रता की गई ,तो वहीं स्टाफ नर्स ने मरीज के परिजनों पर आरोप लगाया कि वह इंजेक्शन लगाने के दौरान उनके साथ गाली-गलौज कर मारने के लिए हाथ उठा रहे थे। मामला देखते ही देखते इतना अधिक बढ़ गया कि जिला चिकित्सालय में कार्य करने वाली सभी स्टाफ नर्सो ने कुछ समय के लिए काम बंद कर इस पूरी घटना की शिकायत विभाग और कोतवाली पुलिस को की, जिसके बाद कोतवाली पुलिस ने विवाद कर रहे मरीज के दो परिजनों को थाने ले गए और स्टाफ नर्स की शिकायत पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

अभद्रता का शिकार हुईं स्टाफ नर्स वर्षा रंगारे ने बताया कि वह सर्जिकल वार्ड में पदस्थ हैं। रविवार शाम को आर्थो वार्ड के बिस्तर क्रमांक-34 में भर्ती मरीज संजय मोहारे को इंजेक्शन लगाने गई थी। मेरे साथ सहयोगी स्टाफ नर्स में मंजू बिसेन भी थीं। वार्ड में काफी भीड़ थी। कुछ समझ नहीं आ रहा था कौन मरीज है, कौन उनका परिचित या परिजन है। मरीज संजय मोहारे के बिस्तर पर बहुत सारे परिचित बैठे थे। चूंकि, मुझे सर्दी-जुकाम है, इसलिए मैंने एक व्यक्ति को इशारे से बिस्तर से हटने कहा, ताकि इंजेक्शन लगा सकूं। इस पर वह भड़क गया और सुबह से डाक्टर के वार्ड में न आने की भड़ास निकालने लगा। इतने में वह मेरे चेहरे के पास मोबाइल लाकर मेरी फोटो खींचने लगा और गंदी गालियां देना शुरू कर दिया। मैं उसका हाथ हटाकर वहां से निकलने लगी, तो वह मुझे मारने दौड़ा और पीठ पर हाथ से वार किया। उन्होंने बताया कि जिला चिकित्सालय में यह कोई पहला मामला नहीं है कि मरीज के साथ आने वाले परिजन द्वारा विवाद किया गया हो ,इसके पहले भी कई बार दिन में और रात्रि के समय मरीजों के साथ आने वाले परिजन शराब के नशे में जिला चिकित्सालय आते हैं और यहां उपस्थित स्टाफ और डॉक्टर को गाली गलौज करते हैं । जिला चिकित्सालय में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई जानी चाहिए और उन्होंने अभी बताया कि जब तक इस पूरे विषय पर न्याय उचित कार्यवाही नहीं होती तब तक वह सांकेतिक रूप से किस घटना का विरोध करेंगे।

कुछ समय के लिए किया गया काम बंद

जैसे ही वर्षा और मंजू बिसेन के साथ हुई इस घटना की जानकारी अन्य स्टाफ नर्स को लगी ,तो सभी इमरजेंसी वार्ड में आकर जमा हो गए और उन्होंने इस घटी, घटना का विरोध किया । एक लिखित शिकायत विभाग और पुलिस में की और कुछ समय के लिए सभी स्टाफ नर्सो ने वार्डो से आकर काम बंद कर दिया । लगभग 1 घंटे तक स्टाफ नर्स ने काम बंद रखा , उसके बाद उन्होंने बताया कि अति आवश्यक सेवा होने के कारण वह एक मरीज के कारण सभी का नुकसान नहीं कर सकते , किंतु इस घटना का वह सांकेतिक रूप से विरोध करेंगे और न्याय उचित कार्रवाई की मांग करेंगे । साथ ही अस्पताल में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई जाने की भी स्टाफ नर्सो ने मांग की है।

घटना बहुत ही निंदनीय है - निलय जैन

इस पूरे विषय को लेकर जब हमारे द्वारा सिविल सर्जन निलय जैन से चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि उन्हें भी स्टाफ नर्सो ने इसकी जानकारी दी है । जिसके बाद वह तुरंत ही जिला चिकित्सालय पहुंचे और इस पूरे मामले को लेकर दोनों ही पक्ष को समझाने का प्रयास किया गया लेकिन दोनों ही पक्ष समझने को तैयार नहीं थे , इसलिए उन्होंने इसकी शिकायत पुलिस में की है और स्टाफ नर्स से भी इस पूरे विषय को लेकर लिखित शिकायत कोतवाली में किए जाने की बात कही है। घटना बहुत ही निंदनीय है और इस पर वह अलग से पुलिस अधिकारियों से मिलकर बात करेंगे जिला चिकित्सालय में महिला पुलिस बल भी लगवाने के लिए पत्राचार करेंगे।

कोतवाली पुलिस कर रही मामले की जांच

जैसे ही इस पूरी घटना की शिकायत फोन पर कोतवाली पुलिस को दी गई । वैसे ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और मामले को शांत करते हुए अस्पताल परिसर में विवाद कर रहे हैं, मरीज के दोनों परिजनों को कोतवाली पुलिस में लाकर बिठाया और साथ ही स्टाफ नर्सो की शिकायत पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है । यहां भर्ती मरीज भी जिला चिकित्सालय से छुट्टी करवाकर निजी अस्पताल में चले गए हैं ।

गोदरी एक व्यक्ति मंगल बाहेश्वर की संदिग्ध स्थिति में मौत

सामाजिक बहिष्कार करने दी गई धमकी के मानसिक तनाव से अटैक आने का आरोप

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

हट्टा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गोदरी गांव में इसी ग्राम के व्यक्ति मंगल पिता स्व. फागुलाल बाहेश्वर 35 वर्ष की संदिग्ध स्थिति में मौत मौत हो गई। इस व्यक्ति को मौत सामाजिक दबाव एवं पैसों के विवाद चलते हृदय गति रुकने से मौत होने का आरोप उसके परिजनों ने समाज के कुछ लोंगो पर लगाये है। हट्टा पुलिस ने इस व्यक्ति का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिये है।

2 दिन से घर में अकेला था मंगल

प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगल बाहेश्वर खेती किसानी के अलावा घर में उसकी ऑनलाइन दुकान है जिसके परिवार में पत्नी मां और दो बच्चे हैं। हाल ही में मंगल बाहेश्वर की पत्नी दीपिका उर्फ सोनू पुणे में रहकर काम करती थी। घर में मंगल अपने मां और दो बच्चों के साथ में रहता था और अपना काम करता था ।यह भी बताया गया है कि पिछले कुछ माह से मंगल शराब पीने लगा था। कमल की पत्नी दीपिका उर्फ सोनू बाहेश्वर कमाने के लिए पुणे गई हुई है। 2 दिन पहले से मंगल की माँ फुलवंता बाई बेटे मंगल के दिनों बच्चों को लेकर अपनी बेटी के गांव मुर्री गई हुई थी। मंगल अपने घर में अकेला था 3 अक्टूबर की शाम 7:00 बजे मंगल गांव में घूमने के बाद शराब पीकर अपने घर आया था। 4 अक्टूबर को सुबह 7:00 पड़ोस में रहने वाले भीकू लाल मरठे ने देखा की मंगल इतनी सुबह होने के बावजूद भी नहीं उठा है। तब भीकुलाल ने पड़ोस में रहने वाले मंगल मामा कंजीलाल दादरे आवाज लगाकर बुलाया ।कंजीलाल और भीकुलाल ने मंगल के घर में आवाज लगे किंतु कोई उत्तर नहीं आया दरवाजे धक्का देकर खोले । अंदर जाकर देखें मंगल पलंग पर सोया था और उसके शरीर पर कोई हरकत नहीं हो रही थी। काफी हिला डुला कर देखें तो समझ आया की मंगल की मृत्यु हो चुकी थी। इस घटना की रिपोर्ट कंजीलाल दादरे द्वारा गोदरी पुलिस चौकी में की गई थी। गोदरी पुलिस चौकी प्रभारी नवीन पांडे ने धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम किये और अपने स्टाफ के साथ घटना स्थल पहुंचेऔर मौके की कार्रवाई की मंगल का शव उसके पत्नी के आते तक उसी के घर में फ्रीजर रखा गया था। 5 अक्टूबर को मंगल का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया गया है। संभावना व्यक्त की गई थी मंगल की अधिक शराब के सेवन या फिर मानसिक तनाव के चलते हृदय गति रुकने से मौत हुई।

रुपए नहीं देने पर समाज से बहिष्कार करने की धमकी देने के मानसिक तनाव में अटैक से हुई मौत- पेंडारी पांचे

पेंडारी पांचे ने बताये की लक्ष्मण डोंगरे नामक व्यक्ति ने मंगल बाहेश्वर से एक लाख रुपए में जमीन का सौदा किया था। लक्ष्मण ने सौदे के दौरान एक लाख रुपए मंगल को दे दिए, लेकिन बाद में उसने जमीन लेने से इंकार कर दिया और अपने पैसे वापस मांगने लगा। इतना ही नहीं, लक्ष्मण ने रकम पर अतिरिक्त ब्याज जोड़कर मंगल से पैसे की वसूली के लिए समाज के पदाधिकारियों के साथ मिलकर दबाव बनाना शुरू कर दिया ।समाज की बैठक में लक्ष्मण और अन्य लोगों द्वारा मंगल पर 1लाख 70 हजार रुपये की मांग रखी गई थी, जिसमें 10हजार रुपये समाजिक जुर्माने के रूप में जोड़े गए थे। मंगल ने कुछ रकम चुका दी थी। लेकिन लगभग 30हजार रुपये शेष रह गए थे। इसी रकम को लेकर लगातार दबाव और समाज से बहिष्कार की धमकी दी जा रही थी ।परिजनों का कहना है कि इस मानसिक दबाव के चलते मंगल को हार्ट अटैक आया।

मधुमक्खी के हमले में कृषक घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्रामीण थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम ओरमा में मधुमक्खी के हमले में एक कृषक घायल हो गया। घायल कृषक रामनलाल पिता सेवक राम कटरे 78 वर्ष ग्राम ओरमा निवासी को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रामनलाल अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं। 5 अक्टूबर को सुबह 9:00 बजे रामनलाल अपने खेत गए थे और खेत में काम कर रहे थे ।तभी अचानक मधुमक्खी के झुंड ने रामन लाल पर हमला कर दियेऔर उसके शरीर में जगह-जगह काटने लगी थी जैसे तैसे कृषक रामनलाल अपने घर आये जिसे उसके बेटे ने मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया।

इम्फा कप 2025 अन्तर्राजजिय प्रतियोगिता सम्पन्न

खिलाड़ियों ने पेंचक सिलाट और कराते में पेश किया हुनर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। एकलव्य मार्शल आर्ट एंड फिटनेस एकेडमी द्वारा दो दिवसीय अन्तराजजिय प्रतियोगिता इम्फा कप 2025 का आयोजन दिनांक 4 और 5 अक्टूबर को उत्कर्ष विद्यालय हाल में किया गया। जिसमें 4 अक्टूबर को पेंचक सिलाट एवं 5 अक्टूबर को कराते की प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें लगभग सभी जिलों की टीमों ने भाग लिया एवं अन्य राज्यों की भी कुछ खिलाड़ी भी शामिल हुए। प्रतियोगिता में लगभग 300 खिलाड़ियों ने भाग लेकर सिलाट और कराते के हुनर पेश किए ।सभी आयु वर्ग के खिलाड़ियों ने अपने-अपने उम्र और वजन के हिसाब से अपनी अपनी कैटेगरी में भाग लिया। लिया इस प्रतियोगिता में बालाघाट के विभिन्न विभिन्न स्कूल वारासिवनी से जीनियस पब्लिक स्कूल, आइडियल पब्लिक स्कूल,एलिट ग्लोबल स्कूल, उत्कृष्ट विद्यालय,देव पब्लिक स्कूल , वेडारथ, स्कूल के खिलाड़ियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में टाटा कुमाइट सिलाट के टेंडिंग टंगल सोलो इवेंट में खिलाड़ियों ने भाग लिया और मेडल प्रशस्ति पत्र और मोमेंटो प्राप्त किया ।इस प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में एसडीएम गोपाल सोनी उत्कर्ष विद्यालय के प्राचार्य प्रवीण जोतिषी, सुरजीत सिंह ठाकुर, राकेश सर्वाइवर,खिमेंद्र गौतम,संतोष सिंघारे , गणेश अग्रवाल, राधिका कश्यप,मधु त्रिपाठी सहित अन्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

जिले में खेलो इंडिया जैसे गेम्स को करवाने का मिलेगा अवसर

आयोजको द्वारा बताया गया कि आगामी नवंबर माह में अकादमी की टीम को बालाघाट जिले में खेलो इंडिया जैसे गेम्स को करवाने का अवसर मिलने जा रहा है अकादमी द्वारा लगातार ऐसे बड़े आयोजनों को सफलतापूर्वक करवाया जा रहा है जिसके फल स्वरुप बालाघाट जिले के खिलाड़ियों को एक बड़ा मंच मिल रहा है जिससे बालाघाट जिले के खिलाड़ी राज्य स्तरीय, राष्ट्रीय स्तरीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के मंचों पर बालाघाट जिले का नाम गौरवान्वित कर रहे हैं। आयोजन के समापन में अतिथियों द्वारा इस सफल आयोजन के लिए पूरी टीम को बधाई दी गई।

नगर में जारी है वीणा वादिनी माँ सरस्वती की आराधना

अंतर्राज्यीय गरबा डांस प्रतियोगिता का हुआ आयोजन, हवनपूजन एवं जागरण आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय में आयोजित होने वाला माँ सरस्वती महोत्सव बालाघाट जिले ही नहीं अपितु महाकौशल में विभिन्न आयोजनों एवं मनमोहक झांकियों के लिए जाना जाता है। जो इस वर्ष अपने सफलतम 33 वें वर्ष में बड़े ही भक्तिभाव व हर्षोल्लास के साथ माँ सरस्वती महोत्सव मनाया जा रहा है। वहीं इस 13 दिवसीय माँ सरस्वती महोत्सव के अवसर पर प्रतिदिन विभिन्न धार्मिक, पारंपरिक, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ मनोरंजन कार्यक्रमों का भी आयोजन आयोजक समिति द्वारा आयोजित किये जा रहे है। साथ ही लालबर्रा, बालाघाट सहित अन्य जिलों के भक्तजन भी पहुंचकर धर्म लाभ अर्जित कर रहे हैं और यह महोत्सव अपनी भव्यता की ओर बढ़ते जा रहा है। वहीं समिति के द्वारा ईनामी कूपन ड्रा भी रखा गया है। 4 अक्टूबर की रात में माँ सरस्वती महोत्सव समिति के द्वारा अंतर्राज्यीय गरबा डांस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आयोजित अंतर्राज्यीय गरबा नृत्य प्रतियोगिता में पहुंचे गरबा नृत्य प्रतिभागियों के द्वारा शानदार गरबा नृत्यों की प्रस्तुती दी गई। जिसमें मृत्युजंय ग्रुप सिवनी ने प्रथम, गर्भ दीप ग्रुप लालबर्रा ने द्वितीय, अष्ट विनायक ग्रुप सिवनी ने तृतीय एवं एसडीएसएस ग्रुप उकवा ने चौथा स्थान प्राप्त किया है। वहीं गरबा नृत्य के विजेता ग्रुप को अतिथियों के हस्ते पुरस्कार वितरण किया गया। लालबर्रा नगर मुख्यालय में गत 27 सितंबर से जारी माँ सरस्वती महोत्सव धूमधाम एवं भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है एवं शिक्षा की देवी वीणा वादिनी माँ सरस्वती की आराधना कर श्रध्दालुजन धर्मलाभ अर्जित कर रहे है। साथ ही सुबह-रात 9 बजे आरती की जाती है जिसमें श्रध्दालुजन पहुंचकर माँ वीणा वादिनी की पूजा अर्चना कर धर्मलाभ अर्जित कर रहे है और 6 अक्टूबर को हवन-पूजन एवं रात में नागपुर का सांई नवदुर्गा जागरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। वहीं अंतर्राज्यीय गरबा नृत्य कार्यक्रम में पहुंची म.प्र. पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग सदस्य मौसम बिसेन ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि शारदेय नवरात्री पर्व पर 9 दिनों तक मॉ जगदम्बे की आराधना कर उनका आशीर्वाद श्रध्दालुजनों ने प्राप्त किया है। इस तरह से लालबर्रा में नवरात्रि पर्व के बाद अब माँ सरस्वती महोत्सव का पर्व बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है और रोजाना विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जा रहा है। जिसमें जिलेभर के श्रध्दालुजन पहुंचकर वीणा वादिनी माँ सरस्वती की पूजा अर्चना कर धर्मलाभ अर्जित कर रहे है। साथ ही यह भी कहा कि अंतर्राज्यीय गरबा नृत्य का आयोजन किया गया एवं प्रतिभागियों ने भी गरबा नृत्य का शानदार प्रस्तुती दिये और अन्य धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जा रहे है एवं क्षेत्रीय दर्शक भी पहुंचकर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन बढ़ा रहे है। आगे यह भी कहा कि आयोजित गरबा नृत्य प्रतियोगिता में शामिल हुए सभी गरबा नृत्य के प्रतिभागियों ने मनमोहक प्रस्तुती दी है एवं लालबर्रा माँ सरस्वती का महोत्सव भव्यता रूप ले लिया है जिसके लिए आयोजन समिति बधाई के पात्र है। इस अवसर पर श्रध्दालुजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित करने की अपील माँ सरस्वती महोत्सव समिति के पदाधिकारी व सदस्यों ने की है।

भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है माँ सरस्वती महोत्सव

चर्चा में माँ सरस्वती महोत्सव समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि गत 27 सितंबर को माँ वीणा वादिनी की स्थापना कर माँ सरस्वती महोत्सव भक्तिभाव एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है और पर्व के दौरान विविध धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जा रहे है। जिसमें 4 अक्टूबर को अंतर्राज्यीय गरबा डांस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिसमें गरबा नृत्य ग्रुप के प्रतिभागियों ने अपनी प्रस्तुती दिये एवं 5 अक्टूबर को अंतर्राज्यीय म्यूजिकल ग्रुप डांस प्रतियोगिता संपन्न हुआ। आगे बताया कि 6 अक्टूबर को हवन-पूजन कार्यक्रम संपन्न होने के बाद रात 9 बजे से नागपुर का सांई नवदुर्गा जागरण कार्यक्रम प्रारंभ होगा, 7 अक्टूबर को पुरस्कार वितरण व नागपुर का आरके इंटरटेनमेंट ग्रुप का आर्के स्ट्रा, 8 अक्टूबर को कूपन ड्रा, शशिराज म्यूजिकल ग्रुप का कार्यक्रम एवं 9 अक्टूबर को माँ सरस्वती की प्रतिमा का विसर्जन कर माँ सरस्वती महोत्सव का समापन किया जायेगा। साथ ही यह भी बताया कि बड़ी संख्या में जिले सहित अन्य जिलों के भक्तजनों महोत्सव में पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित कर रहे है।

बकोड़ा सांई मंदिर में दो दिवसीय सांई बाबा की 107 वीं पुण्यतिथि महोत्सव 8 से

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर ग्राम पंचायत बकोड़ा स्थित श्री शिरडी सांई नाथ मंदिर में सांई समिति बकोड़ा के तत्वाधान में 8 सितंबर से सांई बाबा की 107 वीं पुण्यतिथि महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। तत्संबंध में जानकारी देते हुए सांई समिति सांई ग्राम बकोड़ा के उपाध्यक्ष श्रीराम नागेश्वर ने बताया कि 8 अक्टूबर को बकोड़ा स्थित श्री शिरडी सांई नाथ मंदिर में 8 अक्टूबर से दो दिवसीय सांई बाबा की 107 वीं पुण्यतिथि महोत्सव का आयोजन किया गया है। जिसमें प्रथम दिन 8 अक्टूबर को प्रातः 5 बजे सुप्रभातम, नगर संकीर्तन, अभिषेक पुजन, शाम 6 बजे से सांई भजन, रात 9 बजे से पीएम श्री हाई स्कूल बकोड़ा का सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं 9 अक्टूबर को प्रातः 5 बजे सुप्रभातम, नगर संकीर्तन, अभिषेक पुजन, दोपहर 12 बजे से हवन-पूजन के बाद महाप्रसादी का वितरण के बाद रात 9 बजे से हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया है। जिसमें कवि अंतु झकास, मुकेश मनमौजी, माधुरी किरण, प्रदीप स्वामी, लक्ष्मीचंद ठाकरे, दिनेश मानसुन के द्वारा एक से बढ़कर एक हास्य व्यंगों की प्रस्तुती दी जायेगी। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील सांई समिति सांई ग्राम बकोड़ा के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष श्रीराम नागेश्वर सहित अन्य पदाधिकारियों ने की है।

वैश्य समाज की महिलाओं ने माँ दुर्गा की गरबा नृत्य कर की आराधना

पद्मेश न्यूज (लालबर्रा)। नगर मुख्यालय के हाई स्कूल मार्ग स्थित राजा भोज जैविक एवं प्राकृतिक कृषि उपज मंडी काम्पलेक्स परिसर में श्रीगणेश नवदुर्गा उत्सव गंज समिति के द्वारा माँ जगदम्बे की प्रतिमा विराजित कर शारदेय नवरात्र पर्व भक्तिभाव के साथ मनाया गया। वहीं इस शारदेय नवरात्र पर्व के अवसर पर महाआरती के बाद रोजाना गरबा नृत्य का भी आयोजन किया गया। जिसमें गत दिवस वैश्य समाज महिला इकाई लालबर्रा की महिलाओं ने गरबा नृत्य कर माँ दुर्गा जी की आराधना कर धर्मलाभ अर्जित किये। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में जिला पंचायत बालाघाट पूर्व अध्यक्ष श्रीमती रेखा बिसेन भी उपस्थित रही। साथ ही श्रीगणेश नवदुर्गा उत्सव गंज समिति के द्वारा महिलाओं को सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर वैश्य समाज महिला इकाई प्रभारी अनिता अग्रवाल, अध्यक्ष सरोज अवधिया, उपाध्यक्ष विनीत सोनी, छाया गुप्ता, सचिव सुनीता सहित अन्य सदस्य महिलाएं उपस्थित रहे।

विधानसभा स्तरीय सांसद खेल महोत्सव 14 को

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित सांदीपनी स्कूल लालबर्रा के खेल मैदान में आगामी 14 अक्टूबर को सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत विधानसभा स्तरीय कबड्डी खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। चर्चा में खेल ब्लाक समन्वयक लव नगपुरे ने बताया कि सांसद खेल महोत्सव 2025 के तहत विधानसभा बालाघाट-लालबर्रा के अंतर्गत 9 खेलों का ट्रायल चयन आयोजित किया जाना है, जिसमें बालाघाट स्थित मुलना स्टेडियम में 8 अक्टूबर को फुटबॉल, हॉकी, कराते, 9 अक्टूबर को कुस्ती, व्हालीवाल, बैडमिंटन, 10 अक्टूबर को एथलेटिक्स में (100, 200, 1500 मीटर दौड़, शॉटपुट), शतरंज, रस्साकसी खेलों का ट्रायल चयन खेल प्रतियोगिता संपन्न होगी। साथ ही यह भी बताया कि 14 अक्टूबर को लालबर्रा सांदीपनी स्कूल खेल मैदान में विधानसभा स्तरीय कबड्डी खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। आयोजित कबड्डी खेल प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए खिलाड़ियों को विधानसभा बालाघाट लालबर्रा का निवासी होना चाहिए, उम्र 15 से 35 वर्ष के बीच होना चाहिए। जिसमें 1 जनवरी 1991 से 31 दिसंबर 2010 के बीच होना आवश्यक है एवं एक खिलाड़ी एक ही खेल में चयनित होगा और सभी खेल महिला और पुरूष दोनों वर्गों में आयोजित होगें। साथ ही विधानसभा स्तरीय सांसद खेल महोत्सव पर आयोजित खेल प्रतियोगिता में छात्र, गैर छात्र, ग्राम पंचायत के खिलाड़ी सभी पात्र होगें इसलिए बालाघाट-लालबर्रा विधानसभा क्षेत्र के खिलाड़ी अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर अपने खेल का जौहर दिखा सकते है।

नेवरगांव ला. में कबड्डी प्रतियोगिता आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 8 किमी. दूर ग्राम पंचायत नेवरगांव ला. में शरद पुर्णिमा के अवसर पर नव युवक दुर्गा उत्सव समिति एवं फायर क्लब नेवरगांव (ला.) के तत्वाधान में 6 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे से कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। तत्संबंध में जानकारी देते हुए कार्यक्रम संयोजक अरूण तेलकर, सहसंयोजक राजा केकती ने संयुक्त रूप से बताया कि क्षेत्रीय कबड्डी खिलाड़ियों की प्रतिभा को उभारने एवं ग्रामीणजनों के मनोरंजन हेतु शरद पुर्णिमा के अवसर पर 6 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे से कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। जिसमें प्रथम पुरस्कार 11001 रूपये, द्वितीय पुरस्कार 7001 रूपये, तृतीय पुरस्कार 3501 रूपये एवं प्रवेश शुल्क 301 रूपये निर्धारित किया गया है। साथ ही यह भी बताया कि उक्त कार्यक्रम समाजसेवी अनुराग चतुरमोहता के मुख्य आतिथ्य, नेवरगांव(ला.) सरपंच संतोष पंचेश्वर की अध्यक्षता एवं क्षेत्रीय जनपद सदस्य किशोर पालीवाल के प्रमुख आतिथ्य, जनपद सदस्य धनेंद्र भलावी एवं वरिष्ठ बसपा नेता नारायण केकती के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ होगा। इस अवसर पर कबड्डी टीमों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की अपील नवयुवक दुर्गा उत्सव समिति एवं फायर क्लब नेवरगांव (ला.) के पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों ने की है।

प्रजापिता ब्रम्हकुमारीय ईश्वरीय विवि. सेवा केंद्र की जीवंत चैतन्य झांकी बनी आर्कषण का केंद्र

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय में मनाया जाने वाला महापर्व माँ सरस्वती महोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास एवं आस्थापूर्वक के साथ मनाया जा रहा है। वहीं माँ सरस्वती की पूजा अर्चना के साथ ही विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जा रहा है जिसे देखने के लिये बड़ी संख्या में श्रध्दालुजन पहुंच रहे है। इस माँ सरस्वती महोत्सव के अवसर पर सांदीपनी स्कूल लालबर्रा के सामने स्थित सामुदायिक भवन परिसर में प्रजापिता ब्रम्हाकुमारीय ईश्वरीय विश्वविद्यालय सेवा केंद्र लालबर्रा के द्वारा गत 2 अक्टूबर को रात 8 बजे विधि-विधान से पूजा अर्चना कर चैतन्य झांकियों का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर रोजाना प्रजापिता ब्रम्हाकुमारीय सेवा केन्द्र की बहनों के द्वारा रात 8 बजे के बाद से माँ दुर्गा, माँ महालक्ष्मी, माँ सरस्वती, गंगा मैया सहित अन्य देवियों की चैतन्य झांकियों का प्रदर्शन किया जा रहा है और यह जीवंत झांकी श्रध्दालुओं के लिए जनाकर्षण का केन्द्र बनी हुई है। क्षेत्रीयजन उक्त चैतन्य झांकियों को देखकर आश्चर्यचकित हो जाते है क्योंकि वे देवियों के रूप में नजर आने के साथ ही आंख की पलक भी उनकी स्थिर रहती है यानि प्रदर्शन के दौरान पलक भी नही झपकते है। 4 अक्टूबर को बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे चैतन्य झांकी स्थल पहुंचकर पूजा अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त की। इस अवसर पर विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने कहा कि प्रजापिता ब्रम्हाकुमारीय बहनों के द्वारा जीवंत चैतन्य झांकी लगाई गई है और माँ के रूप में विराजित चैतन्य झांकी को हम देखकर दर्शन कर रहे है, माँ की चैतन्य झांकी को देखकर सुखी, संतोष और सौभाग्यशाली मान रहे है। यह हमारी संस्कृति है और हमें माँ का दर्जा देते हैं, माँ स्वरूप मानते हैं, यह जीवन की एक धार्मिक झांकी है जो हमारी धार्मिक भावनाओं को प्रबल करती है। आपकों बता दे कि प्रतिवर्ष प्रजापिता ब्रम्हाकुमारीय ईश्वरीय विश्वविद्यालय सेवा केंद्र लालबर्रा के द्वारा समाज को मातृशक्ति की आराधना का संदेश देने के लिये ब्रम्हाकुमारीय बहनों के द्वारा माँ दुर्गा, माँ महाकाली, महालक्ष्मी, माँ सरस्वती व गंगा मैया की चैतन्य झांकी बनाकर मातृशक्तियों के सम्मान का संदेश दिया जाता है। चर्चा में प्रजापिता ब्रम्हाकुमारीय ईश्वरीय विश्वविद्यालय सेवा केन्द्र लालबर्रा की बहनों ने बताया कि चैतन्य झांकी प्रदर्शन के माध्यम से संदेश देना चाहते है कि शारदेय नवरात्र पर्व पर नौ दिनों तक माता-रानी की आराधना करते है परंतु घर में विराजमान हमारी मातृशक्ति बहनों का सम्मान नहीं किया जाता है। जो कि अनुचित है इसलिए चैतन्य झांकियों को देखकर सभी मातृशक्तियों का सम्मान करें। इस अवसर पर प्रजापिता ब्रम्हाकुमारीय ईश्वरी विश्वविद्यालय सेवा केन्द्र लालबर्रा की बहन-भाई व श्रध्दालुजन उपस्थित रहे।

बघोली में शरद पूर्णिमा (कोजागिरी) कार्यक्रम 8 को

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दूर ग्राम पंचायत बघोली स्थित स्कूल ग्राउण्ड में परमात्मा एक सेवा परिवार ब्लाक लालबर्रा के द्वारा 8 अक्टूबर को शरद पूर्णिमा (कोजागिरी) कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। तत्संबंध में जानकारी देते हुए आयोजक समिति के पदाधिकारियों ने बताया की परमपू'य परमात्मा एक सेवक मंडल वर्धमान नगर नागपुर कि ओर से अंधश्रध्दा, बुरे व्यसनों से दूर रहकर सुखमय जीवन जीने की प्रेरणा देने वाले महान त्यागी बाबा जुमदेव जी के आदेशानुसार कोजागिरी (शरद पूर्णिमा) का कार्यक्रम बघोली में आगामी 8 अक्टूबर को स्कूल ग्राउण्ड में आयोजित किसा गया है। इस अवसर पर शाम 5 बजे से रंगोली, कुर्सी दौड़, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता प्रारंभ होगी, जिसके बाद चर्चा बैठक, ग्रुप डांस प्रतियोगिता, भजन एवं भोजन का भी कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस अवसर पर क्षेत्र के समस्त सेवक-सेविकाओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित करने की अपील वरिष्ठ मार्गदर्शक धनीराम भोयर, दिलीप बारेकर, सोमेश्वर उके, लाकेश सार्वे, राकेश बागड़े सहित समस्त सेवक परिवार ने की है।

धनकोषा निवासी नागपुर में हुआ था घायल

बाइक की टक्कर से घायल शख्स की हुई मौत

पद्मेश न्यूज। कटंगी। तिरोड़ी थाना क्षेत्र के ग्राम धनकोषा निवासी 40 वर्षीय शख्स राधेश्याम पिता भूरेलाल क्षीरसागर की सड़क हादसे के 18 दिनों बाद मौत हो गई. 17 सितंबर 2025 को नागपुर के संघर्ष चौक में किसी अज्ञात बाइक ने राधेश्याम क्षीरसागर की बाइक को टक्कर मारी थी. जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे. नागपुर के ही अस्पताल में उनका उपचार जारी था लेकिन ढेर सारा पैसा खर्च करने के बाद भी उनकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ और चिकित्सकों ने अपने हाथ खड़े कर दिए. 04 अक्टूबर को राधेश्याम को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया था. परिजन राधेश्याम को लेकर ग्राम धनकोषा आ गए थे. रविवार 05 अक्टूबर की सुबह करीब 11 बजे धनकोषा में राधेश्याम की मौत हो गई. जिसके बाद परिजनों ने तिरोड़ी थाने में सूचना दी. पुलिस ने ग्राम धनकोषा पहुंचकर पंचनामा कार्रवाई पूरी कर शून्य में कार्रवाई करते हुए मर्ग कायम किया और शाम साढ़े 04 बजे सरकारी अस्पताल कटंगी में मृतक का पीएम कर शव परिजनों को सौंप दिया गया. बताया जा रहा है कि धनकोषा निवासी राधेश्याम क्षीरसागर नागपुर के पारडी अंबे नगर में रहता था और जेसीबी चालक था।

खंडवा से धरमटोली मार्ग कीचड़ से सराबोर

लगातार हो रही दुर्घटना से ग्रामीण आक्रोशित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।
वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत खंडवा से धरमटोली मार्ग कीचड़ से सराबोर हो गया है। जहां बड़े बड़े गड्ढे बने हुए हैं तो वहीं रोड़ उबड खाबड स्थिति में है जहां बारिश के कारण गड्ढों में पानी जमा होने के साथ पूरे मार्ग भयंकर कीचड़ फैला हुआ है। जहां से आवागमन करने में मोटर साइकिल स्लिप हो रही है तो वहीं साइकिल को धकेल कर आवागमन करना पड़ रहा है। यह स्थिति बीते करीब ४० वर्ष से बताई जा रही है जहां आवागमन करने में लोगो को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। जिनके द्वारा अनेकों बार पंचायत के माध्यम से मार्ग निर्माण की मांग की गई है। किंतु वर्तमान तक कोई ध्यान पंचायत के द्वारा नहीं दिए जाने से स्थिति यथावत है लोगों में सड़क के खिलाफ आक्रोश व्याप्त है। विदित हो की ग्राम पंचायत खंडवा के टोले के रूप में धरमटोली स्थित है जो मुख्य बस्ती से २ किलोमीटर से अधिक दूरी पर बनी हुई है। जहां करीब ३५ मकान में १५० से अधिक लोग निवास करते हैं ,आवागमन के लिए यह एक कच्चा मार्ग है जिसकी मरम्मत या निर्माण पंचायत के द्वारा आज तक नहीं किया जाना बताया जाता है। स्वयं धरमटोली के निवासरत व्यक्तियों के द्वारा मार्ग पर मुरुम डालकर आवागमन की व्यवस्था बनाई गई है। वर्तमान में उक्त निवासरत लोगों के साथ खेती किसानी वाले लोग भी धरमटोली में आना जाना करते हैं। ऐसे में मार्ग में बड़े.बड़े गड्ढे हो गए हैं तो वहीं बारिश के कारण उनमें पानी भर जाता है मार्ग में पूरा कीचड़ हो जाता है।
साइकिल मोटरसाइकिल के चक्के फंस रहे हैं आवागमन बहुत ही मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों ने पंचायत को भी कई बार आवेदन के माध्यम से मार्ग निर्माण कार्य करने की बात कही गई है। किंतु हर बार ग्रामीणों को मार्ग स्वीकृत होने और निर्माण करने की बात कही जाती है। परंतु वर्तमान तक कोई कार्य नहीं किए जाने से ग्रामीण परेशान है उनके अंदर पंचायत के खिलाफ आक्रोश भी व्याप्त है। वह मांग कर रहे हैं कि पंचायत के द्वारा अतिशीघ्र मार्ग का पक्का निर्माण करवा दिया जाए। ताकि आवागमन जैसी समस्या से उन्हें परेशान ना होना पड़े। वहीं बताया जाता है कि टोले के अंदर संजीवनी १०८ या डायल ११२ जैसी सुविधा नहीं पहुंच पाती है रास्ते में पुलियां पर मरीज को लेकर जाना पड़ता है। या वाहन खड़ा कर टोले के अंदर लोग आते हैं ऐसे में हर किसी को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

मार्ग पर कीचड़ और गड्ढे बहुत ज्यादा हो गए हैं चलना दुर्भर हो रहा है-योगेंद्र कुमार भवरे

राहगीर योगेंद्र कुमार भवरे ने बताया कि मैं वारासिवनी का रहने वाला हूं मेरा खेत इस मार्ग पर स्थित है। यह खंडवा की सड़क है जो आगे धरमटोली के लिए जाती है। साइकिल या पैदल हम इस मार्ग पर आना जाना करते हैं क्योंकि बहुत समस्या है। कीचड़ और गड्ढे बहुत ज्यादा हो गए हैं बारिश के समय चलना दुर्भर हो रहा है यहां पर डामर रोड़ बनानी चाहिए। लोगों के आसपास खेत भी है निवास स्थान भी है बरसात में यहां निवास कर रहे लोगों को समस्या होती है इस पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

इस रोड़ की समस्या ४० वर्षो से बनी हुई है-पवन पंचेश्वर

ग्रामीण पवन पंचेश्वर ने बताया कि मैं धरमटोली रहता हूं यहां पर रोड़ नहीं बनी है आने जाने की समस्या है पूरा कच्चा रोड़ है। यदि इसे बना देते हैं तो सभी को सुविधा होगी लगभग ४० वर्षो से समस्या हो रही है। वर्तमान में ३५ परिवार के डेढ़ सौ लोग यहां रहते हैं एंबुलेंस भी अंदर नहीं आ पाती है मरीज को ही लेकर एंबुलेंस तक हमें जाना पड़ता है। सरपंच को कहा तो वह कहते हैं की बनेगी स्वीकृत हो गई है पर अभी बनी नहीं है। हम यहां पर सभी निवासरत और खेतों में जाने वाले लोगों को इस समस्या से प्रतिदिन परेशान होना पड़ रहा है। मजबूरी में सब आते जाते हैं ट्रैक्टर चलने से यह स्थिति हो गई है ,पंचायत में आज तक यहां पर सड़क पर कोई काम नहीं किया है। हम निवासरत लोगों के द्वारा मुरुम लाकर सड़क पर डाली गई है थोड़ी बहुत चलने लायक जो दिख रही है वह हमारे कारण है परंतु इसे बनाना चाहिए।

रोड़ का विगत वर्षो से कोई सुधार कार्य नहीं किया गया है- तुलसीराम पंचेश्वर

ग्रामीण तुलसीराम पंचेश्वर ने बताया कि १२ वर्ष हो गया है रोड़ का कोई सुधार कार्य नहीं किया गया है। बच्चे स्कूल जाते हैं गाड़ी अंदर में नही आती है पैदल जाते हैं कपड़ा खराब हो जाता है कभी गिर जाते हैं। साइकिल लोगों की फ ंस जाती है मोटरसाइकिल स्लिप हो जाती है अचानक हर किसी को पैदल आना जाना करना पड़ रहा है। बहुत परेशानी है यदि बस्ती में किसी व्यक्ति को रात हो गई तो वह यहां नहीं आ पाता है बस्ती में ही रुकना पड़ता है। एंबुलेंस पुलिया तक आती है हर किसी को डर लगा रहता है यह रोड़ पक्की बनाई जानी चाहिए। सभी को सुविधा होगी यही सोचकर हमने पंचायत को आवेदन दे दिया है। उनके द्वारा कहा जाता है राशि आएगी तो मुरूम डाल देंगे बना देंगे पर बनाते नहीं है।

इनका कहना है

सरपंच प्रतिनिधि स्वरूप मरठे ने बताया कि उक्त सड़क लंबी है जहां पंचायत के माध्यम से ग्रेवल या सुदूर सड़क बनाना संभव नहीं है। इसके लिए जिला पंचायत में प्रस्ताव दिया गया है किंतु वहां से सुदूर सड़क देना बंद कर दिया गया है। हमारी फाइल जिला पंचायत में लगी हुई है वहीं अभी ग्राम बस्ती से टोले को जोड़ने के लिए योजना आई थी। तो उसमें प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत हमने बस्ती का नाम दिया है जो शासन को चला भी गया है। यदि स्वीकृत होता है तो मार्ग का निर्माण हो जाएगा वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में ४० ट्राली मुरुम पंचायत के माध्यम से डाली गई है परंतु बच्चे बूढ़े सभी को समस्या तो है। शासन पंचायत के प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दे रहा है इसके पहले भी सरपंच संघ के माध्यम से हड़ताल की गई थी।

हमे तलवार नही कलम का सहारा लेना पडेगा तो ही आने वाली पीढि को शिक्षित बना पायेंगे-प्रदीप जायसवाल

गर्रा, डोके,झाडगांव में वीरांगना रानी दुर्गावती की मनाई गई जयंती

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम गर्रा, डोके, झाडगांव में वीरांगना रानी दुर्गावती की ५०१ वीं जयंती मनाई गई। इस दौरान पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल मुख्य आतिथि के रूप में शामिल हुये। पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की रानी दुर्गावती भारतीय इतिहास की एक महान वीरांगना और कुशल शासिका थी। रानी ने मुगलो और बाज बहादुर के आक्रमणो का साहसपूर्वक सामना किया था। और ५२ युद्वो में से ५१ में विजय हासिल की थी उनके राज में सोने के सिक्के चलते थे। श्री जायसवाल ने कहा की आज समाज के लोग रानी दुर्गावती के सिंद्वातो पर चलकर फि र से अपने वैभव को प्राप्त कर सकते है। किंतू इस बार तलवार नही हमे कलम का सहारा लेना पडेगा। अब राजा बनने के लिये लोकतंत्र में चुनावो का सहारा लेना पड़ता है हम अगर आने वाली पीढि को शिक्षित बनायेंगे तो हम फि र से पुराने साम्राज्य को पाने की दिशा में मजबूत कदम बढायेंगे। इसी के साथ हमे अपनी एकता बनायें रखनी पडेगी। हम एकता के साथ मांग करेंगे तो पहले प्रतिमा की स्थापना हुयी और अब इस स्थल पर स्टील की रैलिग लगाकर स्थल की गरिमा और वैभवता को प्राप्त कर सकते है। इस दौरान रूपेन्द्र सोनवाने सरपंच, सुरेश पटले पूर्व सरपंच, मिलिन्द्र नगपुरे मंडल अध्यक्ष, गणेश कुभरे, अनुरसिंह उइके, आशीष परते, सुर्यपाल मडावी, विनय उइके, जवाहर वटटी , रूपसिंह उइके, परशराम उइके सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का शताब्दी पथ संचलन संपन्न

चार बस्तियों में हुआ कार्यक्रम नगर के सभी वार्डो का किया भ्रमण

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष में स्थापना दिवस विजयदशमी पर पथ संचलन कार्यक्रम ५ अक्टुबर को आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए पूरे नगर को चार बस्तियों में बाट कर विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित कराया गया। जहां मुख्य वक्ता एवं मुख्य अतिथि की उपस्थिति सर्वप्रथम भगवे ध्वज का ध्वजारोहण कर भारत माता,डॉ केशव बलराम हेडगेवार गोलवलकर गुरुजी के छाया चित्र पर माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात संबोधन कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें देश की एकता अखंडता भाईचारे इतिहास सहित वर्तमान शिक्षा के विषय पर मुख्य वक्ता के द्वारा उपस्थित स्वयंसेवकों को संबोधित किया गया। जिसमें उन्हें देश धर्म और समाज के प्रति उनके कर्तव्य और दायित्व पर भी प्रकाश डालकर विस्तार पूर्वक बताया गया कि किस प्रकार उन्हें आचरण व्यवहार करना है। तत्पश्चात चार चार लोगों की पंक्ति में सभी स्वयंसेवक हाथों में दंड लेकर बैंड की धुन पर पथ संचालन करते हुए नगर में निकले। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पदाधिकारी सदस्य सहित गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

कोर्ट परिसर से आंबेडकर बस्ती का निकला पथ संचलन

नगर के न्यायालय परिसर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की आंबेडकर बस्ती के वार्ड नंबर १,२,३,१५ के स्वयंसेवक के पथ संचलन का आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम मुख्य वक्ता डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार न्यास अध्यक्ष रविंद्र श्रीवास्तव मुख्य अतिथि सुरेश कुमार डोहरे की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया।

इसमें कोर्ट परिसर से पथ संचलन प्रारंभ हुआ जो दीनदयाल चौक रामपायली रोड़ होते हुए कालेज चौक ,अमृत नगर ,दुर्गा मंदिर, गंगोत्री ,जय स्तंभ चौक का भ्रमण करते हुए वापस सिविल कोर्ट पहुंचा जहां कार्यक्रम का समापन किया गया।

टिहलीबाई स्कूल में विवेकानंद बस्ती का हुआ कार्यक्रम

नगर के टिहलीबाई शासकीय माध्यमिक शाला परिसर में वार्ड नंबर ४,५,६ विवेकानंद बस्ती के पथ संचलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मुख्य वक्ता विभाग सरसंघचालक श्रीरंग देवरस ,मुख्य अतिथि नेतलाल परते की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। टिहलीबाई स्कूल परिसर से पथ संचलन निकाला गया जो बालाघाट रोड़ होते हुए जायसवाल पेट्रोल पंप से वापस दीनदयाल चौक, जय स्तंभ चौक से वापस टिहलीबाई स्कूल पहुंचा जहां कार्यक्रम का समापन किया गया।

श्री राम मंदिर से निकले स्वयंसेवक

नगर के श्री राम मंदिर में वार्ड नंबर ६, ७, ८,९ और १० के स्वयंसेवक के लिये श्री राम बस्ती के पथ संचालन का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मुख्य वक्ता विभाग सह कार्यवाह विक्रांत साखरे मुख्य अतिथि लक्खी रामचंदानी की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें श्री राम मंदिर से पथ संचलन निकाला गया जो गांधी चौक होते हुए कुमारी मोहल्ले से शारदा हनुमान मंदिर से मेंन रोड होते हुए नेहरू चौक ,कटंगी रोड़ ,दुर्गा मंदिर ,सब्जी बाजार होते हुए वापस श्री राम मंदिर पहुंचा जहां कार्यक्रम संपन्न हुआ।

भाजी मंडी में कबीर बस्ती का हुआ कार्यक्रम

वार्ड नंबर १४ स्थित भाजी मंडी में वार्ड नंबर ११,१२,१३,१४ के कबीर बस्ती के पथ संचलन का कार्यक्रम हुआ। यह कार्यक्रम मुख्य वक्ता विभाग सेवा प्रमुख रितेश अग्रवाल ,मुख्य अतिथि कमलेश राहगंडाले की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जहां राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना दिवस पर पथ संचलन निकाला गया जो भाजी मंडी से जागेश्वर मंदिर ,कसारी मोहल्ला ,शीतला माता मंदिर ,हैदराबाद मोहल्ला होते हुए गांधी चौक से गोलीबारी चौक होते वापस भाजी मंडी पहुंचा। जहां पर संचालन विराम कर कार्यक्रम संपन्न किया गया।

पथ संचलन का जगह जगह हुआ स्वागत

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के स्थापना दिवस विजयदशमी के अवसर पर नगर में अंबेडकर बस्ती ,विवेकानंद बस्ती, कबीर बस्ती ,श्रीराम बस्ती के रूप में चार भागों में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें यह पथ संचलन के द्वारा नगर के विभिन्न चौक चौराहा गलियों का भ्रमण किया गया। जहां लोगों के द्वारा अपने घरों के सामने विभिन्न स्थानों पर फूलों की पंखुड़ियां हवा में उछलकर स्वयंसेवक एवं पथ संचलन का स्वागत किया गया। इस दौरान सभी पथ संचलन में नन्हे मुन्ने बालक आकर्षण का केंद्र रहे जो संघ की वेशभूषा धारण कर नन्हे हाथो में छोटे.छोटे डंडों के साथ पथ संचालन में कदमताल करते रहे। इस दृश्य ने सड़क पर चल रहे लोगों को अपनी और आकर्षित किया जहां लोगों ने खड़े होकर पूरे संचलन को देखा।

विद्युत विभाग का मेंटेनेंस कार्य आज से प्रारंभ

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर में विद्युत प्रदाय बंद होने की सूचना को लेकर कार्यालय कनिष्ठ अभियंता शहर विद्युत केंद्र मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड़ वारासिवनी के द्वारा पत्र जारी किया गया है। विद्युत विभाग सहायक अभियंता राहुल तुरकर ने बताया कि वितरण केंद्र वारासिवनी शहर के अंतर्गत ३३/११ केव्ही उपकेंद्र एवं ११ केव्ही फीडर का दीपावली पर्व मेंटेनेंस एवं आवश्यक सुधार कार्य किया जाएगा। जिससे फीडर के अंतर्गत आने वाले समस्त निम्न दबाव एवं उच्च दबाव उपभोक्ता प्रभावित होंगे। इस दौरान पूरे शहर को १२ भागों में विभाजित कर मेंटेनेंस कार्य किया जाएगा। यह मेंटेनेंस कार्य ६ अक्टूबर से १३ अक्टूबर तक आयोजित किया गया है। इसमें प्रथम दिन ६ अक्टूबर की प्रात: ८ से दोपहर २ बजे तक वारा उपकेंद्र के टाउन नंबर एक के गुरुनानक धर्मशाला, बस स्टेंड, सिविल लाइन, तहसील परिसर, सब्जी मार्केट, कटंगी रोड़, खंडवा, कंचनपुर, चंदोरी, नवोदय विद्यालय। टाउन नंबर दो के वारा, बालाघाट रोड़, शिवधाम, मदनपुर, विवेकान्द कालोनी, निर्मल नगर, रेल्वे स्टेशन एवं प्रात: १० से दोपहर १२ बजे तक ओधोगिक समस्त निम्नदाब एवं उच्चदाब उपभोग्कता बंद रहेंगे। इसी प्रकार ७ अक्टूबर की प्रात ८ से दोपहर २ बजे तक टाउन नंबर तीन के लालबर्रा रोड़, एग्रीकल्चर कॉलेज,राणा राईस मिल बंद रहेगी। ८ अक्टूबर की प्रात: ९ से शाम ५ बजे तक उपकेंद्र हाउसिंग बोर्ड के फीडर १,२ के तहत हाऊसिंग बोर्ड कालोनी ,मेहंदीवाड़ा शहर फीडर के मिश्रा नगर, हिमाचल नगर, रामपायली, गणेश राईस मिल, जागेवर शिव मंदिर, औद्योगिक में समस्त एलटी एवं एचटी लाइन बंद रहेगी। अस्पताल फीडर के अंतर्गत रामपायली रोड़, दीनदयाल चौक, रानी दुर्गावती नगर सम्राट नगर, बीडी कालोनी, रिक्शा कालोनी, गंगोत्री कालोनी ,सिकंद्रा फीडर के सिकंद्रा नदी टोला, पटेल टोला, कालेज टोला, शंकर नगर बंद रहेगा। वहीं ९ अक्टूबर को उपकेंद्र वारा के टाउन नंबर दो में प्रात: ८ बजे से दोपहर २ बजे तक वारा, बालाघाट रोड़, शिवधाम, मदनपुर, विवेकान्द कालोनी एवं १३ अक्टूबर को उपकेंद्र वारा के औद्योगिक प्रात: ८ से दोपहर २ बजे तक समस्त निम्नदाब एवं उच्चदाब उपभोक्ता प्रभावित रहेंगे। इस दौरान विद्युत लाइन का मेंटेनेंस कार्य किया जाएगा।

संपादकीय

हुनर नेताओं को बेहतर इंसान बने रहने में मदद भी कर सकता है!!

कल पटना से दिल्ली का सफर कर रहे केन्द्रीय कृषिमंत्री शिवराज सिंह चौहान यह देखकर कुछ हैरान रह गए कि उनके प्लेन के को-पायलट बिहार भाजपा के वरिष्ठ नेता और सांसद राजीव प्रताप रूड़ी थे। आज शिवराज जिस मोदी सरकार में मंत्री हैं, उसी मोदी सरकार में राजीव प्रताप रूड़ी तीन बरस मंत्री रह चुके हैं। अब वे मंत्री नहीं हैं लेकिन एक कमर्शियल पायलट होने के नाते वे नियमित मुसाफिर उड़ानों को भी उड़ाते हैं। हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा था कि इस देश के तमाम नेताओं में कुल दो ही ऐसे हैं जो मुसाफिर उड़ान उड़ाने वाले पायलट रहे, पहले राजीव गांधी, और अब राजीव प्रताप रूड़ी। उन्होंने यह बात तब कही थी जब संसद परिसर में राह चलते राहुल गांधी ने रूककर उनसे बात की थी, क्योंकि उन्हीं दिनों वे कांस्टिट्यूशन क्लब का चुनाव भी लड़ रहे थे, जिसमें दलगत राजनीति से परे सभी सांसद एक-दूसरे से वोट मांग लेते हैं। अब चूंकि इस देश में राजनीतिक दलों के बीच कड़वाहट ने कुनैन को शक्कर की तरह मीठा दर्जा दे दिया है, इसलिए भाजपा और कांग्रेस के नेताओं के बीच के चलते-चलते नमस्कार-चमत्कार को भी शक की नजरों से देखा गया था। ऐसी चर्चा के बीच ही रूड़ी ने यह साफ किया था कि वे मुसाफिर उड़ान भी उड़ाते हैं।

इस देश की राजनीति में किसी नेता को कोई पेशेवर काम करते देखना कुछ अटपटा लगता है, क्योंकि ऐसा माना जाता है कि नेता बनने के बाद न सिर्फ नेताजी को, बल्कि उनकी आने वाली कई पीढ़ियों को भी किसी काम की कोई जरूरत क्यों होनी चाहिए? देश का माहौल कुछ ऐसा ही है कि लोग राजनीति में एक ऊंचाई पर पहुंचने के बाद उसी अनुपात में संपन्नता की ऊंचाई पर भी पहुंच जाते हैं, और दिखावे के लिए भी किसी काम करने की जरूरत महसूस नहीं करते। वैसे तो भूतपूर्व सांसद और विधायक की पेंशन भी अब जिंदा रहने जितनी हो गई है, लेकिन विधायक, सांसद, या मंत्री बनने के बाद लोग अपने पेशे या हुनर के काम को करते रहें, ऐसा कम ही सुनाई पड़ता है। आमतौर पर नेताजी और उनके बच्चे, बेटी- दामाद जमीन-जायदाद और कंस्ट्रक्शन के काम में लगते हैं क्योंकि उसी जगह पर कालेधन को बड़े अनुपात में खपाने की गुंजाइश रहती है। कुछ लोगों के आल-औलाद कारखाने खोल लेते हैं, और ये कारखाने सिर्फ मशीनों वाले नहीं रहते, कमाई करने वाले कई किस्म के धंधों वाले भी रहते हैं। इसलिए इस माहौल के बीच कुछ काम करने वाले नेता थोड़े से खटकते हैं मानो वे अपने साथी दूसरे नेताओं पर तंज कस रहे हों। तंज कसने के लिए हर बार शब्द ही नहीं लगते, कई बार बिना किसी को कहे हुए अपना खुद का कोई काम भी दूसरों पर तंज सरीखा लगता है। अब किसी बैठक में, या मंच पर जहां हर किसी के सामने महंगे ब्रांड की पानी की बोतलें रखी जाएं, वहां कोई घर से खुद उठाकर लाया गया पानी का प्लास्क निकालकर पानी पीने लगे, तो वह औरों पर तंज ही रहता है। हो सकता है कि रूड़ी ने रोजी-रोटी के लिए, यह उड़ान न उड़ाई हो, और कमर्शियल पैसेंजर प्लेन के पायलट का अपना लाइसेंस जिंदा रखने के लिए वे बीच-बीच में ऐसा करते हों, लेकिन जब एक साथी मंत्री बनकर सफर कर रहा हो, तब दूसरा साथी पायलट की वर्दी में प्लेन उड़ा रहा हो, तो यह भी कोई निजी पेशा या व्यवसाय न करने वाले महज मंत्री-नेता पर तंज सरीखा लग सकता है।

पार्षद बनते ही घोषित तौर पर अपना पेशा या कारोबार बंद कर देने वाले लोगों को भी रूड़ी से कुछ सीखना चाहिए। अगर राजनीति में, सार्वजनिक जीवन में जनता की जेब पर पलते हुए लोगों को ईमानदार बने रहना है, तो उन्हें किसी ऐसे काम की सोचना चाहिए जिसे वे कानूनी दायरे में कर सकें, या इतना आत्मविश्वास रखना चाहिए कि कार्यकाल खत्म होने के बाद वे उस काम पर लौट सकें। नेतागिरी अपने आपमें एक बड़ा मुनाफे का कारोबार है, यह सामाजिक सच तो है, लेकिन यह इज्जतदार सच नहीं है। कुछ और नेता भी इस तरह के रहे होंगे जो सादगी में रहे हों.जिनका नाम हमें तुरंत याद नहीं पड़ रहा है, लेकिन ऐसे बहुत कम रहे होंगे। अधिकतर नेता तो अपने कार्यकाल में ही इस अंदाज में कमाई करने में लग जाते हैं कि किसी दिन मुखिया बनने के लिए अगर साथियों को खरीदने की जरूरत पड़ी, तो उस दिन पैसों की कमी से काम नहीं रूकना चाहिए। अपने कार्यकाल खत्म हो जाने के बाद की जिंदगी किसी तरह कट जाए, महज उतनी फिक्र पर हसरत थमती नहीं है, लोगों की दो अलग-अलग फिक्र ट्रेन की दो पटरियों की तरह समानांतर चलती हैं, एक तो परमाणु युद्ध में दुनिया के नष्ट हो जाने तक अपने कुनबे की अगली पीढ़ियों की इंतजाम की, और दूसरी लीडरशिप की लड़ाई में खरीद-फरोख्त के लिए, ताकत पूरी तैयार रखने की। जनता के बीच अपनी जमीन बनाकर रखने के बजाय देश-प्रदेश में जमीनों को अपना बनाकर रखने की हवस, और उसके पूरे हो जाने के बाद उसकी ताकत नेताओं को इतना बेफिक्र कर देती हैं कि उन्हें जनता की फिक्र की फिक्र नहीं रह जाती।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की समावेशी सोच और सामाजिक प्रतिबद्धता

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जितना बड़ा हिंदू संगठन है, उसकी सोच भी उतनी ही व्यापक है। अपनी इसी सोच के चलते यह संगठन उन सभी कार्यों को हाथ में लेने से नहीं हिचकता जिनसे सामाजिक और राष्ट्रीय हित सिद्ध होने हों। फिर भले ही सामना विवादों से हो या फिर परेशानियों से। उदाहरण के लिए भारत के मुख्य न्यायाधीश श्री बी आर गवई की माताजी श्रीमती कमला ताई को एक बेहद महत्वपूर्ण समारोह में बतौर मुख्य अतिथि आमंत्रित कर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ फिर चर्चाओं में है। बुद्धिजीवी लोग आश्चर्य व्यक्त कर रहे हैं कि जो बीआर गवई बतौर मुख्य न्यायाधीश विष्णु भगवान की प्रतिमा को लेकर व्यंग्यात्मक टिप्पणी का इस्तेमाल कर चुके हैं, जिनके परिवार धारदार अंबेडकरवादी हैं, उनकी मां को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आमंत्रित कैसे कर सकता है ? यही वह सवाल है जो इस आवश्यकता को प्रतिपादित करता है कि खासकर वैचारिक तंगी के शिकार लोगों और संगठनों को संघ के बारे में व्यापक अध्ययन करना चाहिए। यह अध्ययन केवल साहित्यिक तौर पर किया जाना भी पर्याप्त नहीं रहेगा। बल्कि प्रत्यक्ष रूप से इसके बीच जाकर इसकी कार्य प्रणाली को देखकर और वैचारिक धरातल को जानकर ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचना उचित रहेगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्वयं भी अपनी पारदर्शिता पूर्ण कार्य पद्धति के लिए विख्यात है। यह बात और है कि हिंदुओं का यह विश्व स्तरीय सबसे बड़ा संगठन प्रचार प्रसार से ज्यादा कृतित्व में भरोसा रखता है। इसके प्रचारकों की कार्य प्रणाली पर भी गौर करेंगे तो वह भी मीडिया में बयान बाजी को लेकर उदासीन भाव ही रखते आए हैं। लेकिन जब राष्ट्रसेवा की बात हो तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सक्रियता देखने योग्य होती है। भारत पाक युद्ध के दौरान ध्वस्त एयर बेस को एक रात में तैयार करना हो, भीषण प्राकृतिक आपदाओं में बचाव राहत कार्य करना हो, युद्धक परिस्थितियों के दौरान देश की राजधानी दिल्ली में कानून व्यवस्था बनाए रखने की चुनौती हो, ऐसी अनेक विपदाओं के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता किसी योद्धा की तरह स्वयं को सेवा एवं राहत कार्यों में झोंक देते हैं। संघ की यही कार्य प्रणाली इसके धुर विरोधियों को भी अपनी ओर आकर्षित करती रही है।

- डॉ. राघवेन्द्र शर्मा

अनिवार्य भारत नियति दो नक्षत्र

क्या गांधी ने नेहरू को प्रधानमंत्री नियुक्त कर भारत पर थोप दिया था? बहुत वर्षों से यह आरोप लगाया जा रहा है। समय आ गया है कि इस आक्षेप की भी हम तथ्यपूर्ण और मननशील पड़ताल कर लें।

गांधी? किसी सल्तनत के शहंशाह नहीं थे, जो किसी को अपना उत्तराधिकारी बनाते या उसे अपनी गद्दी सौंपकर जाते। गांधी के पास तो कोई गद्दी तक नहीं थी। वे स्वतंत्र भारत में किसी प्रशासनिक या संवैधानिक पद पर नहीं रहे। कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष भी वे केवल एक ही बार रहे, वह भी वर्ष 1924 में एक वर्ष के लिए।

यह सच है कि गांधी ने नेहरू को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया था। लेकिन यह घटना वर्ष 1942 में तब घटी थी, जब नेहरू के प्रधानमंत्रित्व का कोई प्रसंग दूर-दूर तक नहीं था। उस घटना का संदर्भ भी यह है कि गांधी-नेहरू मतभेद बहुत बढ़ गए थे और अफ़वाहों का ज़ोर था। उस परिप्रेक्ष्य में परिदृश्य को स्पष्ट करते हुए गांधी जी ने यह बात कही थी -

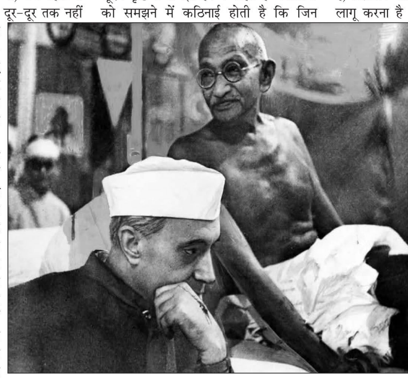

किसी ने कहा कि पण्डित जवाहरलाल और मैं विलग हो गए हैं। यह आधारहीन है। आप लाठी से वार करके पानी को बाँट नहीं सकते। हमें भी विलग करना उतना ही मुश्किल है। राजाजी नहीं, सरदार पटेल नहीं, जवाहरलाल ही मेरे उत्तराधिकारी होंगे। जब मैं चला जाऊँगा तो वे वही करेंगे, जो मैं अभी कर रहा हूँ। तब वे मेरी ही भाषा बोलेंगे।

गांधीवादी चिन्तक नन्दकिशोर आचार्य ने इस पर टिप्पणी की है कि यह किसी पद या प्रतिष्ठा का नहीं, भारतीय समाज के प्रति कर्तव्यों का उत्तराधिकार था!

1946 में नेहरू को कांग्रेस अध्यक्ष होने की हैसियत से अन्तरिम सरकार बनाने का निमंत्रण मिला था। स्वयं कांग्रेस कार्यसमिति ने उन्हें अन्तरिम सरकार बनाने का निमंत्रण स्वीकार करने का निर्देश दिया था। ये सच है कि कांग्रेस संसदीय दल की बैठक में सरदार पटेल को 15 में से 12 वोट मिले थे, लेकिन वो कांग्रेस पार्टी का अंदरूनी मामला था। जनता में तो उस समय देश के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता गांधी के बाद नेहरू ही थे और बाद में लगातार तीन आम चुनावों को बहुमत से जीतकर नेहरू ने इसे प्रमाणित किया।

इसमें संदेह नहीं भारत के पहले प्रधानमंत्री के रूप में गांधी की स्पष्ट पसंद नेहरू ही थे। इसके कारणों को समझना भी कठिन नहीं। गांधी का मानना था- और ठीक ही मानना था- कि नेहरू के पास एक व्यापक और आधुनिक विश्व-दृष्टि है, वे धर्मनिरपेक्ष हैं, प्रखर हैं, नैतिक और सत्यनिष्ठ हैं। उनकी तुलना में सरदार पटेल एक कुशल प्रशासक और सधे हुए निर्णयकर्ता थे। वे गृह मंत्री की भूमिका के लिए सर्वथा उपयुक्त थे। प्रधानमंत्री के रूप में तो नेहरू ही जँचते थे। गांधी जी ने सरदार पटेल को अपनी भावना से अवगत कराया था और सरदार ने इस पर अपनी सहमति देते हुए स्वयं ही नेहरू के प्रधानमंत्री बनने का पथ प्रशस्त कर दिया था।

रोचक बात यह है कि नेहरू अनेक विषयों पर गांधी के मुखर-विरोधी थे, इसके ?बावजूद गांधी ने नेहरू को पसन्द किया। यहाँ सवाल व्यक्तिगत पसन्द-नापसन्द का कम और देश के लिए उस समय की परिस्थितियों में कौन श्रेयस्कर होगा, इसका अधिक था। भारत-विभाजन के बाद हमें जैसा ज़ख़्मी, खण्डित राष्ट्र मिला था, उसमें केन्द्र में एक निष्पक्ष और व्यापक दृष्टिकोण वाले विज़नरी शासक की प्रतिष्ठा वांछनीय थी।

समाजवादी चिन्तक प्रेमकुमार मणि ने गांधी द्वारा नेहरू के चयन की वैधता को बहुत सूक्ष्म दृष्टि से समझा है। वे कहते हैं - ?लोगों को समझने में कठिनाई होती है कि जिन जवाहरलाल ने अनेक स्थलों पर गांधी के विचारों की खुली आलोचना की है, वह गांधी विचार-परम्परा के वाहक कैसे हो सकते थे? लेकिन ऐसे लोग परम्परा और परिपाटी के अंतर को नहीं समझते। वे नहीं जानते कि वेदान्त (वेदों का अंत) ही वैदिक परम्परा का विकास है। पुत्र और शिष्य अपने पिता और गुरु का विकास हैं। अच्छा पुत्र और शिष्य पिता और गुरु की मान्यताओं को माथे पर ढोने वाला नहीं, उनका परिमार्जन करने वाला होता है। न्यूटन का विकास आइंस्टाइन होंगे, जो उनकी कुछ मान्यताओं को ख़ारिज भी करते हैं। विकास हमेशा नवीनता यानी प्रगवता की ओर होता है। पीछे की दिशा में विकास प्रेत-विकास होगा।

नेहरू ने गांधी की कुछ मान्यताओं को अपनाया तो कुछ को ख़ारिज किया। गांधी के बाद के भारत को उन्होंने अपने साँचे में ढालकर नेहरू का भारत बनाया। गांधी से उन्होंने एक धर्मनिरपेक्ष और बहुलतावादी राष्ट्र के निर्माण का पाठ सीखा, लेकिन गांधी के ग्राम-स्वराज्य को नहीं स्वीकारा और औद्योगिक विकास की ओर बढ़े। धर्म के बजाय उन्होंने अपने शासन में विज्ञान को प्र?तिष्ठा दी। हालाँकि उनकी गुटनिरपेक्ष-नीति में गांधीवादी-विवेक झलकता था। उनकी समाजवादी नीतियाँ गांधीवादी अर्थनीति से बहुत दूर नहीं छिटक आई थीं। इसके बावजूद नवम्बर, 1963 में लोकसभा में बोलते हुए ?पण्डित नेहरू ने स्वीकार किया था कि गांधी जी के रास्ते को छोड़ना एक भूल थी।

आज सोचने पर लगता है गांधी का चयन कितना सही था। भारत जैसे मिथकवादी, पूजा-पाठी, अंधविश्वासों में बह जाने वाले देश के लिए यह आवश्यक और अपेक्षित है कि केन्द्र में ऐसा सत्ताधीश बैठा हो, जो धर्मों के प्रति एक उदासीन दृष्टि रखता हो, जो सेकुलर हो और जो समाज में वैज्ञानिक-चेतना और विश्व-नागरिकता की भावना के प्रसार को महत्व देता हो। अगर भारत जैसे देश का नेता ही पूजा-पाठ करने वाला हो जाए तो फिर देशवासियों को धर्मोन्मादी होकर डगमगाने से कोई नहीं रोक सकता- जो कि अब हो रहा है। प्रधानमंत्री का काम नीतियाँ और क़ानून बनाना है, प्रशासन को सुचारु बनाना है, नियमों को लागू करना है और शिक्षा, स्वास्थ्य, रोज़गार के मोर्चे पर देश को नेतृत्व देना है। धर्म निजी मामला है। अगर कोई प्रधानमंत्री धार्मिक आडम्बर का सार्वजनिक प्रदर्शन करके अपनी सत्ता की वैधता को क़ायम रखने का प्रयास करता है, तो यह लोकतांत्रिक चेतना का अपहरण है!

पहले नहीं लगता था, लेकिन आज सोचने पर बार-बार महसूस होता है कि भारत के नेतृत्व की बागडोर नेहरू के हाथों में सौंपने की इच्छा जताना गांधी की कितनी प्रखर दूरदृष्टि थी!

गांधी और नेहरू के इस युगपत् पर बात करते हुए मुझे रिचर्ड एटेनबरो की फ़िल्म %गांधी% का वह सरल-सा दृश्य याद हो आता है, जिसमें असहयोग आंदोलन के बाद बंदी बनाए गए गांधी जी से जेल में मिलने नेहरू जी आते हैं और उन्हें देश में हो रही गतिविधियों का संवाद सुनाते हैं। वे दोनों एक मेज़ पर पास-पास बैठे होते हैं और गम्भीर मुद्रा में फुसफुसाते हुए बतियाते हैं। लैपटॉप पर फ़िल्म देखते समय मैंने वह दृश्य वहीं रोक दिया और टकटकी लगाकर इन दोनों की युगल-मूर्ति को देर तक निहारता रहा। मुझे लगा मैं परिवार के किसी पुराने एलबम में अपने पुरखों की तस्वीर देख रहा हूँ, जो बरसों पहले चल बसे थे। हठात् मेरा गला रूँध गया!

सहसा, आनंद कुमारस्वामी का एक वाक्य मेरे मन में कौंधा- 'ग्राम और नगर- जैसे किसी शिल्पकृति में वस्तु और रूप!'

उनका गौरव भारत का गौरव बन गया। उनकी अपकीर्ति भारत की अपकीर्ति बन गई। उनकी नियति से भारत की नियति जुड़ गई। साम्प्रदायिक ताक़तें चाहे जितना झुठलाएँ, चाहे जितना दुष्प्रचार करें, लेकिन आधुनिक भारत-नियति के ये दो अनिवार्य नक्षत्र हैं-

गांधी और नेहरू!
वस्तु और रूप!!
चरखा और गुलाब!!!
यानी, भारत का अद्वैत!

- सुशोभित, विख्यात लेखक इंदौर, मध्यप्रदेश

मत कहो कि अब रेडियो कौन सुनता है!

दिल्ली के अपने इलाके की दुकान पर जहां मैंने स्पीकर, तार और दूसरे इलेक्ट्रॉनिक सामान के पुराने पार्ट-पुर्जे टंगे देखे तो जाकर पूछा- आपके यहां रेडियो भी मरम्मत हो जाता है ?

दरअसल ये पुराने पार्ट-पुर्जे टांगे ही इसलिए जाते हैं कि वो साइनबोर्ड का काम करें और ग्राहक देखकर भीतर आ जाय.

अंदर जाकर सवाल पूछने पर दुकानदार ने एकबारगी तो मुझे उपर से नीचे स्कैन किया और लापरवाही भरे अंदाज़ में कहा- अब भी लोग रेडियो सुन रहे हैं सर ?

लोग का तो पता नहीं, मैं तो सुनता हूं.

उम्र में पूछने पांच-सात बढ़े ही दिख रहे दुकानदार ने रेडियो सुनने की बात को युग-दौर और अवस्था की तरफ खींचा-

हम तो सर मोबाईल-यूट्यबवाले हैं, जो है, सब इसी पर.

मोबाईल को हवा में इस तरह लहराया कि उम्र घटकर एकदम से इक्कीस हो जाय.

कोई बात नहीं. आप बता सकते हैं कि इधर केई रेडियो मरम्मत करते हों ?

सीधे से दूसरी गली छोड़कर आगे दाहिनी तरफ मुड़ जाना, आपको पूजा-सामान की एक दुकान मिलेगी, वहां पता कर लेना. मतलब ?

मतलब ये कि बुजुर्ग बैठते हैं, उन्हें आइडिया होगा, पता कर लो वहां जाकर.

मैं समझ गया कि ये व्यक्ति टेढ़ा है और रेडियो, रेडियो सुनने और मरम्मत की बात का मज़ाक बना रहा है. मैंने कोशिश नहीं की.

एक दिन खान मार्केट में घूमते हुए बड़ी सी उस दुकान से फ्लास्क खरीदने के दौरान देखा कि इनके यहां फिलिप्स की लगभग सारी चीज़ें हैं तो संकोच में पूछा- आपको कुछ आइडिया है कि रेडियो कहां मरम्मत करा सकते हैं ?

सर ! वैसे तो सबसे सही जगह है भगीरथ पैलेस लेकिन आपको थोड़ी भी दिक्कत होती हो और आप जा नहीं पाते हो तो मेरे पास छोड़ जाना, मैं ठीक करवाता हूं.

दोबारा उस शॉप में जाना नहीं हुआ.

कुछ दिनों बाद अपने दोस्त के साथ कनॉट प्लेस घूमते हुए रेडियोग्रामोफोनहाउस की बोर्ड पर नज़र गयी दोनों अंदर घुस गए, ग्रामोफोन, रिकॉर्ड प्लेयर और बाक़ी चीज़ें देखने लगे. वो संगीत और सिनेमा से जुड़ी सिर्फ चीज़ों की बिक्री की जगह नहीं है, इसके इतिहास को समझने की शानदार जगह है. बात करते-करते उन्होंने बताया कि ये जो आप रेडियो देख रहे हैं न, मेरे पिताजी का है. 1970-71 में उन्होंने खरीदा था. बहुत ही शौक़ीन इंसान रहे. आज हम जो कुछ भी हैं, उनकी ही कृपा से है. हमने उनका ये रेडियो यहां लगा दिया है. उनके पिताजी का रेडियो देखने के बाद मैंने पूछा- लोग अब रेडियो सुनते हैं, खरीदते हैं ?

मेरे इस सवाल का उत्तर सवाल की शक्ल में दोहराते हुए कहा- खरीदते हैं, मैं जिस डीलर को जानता हूं, वो महीने में पचास हजार रेडियो बेचते हैं, कंपनी ने बनाना कम कर दिया है तो उनकी डिमांड पूरी नहीं कर पाते. लोग खूब खरीदते हैं और सुनते हैं.

लेकिन सबकुछ तो मोबाईल फोन में और यूट्यब पर है, फिर भी ?

यूट्यब पर तो सबकुछ है तो लोग क्यों एक-एक फ़िल्म के चार-चार हजार की ग्रैमोफोन रिकॉर्ड प्लेयर खरीदकर सुन रहे हैं ? आप बताओ न !

मतलब चीज़ें वापस से पुराने दौर की तरफ लौट रही हैं ? लोग मोबाईल से दूरी बनाकर वापस पुराने ढंग से गाने सुन रहे हैं ?

ये तो आप बताओगे, आपका इस पर रिसर्च है ?

इस सवाल के साथ रेडियो की दुनिया को लेकर यादों-बातों का कई सिरा खुला जिसमें मैंने आखरि सवाल जोड़ ही दिया-

तो आपके यहां लाने से रेडियो मरम्मत हो जाएगा ?

देखो ! आप लगाओगे तो मैं भी एजेंसी ही भेजूंगा, आप भी भेज सकते हो लेकिन आप परेशान न हो, तो आप सीधे मेरे पास ले आना, मैं ठीक करा दूंगा।

"रेडियो के लेकर में थोड़ा मोहग्रस्त हूं. मुझे हमेशा लगता है कि रेडियो चालू हालत में, एक ज़िंदा माध्यम की तरह घर में मौजूद रहे. एक तो इसलिए कि मैंने इस पर रिसर्च किया है. मीडिया रिसर्च की दुनिया में जो थोड़ी पहचान बनी, उसकी एक वज्ह रेडियो है और दूसरा कि दिल्ली में जितनी प्यारी दोस्ती, भरोसेमंद रिश्ते और जिनसे आत्मीयता बची रही, उसके केन्द्र रेडियो और टेलिविज़न रहा है. इस पर फिर कभी।

-श्वेता गांगुली

पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने को किसने कहा था?

ग्राहक क्यों उस चीज़ की जिम्मेदारी उठाए जिसके लिए वो जिम्मेदार ही नहीं हैं?

अगर सरकार/कंपनी ने खुद ये फैसला लिया है, तो फिर माइलेज की कमी, मेंटेनेंस का खर्चा और इंजन रिपेयर का बोझ ग्राहक क्यों उठाए? इसकी भरपाई तो कीमत घटाकर होनी चाहिए।

और कृपया , किसानों का नाम लेकर दिखावा बंद कीजिए। सबको पता है इस एथेनॉल मिलावट से असली फायदा किसको हो रहा है - किसानों को तो बिल्कुल नहीं।

ग़ज़ा शांति योजना और विश्व के लिये अछूत देश बनता इस्राईल

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रयासों से ग़ज़ा को लेकर नई शांति योजना घोषित की गयी है। कहा जा रहा है कि राष्ट्रपति ट्रंप व इस्राईली प्रधानमंत्री नेतन्याहू द्वारा संयुक्त रूप से प्रस्तावित यह योजना ग़ज़ा में सैन्य संघर्ष को समाप्त करने और इस क्षेत्र में दीर्घकालिक शांति स्थापित करने के लिए बनाई गई है। इस नई शांति योजना के अंतर्गत मुख्य रूप से ग़ज़ा को 'आतंक मुक्त' और उग्रवाद-मुक्त क्षेत्र बनाने का लक्ष्य है, जिससे पड़ोसी देशों के लिए कोई ख़तरा न रहे और वहां पुनर्निर्माण व विकास कार्य शुरू हो सके। इस प्रस्तावित योजना के तहत इस्राईल अपनी सेना को चरणबद्ध तरीक़े से ग़ज़ा से हटाएगा, बशर्ते दोनों पक्ष यानी इस्राईल और हमास इस योजना को स्वीकार करें। सार्वजनिक रूप से दोनों पक्षों द्वारा इस योजना को स्वीकार करने के 72 घंटे के भीतर सभी बंधकों की रिहाई की बात कही गई है। प्रस्तावित समझौते के अनुसार हमास के क़ब्ज़े में रखे गये बंधकों की रिहाई के बाद इस्राईल भी क़रीब 250 फ़िलस्तीनी क़ैदियों सहित अन्य सैकड़ों गिरफ़्तार ग़ज़ा वासियों को रिहा करेगा। इसके अतिरिक्त ग़ज़ा में अस्थायी रूप से एक अंतरराष्ट्रीय शासी बोर्ड बनेगा, जिसकी अध्यक्षता स्वयं डोनाल्ड ट्रंप करेंगे। इसमें पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर भी शामिल होंगे। शांति योजना के अनुसार हमास के जो सदस्य शांतिपूर्वक साथ रहने की शपथ लेंगे उन्हें तो मुआफ़ी दी जाएगी जबकि अन्य को सुरक्षित निकास या किसी इच्छुक देश में बसने का विकल्प मिलेगा।

अमेरिका व इस्राईल द्वारा ग़ज़ावासियों पर 'थोपी' जा रही इस शांति योजना पर मुस्लिम देशों के रवैये में एक राय नहीं है। सऊदी अरब, जॉर्डन, संयुक्त अरब अमीरात, क़तर, मिस्र, इंडोनेशिया और पाकिस्तान जैसे कई अन्य 'अमेरिका परस्त' मुस्लिम राष्ट्रों ने इन शांति प्रयासों का समर्थन किया है तो ईरान और तुर्की जैसे देश इस योजना को 'अधूरी' और फ़िलिस्तीन के हक़ में अपर्याप्त मान रहे हैं। इन देशों का मानना है कि इस योजना से फ़िलिस्तीनी स्वायत्तता और हमास की भूमिका सीमित हो जाती है। ईरान का मत है कि यह 'न्यायपूर्ण, संतुलित और स्थायी समाधान' के पक्ष में है और ग़ज़ा व फ़िलिस्तीन संबंधी किसी भी योजना में फ़िलिस्तीनी जनता की इच्छाओं व आकांक्षाओं की अनदेखी उचित नहीं है। ईरान ने इस योजना को 'चौंकाने वाला' और 'फ़िलिस्तीनियों के जबरन विस्थापन का प्रयास' बताया है। जबकि कई अरब देश ऐसे भी हैं जिन्होंने अमेरिका के नेतृत्व वाली इस प्रक्रिया के स्थायित्व को लेकर संदेह ज़ाहिर किया है। इस योजना को लेकर नेतन्याहू का मानना है कि इस योजना से उनके युद्ध के उद्देश्य पूरे होंगे। इस योजना के लागू होने से बंधकों की वापसी, हमास की सैन्य क्षमताओं का विघटन, और भविष्य में ग़ज़ा से कोई ख़तरा न रहना सुनिश्चित हो सकेगा। ख़बरों के अनुसार हमास ने भी दूर दृष्टि का परिचय देते हुये इस नई शांति योजना को स्वीकार कर लिया है।

ऐसे में एक बड़ा सवाल यह है कि ग़ज़ा जनसंहार के दोषी व ग़ज़ा शांति को लेकर पूरी दुनिया की अनदेखी करने वाले नेतन्याहू को आख़िर इस नई शांति योजना के लिये अचानक क्यों राज़ी होना पड़ा। यह समझने के लिये हमें पिछले दिनों संयुक्त राष्ट्र महासभा के सत्र पर नज़र डालनी होगी। दरअसल न्यूयार्क स्थित संयुक्त राष्ट्र महासभा में पिछले दिनों उस समय अजीब दृश्य देखने को मिला जब विश्व के इस सबसे प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मंच से इस्राईल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू अपना भाषण देने के लिये जैसे ही खड़े हुये उसी समय उनके भाषण का विश्व के अधिकांश देशों द्वारा बहिष्कार किया गया। 193 देशों की इस महासभा में सैकड़ों देशों के प्रतिनिधि व राजनयिक अपनी कुर्सियां छोड़कर सदन से बाहर चले गए जिससे महासभा का काफ़ी बड़ा हिस्सा ख़ाली रह गया। उस समय नेतन्याहू के चेहरे पर परेशानी व असहजता के भाव साफ़ नज़र आ रहे थे। निःसंदेह यह दृश्य इस्राईल की वर्तमान आक्रामक नीतियों, विशेषकर उसके द्वारा ग़ज़ा में जारी सैन्य अभियान और इससे होने वाले जनसंहार, के प्रति वैश्विक असहमति व आक्रोश का प्रतीक बन था। इस घटना के उस व्यापक निहितार्थ को भी समझने की ज़रूरत है जिसमें इस्राईल व नेतन्याहू के सन्दर्भ में अंतर्राष्ट्रीयक़ानून, नैतिकता, राजनीति और भविष्य की वैश्विक व्यवस्था पर सवाल खड़े होते हैं। नेतन्याहू के भाषण के दौरान केवल अरब, मुस्लिम और अफ़्रीक़ी देशों के प्रतिनिधि ही बाहर नहीं गए, बल्कि अनेक यूरोपीय व पश्चिमी देशों के राजनयिकों ने भी नेतन्याहू के भाषण के विरोध में मंच छोड़ दिया। दरअसल यह बहिष्कार इस्राईल की अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर बढ़ती अलगाव और दुनिया की नज़रों में इस्राईल के 'अछूत' बनने की स्थिति की ओर संकेत करता है।

नेतन्याहू इस समय अमेरिका संरक्षित विश्व के सबसे बड़े 'अपराधी' राष्ट्राध्यक्ष व एक बदनाम नेता के रूप में स्थापित हो चुके हैं। उनपर ग़ज़ा युद्ध में जनसंहार व युद्ध अपराध करने के आरोप हैं। इस व्यक्ति ने खाने के लिये लाइन में लगे भूखे लोगों पर, अस्पतालों पर शरणार्थी कैम्प्स पर अनेक बार बमबारी करवाई है। अंतर्राष्ट्रीय अदालत ने उसके विरुद्ध गिरफ़्तारी वारंट जारी कर रखा है। नेतन्याहू के विरुद्ध अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक अदालत ने नवंबर 2024 में वारंट जारी किया है जिसमें उसे 'युद्ध अपराध' और 'मानवता के ख़िलाफ़ अपराध' का आरोपी ठहराया गया है । इन आरोपों में भुखमरी को हथियार बनाना, नागरिकों की हत्या करवाना , उत्पीड़न, और अन्य अमानवीय कृत्य शामिल हैं।

-तनवीर जाफ़री

इंदौर बाजार की साप्ताहिक समीक्षा

इंदौर। नये मालों की आवकों के मद्देनजर आलोच्य सप्ताह के दौरान तिलहनों में सोयाबीन घटाकर बोला गया। खाद्य तेलों में सुस्ती आयी। दलहनों में मूंग बाजार सुर्खी पर रहे। चना पूर्वस्तर पर बना रहा। किराना जिंसों में नारियलों में तेजी आयी।

किराना- शनिवार को समाप्त हुए आलोच्य सप्ताह के दौरान स्थानीय सियागंज किराना बाजार में व्यापार अच्छा ही रहा। बाजार में त्यौहारी माँग धीरे-धीरे चमकने लगी है। शक्कर का कोटा 24 लाख टन का माह अक्टूबर के लिए माँग के हिसाब से ठीक है। फिर भी आलोच्य अवधि में शक्कर में बाजार 10-20 रू. प्रति क्विंटल तक हल्के पड़े। खोपरा गोला 325-375 रू. प्रति किलो पर मजबूत देखा गया। सूखे मेवों में बादाम काजू व तरबूज मगज लेवाली बनने लगी है। जिससे इनमें सुर्खी बनी हुई है। बादाम में मगज क्वालिटी माल 765-785 रू. प्रति किलो पर मजबूत रहे। काजू में 20-50 रू. प्रति किलो का सुधार आया। कालीमिर्च व मसाला जिंसों में उत्पादक मंडियों तरफ मजबूती रहने से बाजार तेजी के देखे गये। कालीमिर्च में एटम क्वालिटी माल 770-775 रू. प्रति किलो पर मजबूत रहे। नारियलों में पूछपरख अच्छी रहने से भावों में 100 रू. प्रति थैले की तेजी आयी और नारियल 120 भरती मालों में बाजार 3600-3700 रू. से बढ़कर 3700-3750 रू. प्रति थैले पर आ गये।

तेल तिलहन- समीक्षा सप्ताह के दौरान खाद्य तेलों व तिलहनों में व्यापार सामान्य ही रहा। नये सोयाबीन में आवकें सीमित मात्रा में शुरू हो गयी है। संभवतः मौसम खुलने व दिपावली के बाद बाजार में आवक बढ़ने की उम्मीद है। खाद्य तेलों में सोंगदाना तेल इंदौर लाइन पर 1310-1330 रू. प्रति 10 किलो पर आ गये। सोया तेलों में 5-10 रू. प्रति 10 किलो तक की नरमी दर्ज हुई और सोया तेल रिफाईड मालों में बाजार 1245-1250 रू. प्रति 10 किलो पर आ गये। सरसो व रायडे में मजबूती देखी गयी।

दाल दलहन- आलोच्य सप्ताह के दौरान दाल-दलहनों में कामकाज सामान्य ही रहा। चने में पूछपरख से बाजार 5950 रू. प्रति क्विंटल पर स्थिर रहे। तुअर में भाव 6000-6500 रू. प्रति क्विंटल पर बने रहे। मूंग में कमजोर आवकों के बीच भावों में 50-100 रू. प्रति क्विंटल का सुधार आया। उड़द व मसूर में लेवाली विशेष के अभाव में बाजार पूर्वस्तर पर बने रहे।

प्रॉपर्टी बेच कर निवेशकों का पैसा लौटाना चाहता है सहारा ग्रुप

मुंबई। सहारा समूह अब अपनी कुछ बड़ी संपत्तियों को अडानी प्रॉपर्टीज को बेचकर निवेशकों का पैसा वापस करना चाहता है। इस सौदे को पूरा करने की अनुमति देने के लिए सहारा समूह ने सुप्रीम कोर्ट में आवेदन किया है। अगर सुप्रीम कोर्ट इस सौदे को मंजूरी दे देता है तो वर्षों से हजारों निवेशकों का पैसा वापस मिलने का रास्ता खुल सकता है। सहारा समूह की कंपनी, सहारा इंडिया कमर्शियल कॉरपोरेशन लिमिटेड ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर जिन संपत्तियों को बेचने की अनुमति मांगी है उनमें महाराष्ट्र की एंबी वैली और लखनऊ का सहारा शहर भी शामिल हैं। याचिका पर संभवतः 14 अक्टूबर को सुनवाई होगी। अधिवक्ता के माध्यम से दायर याचिका में सहारा समूह से संबंधित विभिन्न संपत्तियों को अडानी प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड को 6 सितंबर 2025 की 'टर्म शीट' में निर्धारित नियमों एवं शर्तों पर बेचने की बात कही गई है। याचिका में कहा गया कि इस न्यायालय द्वारा समय-समय पर पारित विभिन्न आदेशों के अनुसरण और अनुमति से एसआईसीसीएल और सहारा समूह बड़ी मुश्किल से अपनी कुछ चल एवं अचल संपत्तियों को बेचने में सक्षम हुए हैं। इन संपत्तियों को बेचने से मिलने वाली राशि को बाजार नियामक सेबी-सहारा 'रिफंड' खाते में जमा कर दिया गया है। याचिका में कहा गया है कि कुल 24,030 करोड़ रुपये की मूल राशि में से सहारा समूह ने अपनी चल एवं अचल संपत्तियों की बिक्री/परिसमापन के माध्यम से लगभग 16,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं और उसे सेबी-सहारा 'रिफंड' खाते में जमा कर दिया है। समूह ने कोर्ट से अनुरोध किया है कि 6 सितंबर 2025 की टर्म शीट के तहत एसआईसीसीएल और अडानी प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड के बीच हुई डील, जिसमें 88 संपत्तियों की बिक्री का प्रस्ताव है, को मंजूरी दी जाए। कंपनी ने कहा कि यह प्रस्तावित लेन-देन न केवल सहारा समूह की संपत्तियों से महत्वपूर्ण मूल्य निकालने में मदद करेगा, बल्कि कोर्ट के आदेशों के अनुसार उसकी वित्तीय देनदारियाँ पूरी करने में भी सहायक होगा।

तेल-तिलहन बाजार में भारी गिरावट, मांग कमजोर

नई दिल्ली। बीते सप्ताह भारत के तेल-तिलहन बाजार में त्योहारों के मौसम के बावजूद कीमतों में व्यापक गिरावट देखी गई। सरसों, मूंगफली, सोयाबीन, कच्चा पामतेल (सीपीओ), पामोलीन और बिनौला तेल के थोक भाव गिरावट के साथ बंद हुए। विशेषज्ञों के अनुसार, कमजोर मांग, ऊंचे थोक भाव और खराब कारोबारी धारणा के कारण बाजार दबाव में रहा। मलेशिया एक्सचेंज में पाम तेल की कीमतें सट्टेबाजी के चलते मजबूती दिखा रही हैं, लेकिन भारत में ठंड के मौसम के कारण पाम तेल की मांग सामान्यतः घटती है, क्योंकि यह ठंड में जम जाता है। इस वजह से घरेलू बाजार में पाम और पामोलीन तेल के दाम दबाव में आए। वहीं सरसों तेल की कीमतें भी आयातित रिफाइंड तेलों की तुलना में अधिक होने से उसकी मांग कमजोर रही। सरकार ने आयात शुल्क मूल्य में भी वृद्धि की है। सीपीओ के आयात शुल्क में 41, पामोलीन में 107 और सोयाबीन डीगम तेल में 21 रुपए प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की गई है। इसके अलावा, आगामी रबी तिलहन फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में भी वृद्धि की गई है। डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी के चलते आयात महंगा हुआ है, जिससे बाजार में अतिरिक्त दबाव बना। सरसों की फसल किसानों और स्टॉकिस्टों के पास होने के कारण बिकवाली तेज हुई, जिससे दामों में गिरावट आई। बीते दो महीनों में सरसों तेल के थोक दाम लगभग 20-22 रुपए प्रति किलो तक टूट चुके हैं। हालांकि, खुदरा बाजार में इस गिरावट का कोई खास असर नहीं दिखा है, जो बाजार पारदर्शिता के लिए चिंता का विषय है। सोयाबीन, मूंगफली और बिनौला तेलों के दाम भी कमजोर मांग और निर्यात में कमी के कारण नीचे आए। इस तरह तेल-तिलहन बाजार फिलहाल अस्थिर बना हुआ है, जबकि त्योहारों के बाद मांग में सुधार की उम्मीद है।

मेष- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज आपके मन में प्रेम और सहयोग की भावना बनी रहेगी और आपको किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मिलकर खुशी होगी। सरकारी मामले में आप लापरवाही बिल्कुल ना करें और अपने धन को आपको थोड़ा सही इस्तेमाल करना होगा, क्योंकि आप शौक-मौज की चीजों में ज्यादा खर्चा करेंगे। जो बाद में आपके लिए समस्या बन सकती है।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए स्वास्थ्य के लिहाज से सचेत रहने के लिए रहेगा। यदि आपको कोई पुरानी समस्या चली आ रही थी, तो उससे सबको राहत मिलेगी। घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। आपको अपने आसपास रह रहे लोगों की बातों में आने से बचना होगा। आपके भाई की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है।

मिथुन- आज का दिन रोजगार को लेकर परेशान चल रहे लोगों के लिए बढ़िया रहने वाला है, उन्हें किसी नई नौकरी की प्राप्ति हो सकती है। आपके मित्र आपको काम को लेकर कोई अच्छा सा जवाब देंगे। आज आप अपनी पोस्ट का गलत फायदा उठाने की कोशिश न करें। आपके घर किसी अतिथि का आगमन होने से परिवार के सदस्यों में किसी बात को लेकर वाद-विवाद खड़ा हो सकता है।

कर्क- आज आपको अच्छी सोच का आपको लाभ मिलेगा। किसी सामाजिक कार्यक्रम में आपको मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। बच्चे आपके साथ कहीं घूमने-फिरने की जिद कर सकते हैं। आज का दिन आपके लिए किसी मन की इच्छा की पूर्ति के करने के लिए रहेगा। आपको कोई लेनदेन से संबंधित मामला परेशान करेगा। यदि आपने किसी से कुछ कर्ज लिया था, तो उसे भी उतारने की पूरी कोशिश करेंगे। आपको अपने आसपास रह रहे लोगों से कोई जरूरी जानकारी शेयर नहीं करनी है।

सिंह- आज का दिन आपके लिए सेहत के मामले में सचेत रहने के लिए रहेगा, क्योंकि आप अपने खानपान में लापरवाही करेंगे। आपको अपने परिवार में वरिष्ठ सदस्यों की सेवा के लिए भी कुछ समय निकालेंगे। वाहन की अकस्मात खराबी के कारण आप किसी नए वाहन की खरीदारी की प्लानिंग कर सकते हैं। आप अपने किसी परिजन से मेल-मिलाप करने जाने की सोच सकते हैं। आपने किसी से कोई वादा किया था, तो उसे भी पूरा करने की कोशिश करेंगे।

कन्या- आज आपकी कुछ नया करने की कोशिश रंग लाएगी। आज अच्छी सोच का आपको लाभ मिलेगा। आपके बॉस से आपको शाबाशी मिल सकती है। बिजनेस में कुछ उतार-चढ़ाव आएंगे, लेकिन आप उनसे घबराएंगे नहीं। आपको अपने किसी पारिवारिक समस्या को लेकर आपका मन परेशान रहेगा। आप बेवजह की भागदौड़ करने से बचें। आप अपने कामों में जिम्मेदारी दिखाएंगे। आप घूमने-फिरने की योजना बना सकते हैं।

तुला- आज का दिन आपके लिए सुखमय रहने वाला है। वैवाहिक जीवन में चल रही समस्याओं से राहत मिलेगी। आप अपने घर के साथ-साथ बाकी कामों पर भी पूरा ध्यान देंगे। जीवनसाथी को शॉपिंग आदि पर लेकर जा सकते हैं। आप दिल से लोगों का भला सोचेंगे, लेकिन लोग इसे आपका स्वार्थ समझ सकते हैं। आप अपने घर किसी पूजा-पाठ का आयोजन कर सकते हैं। जिसमें परिजनों का आना-जाना लगा रहेगा।

वृश्चिक- आज आपको लेनदेन से संबंधित मामलों में लापरवाही नहीं करनी है। ससुराल पक्ष का कोई व्यक्ति आपसे मेल-मिलाप करने आ सकता है। आप अपनी संतान को किसी सरकारी कोचिंग की तैयारी करा सकते हैं। आपकी जल्दबाजी की आदत के कारण आपसे कोई गड़बड़ी हो सकती है।

धनु- आज का दिन आपके लिए आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अच्छा रहेगा। आपको अपने भाई-बहनों का पूरा साथ मिलेगा। धन को लेकर भी आप बचत की योजनाओं पर पूरा ध्यान देंगे, जिससे आप भविष्य को लेकर भी कुछ इन्वेस्टमेंट कर सकते हैं। आप अपने किसी सहयोगी की कहीसुनी बातों पर भरोसा ना करें। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा होगा। आप परिवार के सदस्यों के साथ किसी पिकनिक आदि पर जाने की योजना बना सकते हैं।

मकर- आज का दिन आपके लिए उन्नति की राह पर आगे बढ़ने के लिए रहेगा। आपको किसी नए काम को करने की इच्छा जागृत हो सकती है। सरकारी मामलों में लापरवाही करने से आपको कोई बड़ा खमियाजा भुगतना पड़ेगा। प्रॉपर्टी डिलिंग में आप थोड़ा सोच समझकर ही आगे बढ़ें। ऑनलाइन काम कर रहे लोगों को थोड़ी सावधानी बरतनी होगी।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। आपकी कला कौशल में निखार आएगा। आपको निर्णय लेने की क्षमता भी बेहतर रहेगी। आप आज एक बड़ा लक्ष्य लेकर चलेंगे, तभी वह आसानी से पूरा हो सकेगा। आप वाहनों के प्रयोग से थोड़ा सावधानी बरतें। आपको किसी बात को लेकर आज कार्यक्षेत्र में कहासुनी हो सकती है।

मीन- आज का दिन आपके लिए कुछ कठिन रहने वाला है। आपका अपने किसी सहयोगी से बेवजह का लड़ाई-झगड़ा होने की संभावना है। परिवार में किसी सदस्य से आपको खरी खोटी सुनने को मिल सकती है। जीवनसाथी की किसी शारीरिक समस्या को लेकर अपना परेशान रहेंगे। आपको अपनी माताजी से अपने मन में चल रही किसी उलझन को लेकर बातचीत कर सकते हैं।

शब्दजाल - 8041

शब्दजाल में प्रियंका चोपड़ा की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

बल्फमास्टर, वक्त, किस्मत, ऐतराज, द हीरो, आप की खातिर, अंदाज, असंभव, प्लान, बरसात.

व	श	मु	कि	स्म	त	हो	प	न	र	द
क्त	क्रि	ल	ना	द	म	जा	ऐ	त	रा	ज
य	के	ब	हे	नि	ही	ना	न	व	टि	रू
इं	ट	र	न	शा	वा	रो	क	ले	ज	व
प	दा	सा	अं	ने	तो	हो	थ	गो	भ	त
ब	स	त	प	दा	स	ए	व	सं	वॉ	व
द	ल्फ	न	न	जी	ज	ह	अ	गो	प्ला	द
क	र	मा	प	क्श	प	क	र	चो	न	ख
र	व	त	स्ट	रा	भी	त	श्मी	अ	शा	अ
क	र	ल	प	र	ज	ता	रे	र	ह	द
क	ह	रि	म	आ	प	की	खा	ति	र	जा

शब्दजाल - 8040 का हल

जि	दि	ल	ज	ले	म	ज	ब	न	र	क
दा	स	यू	न	आ	वा	ग्री	द	इ	ह	ल
स	व	दे	पू	ह	जी	ल	न	ग	क	हो
र	ची	ने	श	ट	ज	ज्ञा	म	पा	त	न
फ	त	ई	ड	में	व	खें	न	भा	र्क	हो
रो	मे	म	सु	न	गं	पू	न	ई	र	रू
श	ज	ज	मे	ता	क	गा	श	न	ज	री
क	ल	ग	र	सं	ज	ख्म	र	ली	न	है
ब्रे	बो	र्न	य	सा	चि	क	री	ह	प	ला
त	रा	जु	न	ज	ह	त्र	व	जी	ता	त
बे	बी	लो	नि	या	ल	ब	र	रा	त	हैं

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

6 अक्टूबर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

(कुंडली: ७ मंगल बुध, केतु शुक्र ५, ८, ४, सूर्य ६, ९, ३, गुरु, १२, शनि चंद्र, १०, २, ११ राहु, १)

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	06.46 बजे से
चंद्र	मीन में	वृश्चिक	09.01 ब.से
मंगल	तुला में	धनु	11.17 बजे से
बुध	तुला में	मकर	13.22 बजे से
गुरु	मिथुन में	कुंभ	15.08 बजे से
शुक्र	सिंह में	मीन	16.41 बजे से
शनि	मीन में	मेष	18.12 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	19.52 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	21.50 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		कर्क	00.03 बजे से
		सिंह	02.20 बजे से
		कन्या	04.31 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 279 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** आश्विन **पक्ष** शुक्ल **तिथि** चतुर्दशी 12.24 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाभाद्रपदा 06.16 बजे तदनन्तर उत्तराभाद्रपदा 04.02 बजे रात्र को समाप्त। **योग** वृद्धि 13.14 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 12.24 बजे तदनन्तर विष्टि 22.54 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 14.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 05° 08' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872489 **जूलियन दिन** 2460954.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** रबी उस्सानी **तारीख** 13 **विशेष** कोजागरा पूजा, शरद पूर्णिमा, पूर्णिमा उपवास।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6985

ऊपर से नीचे:-

१. नसीर, शाहरूख, रीनाराय की फिल्म-३
२. 'एक लड़की हो गई राजी' गीत वाली राहुल राय, शीबा की फिल्म-३
३. जीतेंद्र, विश्वजीत, मुमताज की 'हमें तुमसे तुम्हें हमसे' गीत वाली फिल्म-३
४. 'एक हसीना थी एक' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
५. किशोरकुमार, माला की 'प्यार का जहाँ हो छोटा सा' गीत वाली फिल्म-४
६. 'बेदर्दी बालमा तुझको मेरा मन' गीत वाली फिल्म-३
८. राज बब्बर, राजीव कपूर, डिम्पल की 'जीने दे ये दुनिया' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'अली अली मैं जोगन बन गई' गीत वाली अष्मित पटेल, मीरा की फिल्म-३
१२. सुनीलदत्त, रेखा की 'हाय मेरी मजबूर जवानी' गीत वाली फिल्म-२,३
१४. 'उंगली में अंगूठी' गीत वाली सनी, अनिल कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-२,४
१६. गोविंदा, आदित्य, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म-४
१७. 'सगरे जगत का इक' गीत वाली अमिताभ, हेमा मालिनी की फिल्म-३
२५. राजेश खन्ना, पूनम ढिल्लों की 'ऐसी हसीन चाँदनी' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'तू सामने जब आता है' गीत वाली फिल्म-३
२८. फिल्म 'मेहबूबा' में नायिका कौन थी-२
२९. रितिक रोशन, करिश्मा की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
३. किरणकुमार, राधा सलूजा की 'दिल का नजराना ले ओ' गीत वाली फिल्म-३
६. 'आजा रे अब मेरा दिल पुकारा' गीत वाली राज कपूर, नर्गिस की फिल्म-२
७. राजेंद्रकुमार, शर्मिला की 'खाई है रेहमने कसम संग रहने' गीत वाली फिल्म-३
९. करण दीवान, स्वर्णलता की सुपरहिट फिल्म-३
११. गुरूदत्त, वहीदा की फिल्म-२
१२. फिल्म 'जीत' में सलमान का नाम-२
१३. अजय, सोनाली की 'तुम आए तो आया मुझे याद' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली करणनाथ, मनीषा, नतान्या सिंह की फिल्म-२
१६. सनी देओल, सुष्मिता की 'मैं अपना नाम भूला' गीत वाली फिल्म-२
१८. अजय, आफजाब, विवेक, रितेश, लारा, अमृताराव की फिल्म-२
१९. 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
२०. सचिन खेडेकर, तब्बू, स्मिता की अंडरवर्ल्ड पर बनी एक फिल्म-३
२१. 'फूलों से जो खुशबू आए' गीत वाली प्रशांत, ऐश्वर्या की फिल्म-३
२२. अक्षयकुमार, रवीना की 'क्यूं आँचल हमारा गिरा जा' गीत वाली फिल्म-२
२३. राजकुमार, शशि, साधना की फिल्म-२
२४. 'परदेसी तो हैं' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'दिल मेरे ना और इंतजार कर' गीत वाली शाहिद, करीना की फिल्म-२
३०. फिल्म 'रंगदे बसंती' के संगीतकार कौन थे?-४
३१. 'दिल है छोटा सा छोटी सी आशा' गीत वाली फिल्म-२
३२. अभिषेक, उदय, जॉन, ईशा, रिमी सेन की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 6984

मु	सा	फि	र		प्या	र	ही	प्या	र
क्ति		जा	न	म		फ्ता		सी	
	प			ज	ह	र		शा	न
प्र	ति	ज्ञा		बू	म		उ	म	र
	ता		स	र		फू	ल		सि
सा		खौ	फ		न		झ		म्हा
व	क्त		र		म	हा	न	ता	
न		दी		नौ	क	र		ल	की
भा	ग्य	वा	न			जी	त		म
दो		ना		स	पू	त		भू	त

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः कवि का संघर्ष

अंग्रेजी के महान कवि ओलिवर गोल्डस्मिथ को लेखन के शुरुआती दिनों में काफी संघर्ष झेलना पड़ा था। कई बार उनके पास खाने तक के लिए पैसे नहीं होते थे। वे अक्सर ही मकान मालकिन को किराया नहीं दे पाते थे। वैसे तो मकान मालकिन सहृदय महिला थी, इसलिए ज्यादा कुछ नहीं बोलती थी। लेकिन उसे भी तो अपनी रोजी-रोटी चलानी थी। एक बार जब गोल्डस्मिथ मकान मालकिन के बार-बार कहने पर भी किराया नहीं दे पाए तो उसने गुस्से में गोल्डस्मिथ की एक पांडुलिपि उठा ली और बोली, 'यह पांडुलिपि मैं तुम्हें तभी दूंगी जब तुम मेरा किराया चुका दोगे और यदि तुम किराया नहीं चुका पाए तो यह पांडुलिपि आग की भेंट चढ़ जाएगी।' इसके बाद उसने पांडुलिपि को उठाकर अपनी अलमारी में बंद कर दिया। यह देखकर गोल्डस्मिथ बेहद घबरा गए। उन्होंने तुरंत अपने मित्र डॉ. जानसन को बुलवाया। जॉनसन भागे हुए आए। उन्होंने गोल्डस्मिथ को परेशान देखा तो सारा किस्सा समझ गए। जॉनसन ने मकान-मालकिन से क्षमा मांगी और किराया चुकाकर गोल्डस्मिथ की पांडुलिपि वापिस ली। गोल्डस्मिथ पांडुलिपि को देखकर खिल उठे और जॉनसन के गले लग गए। इसके बाद जॉनसन अनेक प्रकाशकों के पास घूमे और उस पांडुलिपि को प्रकाशित करने का अनुरोध किया। आखिरकार एक प्रकाशक ने उस पांडुलिपि को साठ पौंड में खरीद लिया। जब वह पांडुलिपि पुस्तक के रूप में प्रकाशित होकर आई तो शीघ्र ही बाजार में छा गई और अत्यंत लोकप्रिय हो गई। वह पुस्तक थी 'दि विकर ऑफ वेकफील्ड।' आज यह विश्व की महान पुस्तकों में गिनी जाती है।

सूडोकु नवताल- 7294

★★★★★ कठिनतम

		4			9			
	2			8	4			
8						3		
							9	4
	3						7	
5	6							
		7						9
			2	5			8	
			6			2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7293 का हल

5	9	1	2	8	4	3	6	7
6	4	2	3	5	7	9	1	8
8	3	7	9	6	1	4	2	5
4	7	5	8	2	6	1	9	3
3	6	9	7	1	5	8	4	2
1	2	8	4	3	9	7	5	6
7	5	6	1	9	8	2	3	4
9	8	3	5	4	2	6	7	1
2	1	4	6	7	3	5	8	9

शब्द पहेली - 8509

बाएँ से दाएँ

1. तन, शरीर-3
3. चकोर, चंद्रप्रेमी पक्षी-3
6. झगड़ा, द्वेष-3
7. मोटा आटा-2
8. खिंचाव, स्वर विस्तार-2
9. असली, शुद्ध-3
10. यंत्रशाला-4
12. कार्यविधि-3
14. चिंगारी-3
16. एक कंद जिसे सुखा कर सौंठ बनाई जाती है-4
18. दूल्हे की पगड़ी-3
20. सम्मान-2
21. प्राण, जीवन तत्व-2
22. कुशल, होनहार-3
24. राशिचक्र की एक राशि-3
25. प्रेमी, साजन- 3

ऊपर से नीचे

2. अवलोकन, दरस-3
3. चलने का ढंग-2
4. तलघर-4
5. इस पर रोटी सेंकते हैं-2
6. जलजला-3
7. रसीला, रस से भरपूर-4
8. बल, जोर, दम-3
10. चाचा, अंकल-2
11. शौहर, पति-3
13. 'दीवाने हुए पागल' की नायिका-2,2
14. वहम, संदेह-3
15. राजा, सम्राट-3
16. उपद्रवी, आतंकी-4
17. गिरवी रखी वस्तु-3
20. बैठने की जगह-3
21. शराब का प्याला-2
23. रांझे की प्रेमिका-2

शब्द पहेली -8508 का हल

	अ	जा	न		स	ली	का	
दा	दा		सी		ह		या	द
मि			ब	र	सा	त		म
नी	र	व		थ		र	ह	न
		ज	रा		सा	की		
सु	ल	ह		दां		ब	हा	व
दा			सा	व	न			ज
मा	ता		ह		य		का	न
	त	म	स		न	क	ल	

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

तिमाही नतीजे आईपीओ और वैश्विक संकेत तय करेंगे बाजार की दिशा

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार के लिए यह सप्ताह कई अहम घटनाओं से भरपूर रहने वाला है। निवेशकों की नजर मुख्य रूप से दूसरी तिमाही के नतीजों, नए आईपीओ और वैश्विक आर्थिक संकेतों पर टिकी रहेगी। 9 अक्टूबर को आईटी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और टाटा एलेक्सी अपने जुलाई-सितंबर तिमाही के नतीजे घोषित करेंगी। टीसीएस के नतीजे आईटी सेक्टर की दिशा निर्धारित कर सकते हैं, खासकर जब सेक्टर में धीमी ग्रोथ को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं। इस सप्ताह का एक और बड़ा आकर्षण होगा टाटा कैपिटल का आईपीओ, जिससे निवेशकों के बीच खासा उत्साह है। साथ ही एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स के संभावित आईपीओ से जुड़ी किसी भी अपडेट पर भी बाजार की नजर रहेगी। अंतरराष्ट्रीय मोर्चे पर यूएस फेडरल रिजर्व की बैठक के एफओएमसी मिनट्स जारी किए जाएंगे, जो यह स्पष्ट करेंगे कि अमेरिका में ब्याज दरें आगे क्या रुख लेंगी। इसके साथ ही, अमेरिकी सरकार के शटडाउन की स्थिति भी वैश्विक निवेश धारणा को प्रभावित कर सकती है। पिछले सप्ताह बाजार में मजबूती देखी गई। इस सप्ताह बाजार में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। निवेशकों को सतर्कता और विवेकपूर्ण निर्णय की आवश्यकता होगी।

भारत-यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौता वार्ता शुरू

नई दिल्ली। 6 अक्टूबर से ब्रसेल्स में भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की 14वीं दौर की वार्ता शुरू हो रही है। इस समझौते के जरिए दोनों पक्ष व्यापार, निवेश और रोजगार के नए अवसरों को साकार करना चाहते हैं। यूरोपीय कंपनियों ने भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और 'मेक इन इंडिया' पहल में गहरी रुचि दिखाई है। यूरोपीय बिजनेस फेडरेशन इन इंडिया (फेबी) के सर्वे के मुताबिक भारत में 6,000 से अधिक यूरोपीय कंपनियां सक्रिय हैं, जो करीब 30 लाख लोगों को रोजगार देती हैं। ये कंपनियां न केवल निवेश कर रही हैं, बल्कि भारत में निर्माण, नवाचार और निर्यात को भी बढ़ावा दे रही हैं, जो 'मेक इन इंडिया' मिशन को गति दे रहा है। यूरोपीय संघ भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। दोनों के बीच वस्तुओं का व्यापार 120 अरब यूरो तक पहुंच चुका है, जो अमेरिका और चीन से अधिक है। सेवाओं सहित यह व्यापार 180 अरब यूरो तक पहुंच गया है। इसके बावजूद व्यापार और निवेश की बड़ी संभावनाएं बाकी हैं, जिन्हें एफटीए के माध्यम से खोला जा सकता है। वार्ता में निवेश सुरक्षा समझौते पर भी चर्चा हो रही है, जिससे निवेशकों के लिए स्थिर और पारदर्शी वातावरण सुनिश्चित होगा। साथ ही ईयू भारत रणनीतिक एजेंडा भी पेश किया गया है, जिसमें प्रौद्योगिकी, रक्षा, सतत विकास और गतिशीलता जैसी महत्वपूर्ण पहलें शामिल हैं। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस समझौते को 2025 के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य रखा है।

ईडी ने ओजोन अर्बाना पर की कार्रवाई, 423 करोड़ की संपत्तियां कुर्क

बेंगलुरु । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बेंगलुरु में मेसर्स ओजोन अर्बाना इंफ्रा डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड और उसके प्रमोटर एस वासुदेवन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत 423.38 करोड़ रुपए की अचल संपत्तियां कुर्क की गई हैं। यह कार्रवाई कंपनी द्वारा ग्राहकों के साथ की गई धोखाधड़ी के कई मामलों की जांच के बाद हुई है। कंपनी पर आरोप है कि उसने ग्राहकों को समय पर फ्लैट नहीं दिए और निर्माण कार्य में देरी की। ग्राहकों से अग्रिम भुगतान लेकर न तो फ्लैट दिए गए और न ही उनकी राशि वापस की गई। इसके साथ ही कंपनी ने परियोजना पूरा होने तक ईएमआई भुगतान करने का वादा किया था, जिसे पूरा नहीं किया गया। ईडी की जांच में पता चला कि कंपनी और प्रमोटर वासुदेवन ने मिलकर कुल 927.22 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की है। यह रकम विभिन्न समूह कंपनियों और संबद्ध व्यक्तियों के माध्यम से बेईमानी से रोक रखी गई है। ईडी ने ओजोन अर्बाना की कई परियोजनाओं में बिना बिके फ्लैट, व्यावसायिक भूमि और प्रमोटर व उनकी पत्नी की निजी संपत्तियां कुर्क की हैं। इनमें एवेन्यू के 92 फ्लैट, एक्रा 2 के 13 फ्लैट और मुदिगेरे के कहाह्ल्ली गांव में 179 एकड़ भूमि शामिल है। कुल संपत्तियों का मूल्य 423.38 करोड़ रुपए बताया गया है। पीएमएलए के तहत इस मामले में जांच जारी है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर सीबीआई ने भी इस मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राहकों के हितों की रक्षा के लिए यह कार्रवाई अहम कदम माना जा रहा है।

लांजी-आमगांव मार्ग पर दर्दनाक हादसा

शिक्षक लंकेश नगपुरे की मृत्यु, दो घायल

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी–आमगांव मार्ग पर कारंजा पेट्रोल पंप के पास रविवार सुबह 11 बजे एक दुखद सड़क हादसा हुआ, जिसमें एक शासकीय शिक्षक की मौके पर ही मृत्यु हो गई, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

जिवित अवस्था की फोटो

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम बापड़ी निवासी लंकेश नगपुरे (38 वर्ष) अपने साथी राधेश्याम नगपुरे (42 वर्ष) के साथ मोटरसाइकिल (क्रमांक एमपी 50 एमएम 6931) पर सवार होकर आमगांव की ओर जा रहे थे। उसी समय, दूसरी दिशा से लांजी की ओर आ रहे भूपेंद्र नेवारे (32 वर्ष, निवासी लोहारा) की मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 50 एमए 7520 के साथ कारंजा पेट्रोल पंप के पास दोनों वाहनों की जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में लंकेश नगपुरे के सिर में गंभीर चोट लगी, जिससे उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। राधेश्याम नगपुरे और भूपेंद्र नेवारे को भी गंभीर चोटें आईं, जिनमें भूपेंद्र का पैर टूटने की खबर है। स्थानीय लोगों ने तुरंत एंबुलेंस बुलाकर घायलों को लांजी के सिविल अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। इस घटना की सूचना अस्पताल प्रशासन ने पुलिस थाना लांजी को दी।

लंकेश नगपुरे एक समर्पित शिक्षक और समाजसेवी

मृतक लंकेश नगपुरे ग्राम पितकोना में शासकीय प्राथमिक शाला में शिक्षक के रूप में कार्यरत थे। वह अपनी मिलनसार और समाजसेवी प्रकृति के लिए जाने जाते थे। हमेशा दूसरों की मदद के लिए तत्पर रहने वाले लंकेश अपने पीछे 8 वर्षीय पुत्री, 6 वर्षीय पुत्र और परिवार को छोड़ गए। उनके निधन से बापड़ी गांव और पूरे शिक्षा जगत में शोक की लहर दौड़ गई है।

शोक और अंतिम संस्कार

लंकेश नगपुरे का अंतिम संस्कार उनके गृहग्राम बापड़ी के मोक्षधाम में सामाजिक रीति–रिवाजों के साथ किया गया। इस दौरान रिश्तेदारों, जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने पहुंचकर उन्हें पंच लकड़ी प्रदान की और शोक संवेदना व्यक्त की। विधायक राजकुमार करहि, पूर्व विधायक रमेश भटेरे, पूर्व विधायक हिना कावरे, अवंती साधना मंच लांजी, आलोक संघ लांजी सहित शिक्षा जगत के लोगों ने लंकेश के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

पुलिस ने जांच में लिया

लांजी पुलिस ने घटना की सूचना पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस दोनों वाहनों की स्थिति और सड़क की परिस्थितियों की जांच कर रही है।

यह हादसा सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता की आवश्यकता को एक बार फिर रेखांकित करता है। यदि लंकेश नगपुरे हेलमेट पहने हुए होते तो हो सकता है उनकी जान नहीं जाती, इस असामयिक निधन से समाज ने एक समर्पित शिक्षक और नेक इंसान को खो दिया है।

अवैध रेत परिवहन करते पुलिस ने पकड़ा ट्रेक्टर

चालक के विरुद्ध अपराध दर्ज

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र में लगातार रेत के अवैध रूप से खनन एवं परिवहन की जानकारी प्राप्त हो रही है रेत माफियाओं के द्वारा दिन और रात धडल्ले से रेत का दोहन करने नजर आ रहे है। समाचार पत्रो के माध्यम से भी लगातार खबरे प्रकाशित की जा रही है कि अवैध रूप से रेत खनन एवं परिवहन जारी है। जिसके तहत लांजी पुलिस भी अब रेत माफियाओं पर कार्यवाही करने में या नकेल कसने मे सक्रिय नजर आ रही है विगत दिनों पूर्व ही रेत से भरे दो ट्रैक्टरों पर चोरी की धाराओ के तहत कार्यवाही की जा चुकी है। उसके बाद भी रेत माफिया सुधरने का नाम नही ले रहे है। जिसके परिप्रेक्ष्य में 5 अक्टूबर को लांजी पुलिस को सूचना प्राप्त हुई थी की रेत से भरी ट्रैक्टर ट्राली जप्त कर पुलिस थाना लांजी लाया गया है तथा पुलिस ने इस संबध में अपराध पंजीबद्ध किया है। जिसमे लेख है कि 5 अक्टूबर को मुखबिर के द्वारा सूचना प्राप्त हुई की एक व्यक्ति अपने लाल रंग का मेसी ट्रैक्टर ट्रॉली में रेत का अवैध रूप से परिवहन कर रहा है। जो कुछ समय पश्चात ग्राम परसोड़ी घाट से निकलने वाला है जो सूचना मुखबिर के बताये अनुसार पुलिस बल ग्राम परसोड़ी पंहुचा जहा देखा की बाघ नदी परसोड़ी घाट से मोक्षधाम की ओर ट्रैक्टर रेत से भरा हुआ आ रहा था। पुलिस को देखकर चालक वाहन सहित फरार होने की काशिश करने लगा जिसको हमराह स्टाफ ने हिकमत अमली से रोका ट्रैक्टर में वाहन क्रमांक अंकित नही था। ट्रॉली में रेत भरी हुई थी वाहन चालक से रायल्टी मांगने पर नही होना बताया जिस पर पुलिस बल के द्वारा वाहन चालक का नाम पता पुछने पर अपना नाम गणेश पिता खेमचंद पगरवारे जाति लोधी उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम परसोड़ी होना बताया। ट्रैक्टर क्रमाक एमपी 50 जेड बी 7415 होना बताया जो वाहन चालक गणेश पगरवारे के द्वारा बिना रायल्टी वैद्य दस्तावेजो के रेत खनिज का परिवहन करना पााया गया। जिस पर लांजी पुलिस के द्वारा अपराध क्रमांक 233/25 धारा 303–2, बीएनएस एवं 4/21 खान एवं खनिज विकास का विनीयमन अधिनियम 1957 के तहत दण्डनीय पाया जाने से मौके पर वाहन चालक के कब्जे से अवैध रेत खनिज का परिवहन करने वाला ट्रैक्टर क्रमांक एमपी 50 जेड बी 7415 को जप्त कर अभिरक्षा में लिया गया है।

महिला को सर्प ने काटा

वैद्यकीय उपचार से मिला स्वास्थ्य लाभ

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र के ग्राम भुवा निवासी श्रीमती सरिता संजय मंडलेकर उम्र 32 वर्ष 5 अक्टूबर को दोपहर 12 को अपने घर में चावल चुन रही थी तभी डांडेकार सांप ने उसकी पीठ पर काट लिया। बताया गया कि उस वक्त घर पर अकेली थी, जिसने अपने पति अन्य को सूचना दी। जिनके घर पहुंच कर महिला को इधर उधर ले जाया गया, किन्तु महिला को जहर का असर बढ़ने लगा व कुछ देर बाद चक्कर आने लगे तो परिजनों द्वारा सीधे लांजी आत्माराम चन्ने के घर पहुंचे। लगभग तीन घंटे देरी से पहुंचेनेके कारण जहर का असर काफी हो गया था। आत्माराम चन्ने के घर पहुंचते उनके द्वारा देखा गया तुरंत ही वैद्यकीय पद्धति से उपचार प्रारंभ किया। दवा देते ही दवा का असर होने लगा एवं एक घंटे के भीतर जहर का असर खत्म होकर महिला पूर्ण रूप से स्वस्थ हो गई।

सर्पदंश से पीड़ित रोगीयों का करते हैं निशुल्क उपचार–आत्माराम चन्ने

बतादें कि लांजी नगर के वार्ड क्रमांक 4 निवासी आत्माराम चन्ने द्वारा सर्पदंश से पीड़ित लोगो का नि:शुल्क इलाज कर उन्हे ठीक करने का काम कर रहे है। नगर व क्षेत्र के जितने भी लोग है जो सर्पदंश का शिकार हो रहे है, उनमें से अनेक लोग अपना इलाज करवाने के लिए आत्माराम चन्ने के निवास पर ही आते है। आत्माराम चन्ने बताते है कि उनके पूर्वजो द्वारा दादा कोटेश्वर भगवान की असीम कृपा से व वैद्यकीय विधि से सर्पदंश से पिडि़त लोगो का उपचार किया जाता रहा है। उसके उपरान्त वे भी विगत 45 वर्षो से सर्पदंश से पीड़ितों को सेवा भावना के साथ नि:शुल्क उपचार कर स्वास्थ्य लाभ पहुंचा रहे है। आपने बताया कि विगत एक सप्ताह में आधा दर्जन से अधिक लोग सर्प दंश के शिकार हुए एवं आत्माराम चन्ने के पास उपचार प्राप्त कर स्वास्थ्य लाभ लिया। जिनमें सुमताबाई मानकर 60 वर्ष ग्राम परसाटोला को नांग सांप, आशी पिता नरेश पांचे उम्र 7 वर्ष परसाटोला, आर्यन बाहे उम्र 12 वर्ष सांवरी खुर्द, मनीषा गोबर्धन 17 वर्ष पीपलगांव शामिल हैं।

सद्भावना मित्र मण्डल ने भव्य झांकी व शोभा यात्रा निकालकर किया प्रतिमा विसर्जन

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी नगर के हृदय स्थल पर सद्भावना मित्र मण्डल लांजी एवं मॉ कालीघाट जनकल्याण समिति लांजी के द्वारा विगत लगभग 35 वर्षो से नेताजी सुभाष चौक के समीप माता रानी की प्रतिमा स्थापित कर 9 दिनों तक विशेष पूजा अर्चना आराधना की जाती है। तथा दशहरा पर्व के दुसरे दिन माता रानी की प्रतिमा का विसर्जन भव्य झांकी के साथ शोभा यात्रा निकालकर नगर भ्रमण कर नगर के धार्मिक आस्था का केन्द्र गणेश सरोवर में प्रतिमा का विसर्जन किया जाता है।

मातारानी के दर्शन के लिये दुर दुर से आते है श्रृद्धालु

समिति के द्वारा प्रतिवर्ष माता रानी की प्रतिमा दुर्ग के धनोद से लाई जाती है जिनका संपूर्ण विधि विधान से स्थापना की जाती है। 9 दिनों तक विशेष पूजा अर्चना के साथ साथ गरबा उत्सव का भी आयोजन समिति के तत्वावधान में कराया जाता है। माता रानी के दर्शनो के लिये लांजी सहित पडोसी राज्यो से भी भक्त गण एवं दर्शनार्थी पंहुचते है। बतादे कि सद्भावना मित्र मण्डल द्वारा स्थापित मातारानी को मनोकामना पूर्ण करने वाली मातारानी के नाम सभी जाना जाता है। जहां बडी संख्या में श्रृद्धालु लांजी पंहुचकर माता रानी की दर्शन लाभ लेते हुये मनवांछित फलो की प्राप्ती करते है।

आकर्षक झांकियो के साथ भव्य शोभा यात्रा

दशहरा पर्व के दुसरे दिन लांजी नगर में माता रानी की प्रतिमाओं का विसर्जन प्रारंभ हो जाता है इसी कड़ी में 4 अक्टूबर को सद्भावाना मित्र मण्डल लांजी एवं मॉ कालीघाट जनकल्याण समिति लांजी के द्वारा संध्या काल में आकर्षक झांकियो के साथ भव्य शोभा यात्रा के माध्यम माता रानी की प्रतिमा नगर भ्रमण कराया गया जिसका पूण्य लाभ क्षेत्र की जनता ने प्राप्त किया। संध्या काल से रात्रि करीब 11 बजे शोभा यात्रा गणेशी तालाब पंहुची, नगर के भ्रमण के दौरान समिति के सदस्यों एवं नगर की जनता के द्वारा संपूर्ण मार्ग पर माता रानी के जयकारो जयघोष के साथ भक्ति संगीतो में झुमते नजर आये। शोभा यात्रा नेताजी सुभाष चन्द्र बोस चौक से प्रारंभ होकर, मेनरोड़, मॉ लंजकाई मंदिर से वापस होकर गणेश तालाब पंहुची जंहा विधि विधान से मातारानी की प्रतिमा की आरती पूजन कर सरोवर में विसर्जन किया गया।

समिति के द्वारा जताया गया आभार

सद्भावना मित्र मण्डल एवं माँ काली घाट जनकल्याण समिति के अध्यक्ष युगेश रामटेक्कर, सचिव विधायक राजकुमार करहि, नितिन पशीने, मधुकर आसटकर, रुपचन्द रामटेक्कर, सचिन अग्रवाल, कैलाशपुरी गोस्वामी, सुधीर चौहान देवानन्द कुर्वे, राजा महिमेहरो, सतीश दुरुगकर, राजु मोहारे, विशाल दुग्गड़, बबलु शिवालिया, हुकुमचन्द जुझार, योगेन्द्र बबली मिश्रा, डॉ.राजेश रणदिवे, मोनु पशीने, अंकित अग्रवाल, मुकेश देवगड़े, गजानन बड़घैया, अंकित शर्मा, रोशन आसटकर, संतोष भार्गव, कमलेश बड़घैया, टेकचंद बिहोने, डॉ देवेश ऐड़े, ओमप्रकाश आसटकर, लक्ष्मण किरनापुरे सहित सभी सदस्य गण ने क्षेत्र की जनता व्यापारी वर्ग का धन्यवाद ज्ञापित कर आभार व्यक्त किया गया है।

विश्व शिक्षक दिवस पर शासकीय महाविद्यालय में शिक्षकों का किया भव्य सम्मान

पद्मेश न्यूज। लांजी। प्रत्येक वर्ष 5 अक्टूबर को विश्व शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन को यूनेस्को ने सन् 1994 में शुरू किया था, ताकि शिक्षकों के अमूल्य योगदान को सम्मान दिया जाए और उनकी स्थिति को बेहतर बनाने के लिए जागरूकता फैलाई जाए। इसी परंपरा को कायम रखते हुए, लांजी शहर में संचालित निर्माण इंस्टीट्यूट ऑफ कंप्यूटर टेक्नोलॉजी, लांजी ने शासकीय महाविद्यालय, लांजी में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर शासकीय महाविद्यालय, लांजी में वर्षों से अपनी सेवाएं दे रहे प्राचार्य रेवाराम सोनवाने, डॉ गौतमा कठाने, प्रो. सुरेन्द्र कुमार चिखले, प्रो. श्रीमती कांता वर्मा, प्रो. श्रीमती दीपमाला सूर्यवंशी, प्रो. गोलू परते, डॉ डालेश कुमार विजयवार, साहेबलाल एडे, जसपाल सिंह सिद्धू, ललित कामड़े, आर. आर. टिकेश्वर, विजय हटिले, श्रीमती ममता नारनौरे, के. के. चौधरी, लक्ष्मण बोरकर, सुखराम मड़ावी, रोशनी सोनवाने हितेश बंसोड़, वैभव मुरकुटे, राहुल पारधी, कैलाश कुमार इंझरावते,श्रीमती खेलनबाई राउत, सुनिल कुमार तिड़के,श्रीमती गीता शुक्ला, शेषराम घोरमारे एवं अन्य कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। ये सभी शिक्षक और कर्मचारी लांजी क्षेत्र के विद्यार्थियों के भविष्य को उज्ज्वल बनाने में निरंतर प्रयासरत हैं। निर्माण इंस्टीट्यूट ऑफ कंप्यूटर टेक्नोलॉजी ने परंपरागत रूप से इस समारोह में सभी शिक्षकों को शाल ओढ़ाकर, श्रीफल भेंटकर, और पेन–डायरी प्रदान कर उनके प्रति कृतज्ञता और सम्मान व्यक्त किया। समारोह में उपस्थित सभी लोगों ने शिक्षकों के समर्पण और मेहनत की सराहना की। निर्माण इंस्टीट्यूट ऑफ कंप्यूटर टेक्नोलॉजी के इस प्रयास को स्थानीय लोगों ने खूब सराहा। समारोह में विद्यार्थियों, शिक्षकों और स्थानीय नागरिकों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया, जिससे यह आयोजन और भी यादगार बन गया।

तेज रफ्तार ट्रेक्टर ने विद्युत पोल को मारी टक्कर

पद्मेश न्यूज। कटंगी। कटंगी–छतेरा मुख्य सड़क मार्ग पर नरेन्द्र ठाकरे के घर के सामने एक तेज रफ्तार ट्रेक्टर ने विद्युत पोल को जबरदस्त टक्कर मार दी और फिर दो घरों के बीच की गली में जाकर घूस गया. गनीमत की बात यह रही कि इस हादसे में एक शख्स की बाल–बाल जान बच गई. हादसा शनिवार की दोपहर 1 बजकर 45 मिनट के आस–पास हुआ है. सड़क हादसे की सूचना मिलते ही डॉयल 112 घटनास्थल पर पहुंची. वहीं स्थानीय रहवासियों ने बिजली विभाग को हादसे की सूचना दी. बिजली विभाग ने तुरंत ही बिजली आपूर्ति को बंद की ताकि किसी भी प्रकार की घटना ना हो. वहीं मौके पर पहुंचकर सुधार कार्य करने की तैयारी में है. मिली जानकारी अनुसार कटंगी की तरफ एक एक ट्रैक्टर लोहे का कुछ सामान लेकर नंदलेसरा ओपन कैप की तरफ जा रहा था. नरेन्द्र ठाकरे के घर के सामने चालक का ट्रैक्टर से नियंत्रण हट गया. जिससे ट्रैक्टर सीधे बिजली के पोल से जाकर टकरा गया. सड़क हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया है।

विधानसभा स्तरीय सांसद खेल महोत्सव महिला/पुरुष वर्ग 8अक्टूबर से 14अक्टूबर तक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सांसद खेल महोत्सव 2025 विधानसभा बालाघाट लालबर्रा के अंतर्गत बालाघाट में 09 खेलों का ट्रॉयल चयन आयोजित होंगे। विधानसभा बालाघाट के अंतर्गत जिला मुख्यालय मुलना स्टेडियम बालाघाट में 08 अक्टूबर को फुटबॉल, हॉकी ,कराते। 09 अक्टूबर को कुश्ती,वॉलीबॉल,बैडमिंटन। 10 अक्टूबर को एथलेटिक्स में(100 मी, 200मी, 1500 मी, शॉटपुट), शतरंज,रस्साकसी खेलों का ट्रॉयल चयन खेल प्रतियोगिता। एवं 14 अक्टूबर को उत्कृष्ट विद्यालय खेल मैदान लालबर्रा में विधानसभा स्तरीय कबड्डी खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए खिलाड़ियों को विधानसभा बालाघाट लालबर्रा का निवासी होना चाहिए,आयु सीमा 15 से 35 (01/01/1991 से 31/12/2010) वर्ष के बीच होना आवश्यक है। एक खिलाड़ी एक ही खेल में चयनित होगा,सभी खेल महिला और पुरुष दोनों वर्गों में आयोजित होगे। प्रतियोगिता में छात्र, गैर छात्र, ग्राम पंचायत सभी पात्र होंगे। सभी खिलाड़ी प्रतियोगिता स्थल पर मूल निवासी प्रमाण पत्र,आधार कार्ड की फोटो कॉपी,एक फोटो के साथ सुबह 10 बजें तक पहुंचे। अधिक जानकारी के लिए 9630157687 पर संपर्क करें।

लांजी में "पद्मेश"

इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें

Mo. 8319969927

कफ सिरप कांड : छिंदवाड़ा के बाद अब बैतूल में दो मासूमों की मौत

दवा लिखने वाला डॉक्टर गिरफ्तार, कटारिया फार्मा सील

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने 6 राज्यों में दवा फैक्ट्रियों की गहन छानबीन शुरू कर दी

भोपाल/छिंदवाड़ा/बैतूल/जबलपुर। मध्य प्रदेश में जहरीले कफ सिरप से बच्चों की मौत का आंकड़ा 16 तक पहुंच चुका है। छिंदवाड़ा जिले में 14 बच्चों की मौत के बाद अब बैतूल जिले के आमला ब्लॉक में दो मासूम बच्चों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से हडकंप मच गया। प्रारंभिक जांच में इन बच्चों की मौत का कारण भी किडनी फेल होना बताया जा रहा है। दोनों बच्चों का इलाज छिंदवाड़ा जिले के परासिया में ही डॉ. प्रवीण सोनी के पास हुआ था। परासिया में बच्चों की मौत के मामले में डॉ. सोनी को गिरफ्तार किया जा चुका है। बैतूल जिले में पहला मामला निहाल (2 वर्ष) पुत्र निखिलेश धुर्वे, निवासी जामुन बिछुआ का है। तबीयत बिगडने पर बच्चे को बैतूल और फिर एम्स भोपाल रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। दूसरा मामला कबीर (3 वर्ष 11 माह) पुत्र कैलाश यादव, निवासी राम नगर ढाना कलमेश्वरा का है। उसने भी इसी डॉक्टर से इलाज कराया था और 8 सितंबर को उसकी मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में एक मृत बच्ची का शव कब्र खोदकर निकाला है। जिसकी रिपोर्ट 3-4 दिन में आने की संभावना है। दरअसल, अभी तक पहले मृत बच्चे का पोस्टमार्टम हुआ है। वहीं इसके अलावा किसी का भी पीएम नहीं किया गया है। किडनी फेलियर मामले में मृत बालिका योगिता ठाकरे के शव को दफना दिया गया था। जिसका कब्र खोदकर निकला गया।

उधर, जबलपुर के नौदराब्रिज स्थित कटारिया फार्मा को सील कर दिया गया है। जिला प्रशासन कि इस कार्रवाई में क्षेत्रीय ओमती थाना और औषधि विभाग से जुड़े अधिकारी भी शामिल थे। बता दें कि शनिवार को ही परासिया थाने में डॉक्टर प्रवीण सोनी और कोल्ड्रिफ सिरप बनाने वाली कंपनी श्रेसम

फार्मासूटिकल के संचालकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई थी। इसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई को अंजाम देते हुए डॉक्टर प्रवीण सोनी को गिरफ्तार कर लिया। मामले में ड्रग्स एवं कॉस्मेटिक एक्ट की धारा 27(ए), बीएनएस की धारा 105 और 276 के तहत केस दर्ज किया गया है। जानकारी में सामने आया है कि छिंदवाड़ा में हुई बच्चों की मौत मामले में ज्यादातर बच्चों को डॉक्टर प्रवीण सोनी ने ही ये कफ सिरप लिखी थी। परासिया सीएचसी के बीएमओ अंकित सहलाम ने डॉक्टर प्रवीण सोनी के खिलाफ थाने में मामला दर्ज कराया था।

रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा

कप सिरप की जांच रिपोर्ट शनिवार रात को सामने आई। रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा हुआ। जांच में सामने आया है कि इस सिरप में खतरनाक जहरीला रसायन मौजूद था।कोल्ड्रिफ (कोल्ड्रिफ) सिरप में 46.2 प्रतिशत डायएथिलीन ग्लाइकॉल पाया गया। तमिलनाडु ड्रग्स कंट्रोल डिपार्टमेंट की लैब सिरप की जांच के बाद ये रिपोर्ट जारी की गई। डायएथिलीन ग्लाइकॉल ऐसा जहरीला रसायन, जो आमतौर पर एंटी-फ्रीज और ब्रेक फ्लूइड में इस्तेमाल होता है, किडनी को पूरी तरह तबाह कर देता है। मध्यप्रदेश सरकार ने तत्काल प्रभाव से कोल्ड्रिफ सिरप और कंपनी की सभी दवाओं की बिक्री पर रोक लगा दी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने 6 राज्यों में दवा फैक्ट्रियों की गहन छानबीन शुरू कर दी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन ने छह राज्यों में 19 दवाओं जिनमें कफ सिरप और एंटीबायोटिक शामिल हैं, उनके उत्पादन इकाइयों पर जोखिम आधारित निरीक्षण शुरू कर दिया है।

किडनी इन्फेक्शन से बच्चों की हुई थी मौत

बता दें कि जिले के परासिया सिविल अस्पताल में शिशु रोग विशेषज्ञ डॉक्टर प्रवीण सोनी 15 दिन के अवकाश पर थे और और अपने निजी क्लीनिक में बच्चों का इलाज कर रहे थे। किडनी इन्फेक्शन से जिन 10 बच्चों की मौत हुई है उनमें से 7 बच्चों का इलाज डॉक्टर प्रवीण सोनी के क्लीनिक में हुआ था। सभी को कोल्डरिफ और नेस्ट्रो डीएस दवाइयां दी गई थी। डॉक्टर के क्लीनिक के बाजू में ही उनकी पत्नी अपना मेडिकल के नाम से मेडिकल स्टोर चलाती हैं, जहां से दवाइयां बेची गई थी।

कोल्ड्रिफ सीरप के सैंपल लेकर प्रयोगशाला भेजे गए

बताया जाता है कि औषधि निरीक्षक द्वारा कटारिया फार्मा का निरीक्षण कर कोल्ड्रिफ सीरप के सैंपल लेकर प्रयोगशाला भेजे गए हैं। निरीक्षण के दौरान कटारिया फार्मा पर उपलब्ध कोल्ड्रिफ के शेष स्टॉक की खरीदी बिक्री को तत्काल प्रभाव से बंद करवा दिया गया था। इसके साथ ही इस फर्म द्वारा जहां दवाई सप्लाई की गई थी उन फर्मों से भी इस दवाइयों के क्रय विक्रय को पूर्णतः प्रतिबंध करवा दिया गया था। सैंपल की रिपोर्ट के आधार पर आगामी विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। महत्वपूर्ण है कि पूर्व में औषधि विभाग कटारिया फार्मा में रखें 50 यूनिट फ्रीज कर चुकी है और 16 को सेंपल के तौर पर परीक्षण हेतु प्रयोगशाला भेजा गया है।

दवाओं की जांच सम्बन्धी रिपोर्ट

परसिया बीएमओ अंकित सहलाम ने कहा कि ड्रग टेस्टिंग लेबोरेट्री तमिलनाडु की रिपोर्ट में डाई इथिलीन ग्लाइकोल 48.6 प्रतिशत पाया गया है। शासकीय औषधीय प्रयोगशाला से शनिवार को प्राप्त हुई रिपोर्ट में 46.8 प्रतिशत डाई इथिलीन ग्लाइकोल पाया गया है। जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। जिसकी वजह से किडनी फैल हो सकती है। और बच्चों की मौत हो रही है। डाईथिलीन ग्लाइकोल सीरप में प्रतिबंधित पदार्थ है। लिहाजा ऐसे सीरप बनाने वाली कंपनी और चिकित्सक डॉक्टर प्रवीण सोनी पर केस दर्ज किया गया है।

गुस्साई कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

छिंदवाड़ा में जहरीली कफ सिरप से एक दर्जन मासूम बच्चों की दर्दनाक मौतों के विरोध में मध्यप्रदेश कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी के नेतृत्व में कांग्रेस और एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान 12 खिलौनों के बच्चों को बीजेपी के गमछे से फांसी लगाते हुए प्रतीकात्मक रूप से सरकार की संवेदनहीनता और प्रशासनिक हत्या को दर्शाया गया। सड़क पर बैठ प्रदर्शनकारियों ने हाथों में जहरीली कफ सिरप की बोतलें और उपमुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र शुक्ला के इस्तीफे की मांग लिखी तख्तियां लेकर जमकर नारेबाजी की। कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी ने प्रदेश सरकार और स्वास्थ्य विभाग पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि इतने बड़े हादसे के बावजूद अब तक जांच रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की गई है और न ही दोषियों पर कोई ठोस कार्रवाई हुई है। 'इतने गंभीर हादसे के बाद भी सरकार चुप है, दोषियों को बचाया जा रहा है। आखिर रिपोर्ट में देरी क्यों हो रही है, मासूमों की मौत के जिम्मेदार अधिकारियों और कफ सिरप निर्माताओं पर तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए। सरकार को नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए स्वास्थ्य मंत्री को इस्तीफा देना चाहिए, वरना कांग्रेस सड़क से सदन तक आंदोलन करेगी सरकार जवाब देना होगा की जो दवाई अन्य राज्यों में प्रतिबंधित हैं वो किस की अनुमति से मध्यप्रदेश के दवा बाजार में बिक रही थी ।' प्रदर्शन में प्रमुख रूप से कांग्रेस नेता प्रकाश चौकसे, युवा कांग्रेस नेता वीरेन्द्र मिश्रा, एनएसयूआई जिला अध्यक्ष अक्षय तोमर, प्रदेश उपाध्यक्ष वरुण कुलकर्णी व रवि परमार प्रदेश महासचिव सैयद अल्तमस, जिला उपाध्यक्ष अमित हाटिया, धनजी गिरी राज विश्वकर्मा देव अवस्थी, अनिमेष गोल्डी अभय, लक्की चौबे, आर्यन मंडलोई, योगेश सोनी, नितिन तोमर समेत सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इंदौर क्राइम ब्रांच ने ठगी की 11 करोड़ से अधिक रकम पीड़ितो को लौटाई

भोपाल/इंदौर । इंदौर क्राइम ब्रांच द्वारा साल 2025 में ऑनलाइन धोखाधड़ी की शिकायतों पर सराहनीय कार्यवाही करते हुए इंदौर पुलिस की फ्रॉड इन्वेस्टिगेशन टीमों ने पीड़ित लोगो को 11 करोड़ 30 लाख 23 हजार 919 रुपये से अधिक राशि वापस कराई है। इस साल क्राइम ब्रांच को लगभग साढ़े तीन हजार सायबर ठगी की शिकायतें मिलीं, जिनमें से कई मामलो में प्रभावी कार्यवाही करते हुए आरोपियो को गिरफ्तार किया गया है। इसके साथ ही क्राइम ब्रांच इंदौर ने हजारों फर्जी बैंक खातों को फ्रीज किया है, और 100 से अधिक हैक किये गए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसै, फेसबुक, इंसटाग्राम अकाउंट को रिकवर कराया है। वहीं 200 से अधिक फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट जिन्हें आवेदकों के नाम और फोटो से बनाया गया था, उन्हें ब्लॉक भी कराया गया। विभाग द्वारा साझा की गई जानकारी के मुताबिक साल 2025 में जनवरी से माह सितंबर तक के आंकड़ो पर नजर डाली जाये तो पुलिस टीमो ने जनवरी महीने में टीम ने 70 लाख से अधिक, फरवरी में करीब 82 लाख, मार्च में 60 लाख से अधिक, अप्रैल में 61 लाख , 54 हजार 890 रुपये, मई माह में 1 करोड़ 73 लाख 4 हजार 552, जून में 1 करोड़ 86 लाख 62 हजार 205 रुपये, जुलाई में 1 करोड़ 78 लाख 82 हजार 194 रुपये, अगस्त में 1 करोड़ 49 लाख 71 हजार 122 रुपये और सितंबर में 1 करोड़ 68 लाख 10 हजार की रकम पीड़ितो को वापस लौटाई गई।

अब खेतों से परे होगी कृषि विश्वविद्यालय में पढ़ाई

छात्र सीखेंगे जनजातीय संस्कृति की विरासत

भोपाल। कृषि शिक्षा अब सिर्फ खेतों और फसलों तक सीमित नहीं रहेगी, इसमें अब संस्कृति की खुशबू भी शामिल होगी। राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ने ट्राइबल कल्चर एंड हेरिटेज नाम से नया कोर्स शुरू किया है। इसके जरिए छात्र जनजातीय समाज की भाषा, परंपराओं, जीवनशैली और सामाजिक ताने-बाने को समझ सकेंगे।

यह कोर्स राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत तैयार किया गया है और प्रदेश में इस तरह की पहल करने वाला यह पहला कृषि विश्वविद्यालय बन गया है। विश्वविद्यालय से संबद्ध इंदौर, मंदसौर, खंडवा, सीहोर और ग्वालियर के कृषि महाविद्यालयों के तीसरे वर्ष के करीब 590 छात्र इस कोर्स से जुड़ेंगे। इसे ऑनलाइन माध्यम से संचालित किया जाएगा। विश्वविद्यालय से जुड़े शिक्षक किसी भी महाविद्यालय के छात्रों को पढ़ा सकेंगे।

कोर्स की बड़ी बातें

छात्रों को जनजातीय समुदायों के इतिहास, भाषा, संस्कृति, सामाजिक-आर्थिक जीवन और वैश्वीकरण व आधुनिकता के प्रभाव की जानकारी मिलेगी। इससे छात्र न केवल तकनीकी ज्ञान में दक्ष होंगे, बल्कि समाज की जड़ों और ग्रामीण संस्कृति से भी जुड़ सकेंगे। यह कोर्स राष्ट्रीय शिक्षा नीति की उस भावना को मूर्त रूप देता है, जिसमें स्थानीय संस्कृति, परंपरा और ज्ञान को शिक्षा से जोडने की बात कही गई है। विश्वविद्यालय प्रशासन का मानना है कि इससे छात्रों का समग्र विकास होगा और कृषि शिक्षा को सामाजिक संवेदनशीलता से जोडने की नई पहचान मिलेगी।

छात्रों का दृष्टिकोण होगा व्यापक

कृषि संकाय की डीन डॉ. मृदुला बिल्लौर का कहना है कि इस कोर्स का उद्देश्य छात्रों को समाज की विविधता और सांस्कृतिक समृद्धि से अवगत कराना है। इस पहल से छात्रों का दृष्टिकोण व्यापक होगा और वे कृषि को केवल पेशे के रूप में नहीं, बल्कि समाज की उन्नति से जोडकर देख सकेंगे।

प्रदेश के 4 हजार आदिवासी गांवों का एक्शन प्लान तैयार

मुख्यमंत्री ने कहा ग्राम सभाओं को सशक्त बनाने प्रतिबद्ध है राज्य सरकार

भोपाल। प्रदेश में जनजातीय बहुल गांवों में आदि सेवा पर्व पर दो अक्टूबर को हुई विशेष ग्राम सभाओं ने आपसी विचार-विर्मश कर 4 हजार से ज्यादा विलेज एक्शन प्लान का अनुमोदन किया। शेष ग्राम सभाएं जल्द ही विलेज एक्शन प्लान बनाने की प्रक्रियाएं पूरी करेंगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जनजातीय बहुल जिलों में ग्राम सभाओं को अपने गांव के विकास का रोडमैप तैयार करने सक्षम बनाया जा रहा है। राज्य सरकार ग्राम सभाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

विलेज एक्शन प्लान के लिए 30 जनजातीय बहुल जिलों के लिए अधिकारियों के कार्य दल बनाए गए थे। अधिकारियों की टीम गांव में पहुंची और ग्राम सभाओं में उपस्थित होकर आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत आदि सेवा पर्व के महत्व को समझाया। ग्राम सभाओं ने जनजाति ग्राम विजन 2030 के लिए ग्राम विशेष एक्शन प्लान का अनुमोदन किया। साथ में यह भी

संकल्प लिया कि प्रत्येक गांव में एक आदि सेवा केंद्र स्थापित किया जाएगा। यह सेवा केंद्र एकल खिडकी नागरिक सेवा केंद्र की तरह काम करेगा। इसके माध्यम से स्थानीय लोग आदि सेवा समय, स्वैच्छिक सेवा के अंतर्गत सप्ताह में एक घंटा अपना योगदान करेंगे। सरकारी अधिकारियों को जनजातीय समुदाय की मूल भाषा, बोलियों और संस्कृति से भी जोड़ेंगे।

उल्लेखनीय की जनजातीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आदि कर्मयोगी अभियान प्रारंभ किया गया है। यह देश में जनजातीय समुदायों के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए ऐतिहासिक पहल है। इसका उद्देश्य जनजातीय क्षेत्र में ग्राम स्तर पर नेतृत्व क्षमता का विकास करना, योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना और शासन-प्रशासन को और अधिक उत्तरदायी बनाना है।

14040 गांवों का बनेगा प्लान

यह अभियान सेवा, संकल्प और समर्पण जैसे मूल्यों पर केन्द्रित है, जो जनजातीय समाज को आत्मनिर्भर, जागरूक और सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अभियान के प्रथम चरण में 41 जिलों के 249 विकासखंडों में 14,040 जनजातीय बाहुल्य गांव चिन्हित किए गए हैं। अभियान का लक्ष्य 3 लाख आदि कर्मयोगियों को प्रशिक्षित करना है। इनमें ग्राम स्तर के युवा, महिलाएं, शिक्षक, आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, पंचायत सचिव और अन्य स्थानीय प्रतिनिधि शामिल है। अभियान में 18,150 क्लस्टर स्तर के मास्टर ट्रेनर, 41 अशासकीय संगठन, 1250 विकासखंड स्तरीय शासकीय संगठन, 56470 आदि सहयोगी, 2,03,292 आदि साथी, 22,528 आदि विद्यार्थी मिलाकर कुल 3 लाख 3 हजार 233 चेंज लीडर्स तैयार किया जा रहे हैं।

महिलाओं-बच्चियों की हिम्मत की आवाज बनेगा कॉल सेंटर

- शिकायत करते ही तुरंत मिलेगी मदद

भोपाल। मध्य प्रदेश में एडूजी लाइफ संस्था द्वारा एक कॉलसेंटर का शुभारंभ किया गया। जिसमें पीड़ित और परेशान महिलाएं परामर्श ले सकेंगी। इस कॉलसेंटर की शुरुआत करने वाली पूर्व बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्या आरएच लता ने बताया कि यह प्लेटफार्म महिलाओं की समस्याओं को दूर करने के लिए शुरु किया गया है। हमारा उद्देश्य स्वस्थ समाज और परिवार बनाना है।

संस्थापक आरएच लता ने बताया कि एडूजी लाइफ पिछले 4 से 5 सालों से बालिकाओं के लिए जीवन प्रबंधन की पाठशाला चला रही है। हम इन बच्चों को जो शिक्षा दे रहे हैं और पाठ्यक्रम सिखा रहे हैं, वो कई अन्य राज्यों में चल रहा है। लेकिन फिर भी ऐसा लगा कि इन बालिकाओं को जब कोई समस्या हो तो एक ऐसा प्लेटफार्म भी होना चाहिए, जहां वो व्यक्तिगत तौर पर अपनी बात खुलकर शेयर कर सकें। आरएच लता ने बताया कि इस काम के लिए हमारे पास एक्सपर्ट टीम है, उनके माध्यम से हम परेशान महिलाओं को फायदा पहुंचाएंगे।

बालिकाएं इसलिए किसी से नहीं कह पाती बात

आरएच लता ने बताया कि देखते ही देखते ये हो रहा है कि प्रशासन अपना काम कर रहा है, सरकार उसके लिए बहुत सतर्क है। लेकिन इसके बावजूद भी अपराध की गति कम नहीं हो रही है, अपराध की गति बढ़ती चली जा रही है। कारण इसके पीछे ये है कि जो ऐसा काम कर रहे हैं, वो संगठित होकर सुनियोजित तरीके से महिलाओं के प्रति अपराधों को अंजाम देते हैं। इसका सबसे पहला शिकार बालिकाएं हो जाती हैं, क्यों कि वो शारीरिक और मानसिक रुप से बहुत संवेदनशील होती है और संकोच वश किसी से अपनी बात भी नहीं कह पाती हैं।

बच्चों को किया जा रहा टारगेट

आरएच लता ने बताया कि यदि बालिकाओं को स्वस्थ रखना है तो एक ऐसा प्लेटफार्म होना चाहिए, जहां पर वो अपनी बात खुलकर कहें और हम पूरी गोपनीयता के साथ उनकी मदद करें। अब जो अपराध हो रहे हैं, वो अलग तरह के हो रहे हैं। उसमें साफ दिखाई दे रहा है कि बच्चों को टारगेट किया जा रहा है। ज्यादा से ज्यादा बच्चे गायब किए जा रहे हैं। इनको ज्यादा से ज्यादा शारीरिक हानि पहुंचाई जा रही है, इसका असर हमारे समाज और परिवारों पर हो रहा है।

मदद के लिए इस नंबर पर करें काल

आरएच लता ने बताया कि आजकल सेक्सुअल हैरेसमेंट की घटनाएं बढ़ रही हैं। चाहे स्कूल हो या घर, रास्ते में भी छेड़छाड़ की घटनाएं आम हो गई हैं। परिवार और पढ़ाई के दबाव में बच्चे आत्महत्या कर रहे हैं। कई बार बच्चे गलत संगति में पड़ जाते हैं और घर में अपनी बात कह नहीं पाते। उनको लगता है कि खुद को साबित करने के लिए अपनी जान दे दें। आरएच लता ने बताया कि महिलाओं के लिए शुरु की जा रही हेल्पलाइन का नंबर 9497515466 है। इसमें न केवल पीड़ित महिलाएं बल्कि यदि अन्य कोई व्यक्ति भी उसकी मदद नहीं कर पा रहा है, तो वह कॉलसेंटर पर कॉल कर सकता है। जिससे पीड़िता को समय पर सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने काजीरंगा नेशनल पार्क का किया भ्रमण

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने असम प्रवास के दौरान रविवार को विश्व प्रसिद्ध काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और चाय बागान का भ्रमण किया। उन्होंने बागान में चाय उत्पादन की प्रक्रिया का अवलोकन कर स्थानीय किसानों और श्रमिक बहनों से आत्मीय संवाद भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि चाय उद्योग असम का गौरव और अर्थव्यवस्था का प्रतीक है। परिश्रम, अपनत्व एवं सादगी की धरती असम और मध्यप्रदेश के बीच व्यापार-उद्योग के साथ ईको-टूरिज्म, वन्य जीव पर्यटन की दिशा में भी परस्पर सहयोग, विश्वास और साझेदारी को बढ़ाने के लिए विशेष पहल होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में प्राकृतिक सौंदर्य और वन्यजीव संरक्षण की मनमोहक झलक देखी एवं हाथियों को स्नेह से गन्ना खिलाकर दुलार किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यहां वन्यजीवों के संरक्षण संवर्धन के लिये नवाचारों के संबंध में जानकारी प्राप्त की और उद्यान भ्रमण के दौरान अजगर को प्राकृतिक आवास में छोड़ा। उल्लेखनीय है कि काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान एक सींग वाले गैंडे सहित पूर्वी हिमालयी जैव विविधता का केन्द्र है। इसे यूनेस्को द्वारा विश्व-धरोहर घोषित किया गया। यह उद्यान हाथियों, जंगली भैंसों, दलदली हिरणों और विभिन्न पक्षी प्रजातियों का आश्रय स्थल है। यह उद्यान वन्य जीवों की बड़ी संख्या के साथ वन्य जीव संरक्षण गतिविधियों के लिए भी विख्यात है।

गौमांस मामले के मुख्य आरोपी सलमान सहित 4 गिरफ्तार

महाराष्ट्र के चंगेरा निवासी एक आरोपी की तलाश कर रही पुलिस : गौवंश प्रतिषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज, भेजा गया जेल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। गौमांस वाले मामले में कोतवाली पुलिस ने बड़ी कार्यवाही करते हुए 20 किलो गौमांस के साथ मुख्य आरोपी सलमान सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है।जबकि इस मामले में महाराष्ट्र के चंगेरा निवासी एक आरोपी की तलाश की जा रही है।पुलिस की गिरफ्तार में आए सभी आरोपियों को जिला न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में उन्हें जेल भेज दिया गया है। जिसकी तमाम जानकारी रविवार की देर शाम कोतवाली थाने में आयोजित एक पत्रकार वार्ता थाना प्रभारी विजय राजपूत द्वारा पत्रकारों को दी गई।

स्कूटी से किया जा रहा था गौमांस का परिवहन

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 3 अक्टूबर को कोतवाली पुलिस के प्रआर पोतनलाल चौधरी, एफआरव्ही-02 डायल 112 टीम के साथ ड्यूटी पर थे। इसी दौरान उन्हें सूचना प्राप्त हुई कि सरेखा रेलवे फ्लाईओवर ब्रिज के पास एक व्यक्ति सफेद रंग की एक्टिवा क्रमांक एम पी 50 जेड बी 6524 पर गौमांस लेकर खड़ा है। सूचना पर तुरंत पुलिस टीम मौके पर पहुँची और संदिग्ध व्यक्ति को घेराबंदी कर पकड़ा। जिससे की गई पूछताछ में आरोपी ने अपने अन्य चार साथियों का नाम बताए, जिसपर उसके अन्य तीन साथियों को भी गिरफ्तार किया गया है।जबकि महाराष्ट्र के चंगेरा निवासी आरोपी फरार है जिसकी तलाश पुलिस द्वारा की जा रही है।

गिरफ्तार आरोपियों में इनका समावेश

गौमांस के अवैध कारोबार में गिरफ्तार किए गए आरोपियों में वारासिवनी निवासी 54 वर्षीय सलमान पिता अब्दुल अजीम शेख, लालबर्रा निवासी 38 वर्षीय मोहसिन पिता हनीफ खान, लालबर्रा निवासी 43 वर्षीय समीर पिता बब्बू हाजमी और थाना लालबर्रा ग्राम अमोली निवासी 32 वर्षीय जुबेर पिता इंसान खान को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया।जहा से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है। जबकि इसी मामले में महाराष्ट्र राज्य, जिला गोंदिया थाना रावणवाड़ी ग्राम चंगेरा निवासी चौथे आरोपी हैदर अली फरार बताया जा रहा है जिसकी पुलिस द्वारा तलाश शुरू कर दी गई है बताया गया कि आरोपी हैदर अली के ठिकाने पर पुलिस उसे गिरफ्तार करने गई थी लेकिन वह घर पर नहीं मिला जिसे शीघ्र ही गिरफ्तार किए जाने की बात पुलिस द्वारा कही जा रही है।।

पूछताछ में आरोपी सलमान ने उगले राज

बताया गया की स्कूटी में करीब 20 किलो गौमांस का परिवहन कर रहे व्यक्ति को गिरफ्तार कर उसे कोतवाली थाना लाया गया।जिससे की गई पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम सलमान शेख पिता अब्दुल अजीम (54 वर्ष), निवासी वारासिवनी बताया। मौके पर तलाशी के दौरान पुलिस को 20 पन्नियों में भरा कुल 20 किलोग्राम गौमांस मिला, जिसे आरोपी परिवहन कर रहा था। पुलिस ने आरोपी से होंडा कंपनी की एक्टिवा स्कूटी भी जब्त की।मौके से जप्त मांस का पशु चिकित्सक से परीक्षण कराया गया, जिसके बाद नमूना सीलबंद किया गया। पूछताछ के दौरान सलमान शेख ने अपने 03 अन्य साथियों के नाम बताए, जिन्होंने उसे गौमांस की आपूर्ति और परिवहन के लिए दुष्प्रेरित किया था। वहीं सलमान को गौमांस देने वाले चंगेरा निवासी आरोपी के बारे में भी जानकारी ,जिसके आधार पर पुलिस ने सलमान सहित उसके अन्य तीन सहयोगियो को गिरफ्तार किया है। तो वहीं पाँचवे आरोपी की तलाश की जा रही है।

आरोपी सलमान पर पहले से दर्ज हैं 12- 13 अपराध

बताया गया कि आरोपी सलमान पर पहले से ही 12 से 13 मामले दर्ज है। पुलिस द्वारा गौवंश तस्करी, वध या परिवहन जैसी अवैध गतिविधियों के विरुद्ध शून्य सहनशीलता की नीति अपनाई गई है। इस तरह की घटनाओं पर सख्त कार्रवाई जारी रहने की बात पुलिस द्वारा कही गई है। ताकि जिले में कानून व्यवस्था और धार्मिक सौहार्द बनाए रखा जा सके।इस कार्रवाई में थाना कोतवाली पुलिस टीम का योगदान उल्लेखनीय रहा, जिसमें प्रआर पोतनलाल चौधरी, डायल 112 टीम सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे। पुलिस अधीक्षक ने इस त्वरित कार्रवाई के लिए टीम की प्रशंसा की है और भविष्य में ऐसे मामलों पर सतर्क निगरानी के निर्देश दिए हैं।

फरार आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा- राजपूत

कोतवाली थाना प्रभारी विजय राजपूत ने बताया कि आरोपी सलमान स्कूटी से 20 किलो गौमांस का परिवहन कर रहा था, जिसे कुछ लोगों ने सरेखा बायपास ओवरब्रिज पर पड़ा था। जिसकी सूचना उन्होंने पुलिस को दी थी। इस मामले में अपराध क्रमांक 598/2025 दर्ज करते हुए धारा 5/9, 4/11 मध्यप्रदेश गौवंश वध प्रतिषेध अधिनियम 2004 के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। आरोपी सलमान सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।जबकि चंगेरा निवासी फरार आरोपी की तलाश की जा रही है। जिसे जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

प्रॉपर्टी हथियाने के लिये पूर्व एडीएम ने जिंदा बड़े भाई को मरा साबित किया

भोपाल। राजधानी भोपाल में पूर्व एडीएम मूलचंद किशोरे द्वारा संपत्ति पर कब्जा करने के लिये अपने बड़े भाई जोखीलाल के जिंदा रहते हुए भी दस्तावेजों में उन्हें मरा बताने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि पूर्व एडीएम किशोरे ने प्रॉपर्टी हथियाने के लिये राजधानी के इकबाल नगर, अशोका गार्डन में रहने वाले अपने बड़े भाई जोखीलाल के जीवित होते हुए भी एक निजी मेडिकल कॉलेज की मदद से उनका फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाया। इसके आधार पर भोपाल नगर निगम से उस प्रमाण पत्र के आधार पर मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करा लिया गया। इतना ही नहीं इन फर्जी दस्तावेजों को उन्होंने जबलपुर हाईकोर्ट में चल रहे एक संपत्ति विवाद के मामले में कोर्ट में प्रस्तुत भी किया। कोर्ट में दिए गए शपथ पत्र में उन्होनें कहा कि उनके बड़े भाई जोखीलाल का देहांत हो चुका है। उन्होंने अपनी सारी संपत्ति की वसीयत रेखा किशोरे (मूलचंद की पत्नी) के नाम कर दी है। फर्जी दस्तावेजों के आधार पर उन्होंने राजस्व विभाग और अन्य प्रशासनिक कार्यालयों में स्वामित्व परिवर्तन की प्रक्रिया भी शुरू कर दी थी। इसी बीच इसकी जानकारी खुद जोखीलाल को लगी। तब उन्होंने 6 सितंबर 2025 को भोपाल क्राइम ब्रांच में लिखित शिकायत करते हुए बताया की उनके छोटे भाई मूलचंद और भाभी रेखा ने उनकी जमीन पर अवैध कब्जा करने के लिये उन्हें मरा बताने की साजिश रची थी, जोखीलाल ने कार्यवाही की मांग की। लेकिन काफी दिनो तक कोई कार्रवाई नहीं होने पर जोखीलाल भोपाल कोर्ट की शरण में पहुचें। कोर्ट ने सुनवाई के बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए क्राइम ब्रांच को एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए। अदालत के आदेश के बाद क्राइम ब्रांच ने पूर्व एडीएम किशोरे, उनकी पत्नी रेखा किशोरे, कृष्णा नागवंशी, संध्या मेहरा और मेडिकल कॉलेज के वरिष्ठ अधिकारी डॉ. अनिल शारदा के खिलाफ मामला कायम कर लिया है।

वैश्य समाज किरनापुर ने हर्षोल्लास से मनाई महात्मा गांधी की 156 वी जयंती

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। वैश्य महासम्मेलन मध्य प्रदेश तहसील इकाई किरनापुर द्वारा मुख्यालय ग्राम किरनापुर के गांधी चौक में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर जन्म जयंती की 156 वी वर्षगांठ हर्षोल्लास से मनाई गई। इस जयंती कार्यक्रम के अवसर प र वैश्य महासम्मेलन मध्यप्रदेश वैश्य समाज तहसील ईकाई किरनापुर अध्यक्ष नरेन्द्र अग्रवाल तह. महिला अध्यक्ष प्रभारी तह.किरनापुर मिथलेश गुप्ता, तह यूवा अध्यक्ष प्रभारी शंकरलाल जी गुप्ता, अमित जैन प्रवक्ता संजय शारडा सचिव राजेश गुप्ता सह सचिव पराग मोदी उपाध्यक्ष सूभम पाराशर कोषाध्यक्ष, कृष्ण कुमार बावनथडे बेनी अग्रवाल राजेश गुप्ता अरून पाराशर शिव चरण अग्रवाल राजेन्द्र अग्रवाल, नरेन्द्र शुक्ला, संजू तिवारी, रश्मि जैन, कविता अग्रवाल, रजनी अग्रवाल, दिपा अग्रवाल, अनीता अग्रवाल, प्रिती गुप्ता, बिमला अग्रवाल, सोनू अग्रवाल, श्याम देऊरकर , राजू उयके ने उपस्थित होकर गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पूजन किया। वही गांधी जयन्ती ,लाल बहादुर शास्त्री की जंयती एवं दशहरा पर्व की एक दूसरे को बधाई देकर दीप प्रज्वलीत कर पूजन किया गया एवं प्रसादी वितरित की गई।सभी के द्वारा महात्मा गांधी जयन्ती पर अपने अपने विचार व्यक्त एकता,अखणता ,सत्य ,अहिंसा समानता एक जुट होकर कार्य कर वैश्य समाज को प्रगती वैश्य शक्ती बनाये रखना एवं देश के विकास में अपनी भुमीका का क्रियान्वन टुकड़ों में बंटे वैश्य समाज को एक कर वैश्य समाज को एकता में स्थापित कर ने प्रेरित किया गया। वही अग्रसेन जयंती में भी वैश्य समाज ने अपनी भूमिका देकर अग्रवाल समाज में एकता स्थापित करने एवं सभी उज्जवल भविष्य के कामना की।

खदान और फेरो प्लांट में आउटसोर्स की निविदा पर लगी रोक–खुरसैल

पद्मेश न्यूज। कटंगी। मायॅल जनशक्ति मजदूर संघ राष्टीय अध्यक्ष रामकृपाल खुरसैल ने प्रेस नोट जारी कर जानकारी देते हुए बताया कि मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र की खदानों में खनन कार्यों के आउटसोर्सिंग के साथ-साथ फेरो मैंगनीज प्लांट के संचालन के संबंध में प्रकाशित निविदा पर श्रम एवं रोजगार मंत्रालय मुख्य श्रम आयुक्त ने रोक लगा दी है. रामकृपाल खुरसेल ने बताया कि मुंबई उच्च न्यायालय की नागपुर खंडपीठ ने मॉयल लिमिटेड द्वारा जारी ठेका श्रमिक निविदा (आउटसोर्सिंग) के खिलाफ दायर याचिका पर मायॅल और अन्य प्रतिवादियों को कारण बताओ नोटिस जारी कर 10 दिसंबर तक अपना जवाब पेश करने का आदेश दिया है. मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति अनिल किलोर और न्यायमूर्ति रजनीश व्यास के समक्ष हुई. 1993 में, भारत सरकार ने ठेका श्रमिक (विनियमन एवं निषेध) अधिनियम, 1970 की धारा 10 के अंतर्गत देश की सभी मैंगनीज खदानों में ठेके के आधार पर स्थाई और नियमित श्रमिकों की नियुक्ति पर प्रतिबंध लगा दिया था और ये प्रतिबंध आज भी लागू हैं. हालांकि, मॉयल लिमिटेड, नागपुर ने इस प्रतिबंध का पूर्ण उल्लंघन करते हुए, मध्य प्रदेश के विदर्भ में अपनी 10 मैंगनीज खदानों में से 5 में खदान संचालकों की नियुक्ति के साथ-साथ पूरे संयंत्र के संचालन के लिए 16 सितंबर 2025 को एक ई-निविदा जारी की. यह निविदा पूरी तरह से अवैध है और केंद्र यह 23 मार्च 1993 के सरकारी राजपत्र और अधिनियम की धारा 10 और 31 का उल्लंघन है. यह मामला एक गंभीर अपराध है और कानूनी कार्रवाई के अधीन है. अप्रैल 2024 में, मॉयल लिमिटेड ने इस प्रतिबंध में राहत देने के लिए केंद्र सरकार को एक प्रस्ताव भेजा था. उसके बाद, केंद्रीय सलाहकार बोर्ड ने काम का निरीक्षण किया और संबंधित संघ के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की. हालांकि, केंद्र सरकार से अभी तक कोई आधिकारिक छूट या निर्णय नहीं मिला है. इस पृष्ठभूमि के खिलाफ, संबंधित श्रमिक संघ ने विवादास्पद ई-टेंडर के कारण एक याचिका दायर की है. सुनवाई के दौरान, उच्च न्यायालय ने मॉयल लिमिटेड को आगे कोई कार्रवाई नहीं करने का मौखिक आदेश दिया और सभी प्रतिवादियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है. इस मामले की अगली सुनवाई 10 दिसंबर को होगी।

आईटीआई में कौशल दीक्षांत समारोह–2025 संपन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कौशल विकास उद्यमिता मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा कौशल विकास संचालनालय मध्यप्रदेश के निर्देशानुसार शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था बालाघाट में कौशल दीक्षांत समारोह 2025 का आयोजन दिनांक 04 अक्टूबर 2025 को सुबह 11=00 बजे सांसद श्रीमती भारती पारधी द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर संस्था के प्राचार्य श्री आर.एन. सिंह ने स्वागत उद्बोधन देते हुए कहा कि 卐कौशल भारत के विकास की रीढ़ है, और हमारे प्रशिक्षु इस परिवर्तन के प्रमुख वाहक हैं।

कार्यक्रम में अन्य अतिथियों के रूप में श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर, नगर पालिका, बालाघाट, श्री महेंद्र भाई टांक, अध्यक्ष आइएमसी, आईटीआई बालाघाट, राजेंद्र शुक्ला, पूर्व विधायक प्रतिनिधि, आइएमसी, आईटीआई बालाघाट, संयुक्त संचालक, (कौशल विकास) क्षेत्रीय कार्यालय बालाघाट के अधिकारीगण सम्मिलित हुए।

समारोह में विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित दीक्षांत समारोह से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश की सभी आईटीआई में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय आईटीआई उन्नयन योजना और राष्ट्रीय कौशल उत्कृष्टता केंद्र पीएम-सेतु योजना सहित 62000 करोड़ रुपए की युवा केंद्रित शिक्षा की स्थापना का भी शुभारंभ किया। इसके अतिरिक्त, कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय द्वारा 400 नवोदय विद्यालयों और 200 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों (ईएमआरएस) में स्थापित 1200 कौशल प्रयोगशालाओं का उद्घाटन एक लघु वीडियो के माध्यम से वर्चुअल माध्यम से किया गया, जिसका लाइव टेलीकास्ट करवाया गया।

सांसद श्रीमती भारती पारधी द्वारा अपने उद्बोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा की गई पहल की सराहना करते हुए, कौशल विकास उद्यमिता मंत्रालय की विकास यात्रा को हम सब मिलकर आगे बढ़ाने की जानकारी सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रदान की एवं कहा कि आज केंद्र एवं राज्य सरकार देश के युवाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

समारोह में देश, राज्य एवं संस्था में मेरिट स्थान प्राप्त करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को कौशल प्रमाणपत्र एवं ट्रेड टेस्ट उत्तीर्ण प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। इसके साथ ही उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को विशेष पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। समारोह में प्रशिक्षण अधिकारी, प्रशिक्षु, अभिभावक एवं संस्था के अधिकारी-कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

वर्दीधारी और सादे पकड़े पहने कुछ लोगों ने आदिवासी के घर में घुसकर फेंका सामान

पद्मेश न्यूज। कटंगी। कथित तौर पर अवैध शराब ब्रिकी के संदेह पर एक वर्दीधारी और सादे कपड़े पहने करीब 05 से 06 लोगों ने एक आदिवासी के घर में घुसकर घर का सामान यहां-वहां फेंक दिया. इतना ही नहीं इन लोगों ने आदिवासी महिला को डराया-धमकाया भी है. यह पूरी वारदात कटंगी थाना क्षेत्र के ग्राम चम्बुटोला में शनिवार 04 अक्टूबर की शाम की है. रविवार को पीड़ित महिला तारन बाई परते और उनके पुत्र धमेंद्र परते ने पूरी घटना की जानकारी दी है. तारन बाई बताती है कि शनिवार की शाम करीब आधा दर्जन लोग उनके बेटे धर्मेंद्र के घर पर आए जिसमें एक व्यक्ति ने पुलिस के जैसे वर्दी पहनी थी बाकि लोग सादे कपड़े में थे. यह लोग घर के अंदर घुसे और घर का सामान यहां-वहां फेंकने लगे. जब उन्हें ऐसा करने से रोका तो उन्होंने कहा कि तेरा बेटा शराब बेचता है बता उसे कहा छिपाई है. तारन बाई कहती है कि उनके चार पुत्र है बड़ा बेटा शराब पीने का आदि है लेकिन शराब नहीं बेचता. बावजूद इसके अज्ञात लोगों ने घर में घुसकर सामान फेंका और डराया-धमकाया। तारन बाई बताती है कि उनका बड़ा बेटा खेलेन्द्र और सबसे छोटा बेटा धमेन्द्र दो अलग-अलग हिस्सों में बने एक ही मकान में रहते है. उनका दूसरे नंबर का बेटा बाहर नौकरी करता है तीसरे नंबर का बेटा गांव में उनके घर के पास ही रहता है. अभी नवरात्रि के दौरान खेलेन्द्र और धर्मेंद्र जिस मकान में रहते है उस पैतृक मकान में कलश की स्थापना की गई थी. जिसके चलते पूरा परिवार वहीं रह रहा था. पर्व समाप्ति के बाद धर्मेंद्र के कमरे में रखा सामान वह गांव में ही बने अपने दूसरे मकान में लेकर जा रही थी इस दौरान अज्ञात लोग धर्मेंद्र के कमरे में घुस गए और सामान फेंकने लगे और जब उन लोगों को ऐसा करने से रोका तो डराया-धमकाया. इस पूरी वारदात की जानकारी तारन बाई ने शाम को अपने पुत्र धर्मेन्द्र को दी जो कटंगी में निवास करते है. ऐसे में धर्मेन्द्र ने आबकारी विभाग जहां उनकी थोड़ी जान पहचान है वहां पता करवाया तो पता चला कि आबकारी विभाग ने ऐसी कोई कार्रवाई नहीं की. जिसके बाद अब सवाल यह खड़ा हो रहा है कि आखिरकार उनके घर में जबरन घुसकर कौन सामान फेंक रहा था. धमेन्द्र ने कहा कि वह पुलिस में इसकी शिकायत करेंगे। बता दें कि चम्बूटोला निवासी धर्मेंद्र परते कटंगी में किराए का मकान लेकर निवास करते है. वह कटंगी में ऑनलाइन सेंटर चलाते है कभी-कभार ही अपने घर चम्बूटोला जाते है नवरात्रि पर्व समाप्ति के बाद वह कटंगी आ गए थे. उनके कमरे में कुछ सामान रखा था जो उनकी मां दूसरे मकान में लेकर जा रही थी इस दौरान जब वह घर पर नहीं थी तब कुछ लोग उनके घर में घुस गए और सामान यहां वहां फेंकने लगे. धर्मेन्द्र ने बताया कि इस तरह की गुंडी-गर्दी से परिवार और गांव में भय का माहौल बना हुआ है. उन्होंने कहा कि वह पुलिस में शिकायत करेंगे।

नम आंखों से माता रानी की प्रतिमाओं को दी गई विदाई

पद्मेश न्यूज। कंटगी। शारदीय नवरात्र की संपन्नता के साथ ही शुक्रवार की सुबह नगर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन का क्रम आरंभ हुआ जो शुक्रवार की देर रात यानी 12 बजे के बाद तक चलता रहा. नगर में आधा दर्जन से अधिक पूजा समितियों की प्रतिमाओं को भक्तों ने सजल नेत्रों से विदा किया. नगर के प्रत्येक गली-चौराहे से होकर निकले जुलूस में डीजे की गूंज, अबीर-गुलाल और जयकारों की गूंज के बीच भक्तजन मां भगवती की प्रतिमा के साथ भावभीनी विदाई देते हुए विसर्जन स्थल बड़ा तालाब तक पहुंचे. भक्तों ने मां से अगले वर्ष पुन: आने का आह्वान किया. नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए प्रतिमाओं का जुलूस जब-जब निकला, लोग छतों और गलियों से दर्शन कर मां के चरणों में श्रद्धा अर्पित करते रहे. पूजा समितियों के तत्वावधान में सजे-धजे जुलूस में जहां मां के जयघोष गूंज रहे थे वहीं युवाओं और बच्चों में नृत्य और उल्लास का उत्साह देखते ही बनता था. गांधी चौक, छतेरा रोड, उत्कृष्ट स्कूल के सामने, काली माता मंदिर, कहारी मोहल्ला, पुराना रेलवे स्टेशन समेत अन्य मोहल्लों से निकली प्रतिमाओं का विसर्जन नगर के बड़े तालाब में प्रशासन की मौजूदगी में क्रमवार रूप से किया गया. यहां भारी भीड़ उमड़ी और हर विसर्जन के साथ भक्तों के नयन भर आते।

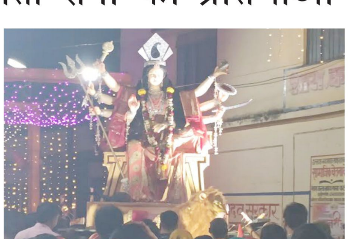

हिन्दू-मुस्लिम एकता की दिखी मिसाल-

नवरात्रि के पावन पर्व की समाप्ति पर कटंगी शहर से सटे ग्राम रामनगर में दो समुदायों के बीच प्रेम, सद्भाव और भाईचारे को बढ़ावा देने वाली एक महत्वपूर्ण घटना मिसाल के तौर पर सामने आई है. वैसे तो यहां लोग एक-दूसरे के रीति-रिवाजों और त्योहारों में शामिल होते हैं। लेकिन त्यौहारों में शिरकत के अलावा खास बात यह है कि यहां के अशरफ मेमन और उनके पुत्र सलमान मेमन करीब 10 वर्षों से नवरात्रि पर निकलने वाले जुलूस के दौरान महाप्रसादी का आयोजन करवाते है. अशरफ मुस्लिम परिवार के मुखिया है. रामनगर में हिन्दू-मुस्लिम परिवार आपस में बेहद ही भाईचारा बनाकर रहते है.यहां सभी त्यौहारों में कौमी एकता की अनोखी मिसाल देखने को मिलती. यहां का मुस्लिम परिवार देवी भक्तों के लिए महाप्रसादी का आयोजन करवाता है. जिसका ना सिर्फ देवी भक्त बल्कि पूरे गांव के लोग लाभ लेते है. अशरफ मेमन बीते 10 वर्षों से निरंतर माता रानी की विदाई के लिए महाप्रसादी का आयोजन करवाते है।

05 दिनों तक हुआ विशाल भंडारे का आयोजन-

कटंगी शहर के तमाम दुर्गा पंडालों में नवरात्रि के मौके पर महाप्रसादी का आयोजन करवाया गया. शहर के छतेरा रोड़ स्थित स्थित माता रानी के दर्शन के लिए आने वाले धर्मप्रेमियों और दर्शनार्थियों के लिए बस स्टेंड के नजदीक नगर की महारानी मां शीतला और मां शारदा के आशीर्वाद से महाप्रसादी का आयोजन करवाया गया. पंचमी के दिन से महाप्रसादी की शुरुआत हुई जो दशहरा तक जारी रहा।

मप्र में सरकारी नौकरियों की भरमार

- इस साल हजारों पदों पर हो रही भर्तियां

भोपाल। मध्य प्रदेश में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं की बल्ले-बल्ले होने वाली है। इस साल सरकारी नौकरियों की भरमार है। इसके लिए मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल ने विभिन्न विभागों में खाली पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्रदेश में 2025 के अंत 20 हजार से अधिक पदों के लिए भर्ती परीक्षा होना है। पुलिस, चिकित्सा, स्कूल सहित विभिन्न विभागों में खाली पदों के लिए भर्ती परीक्षा हो रही हैं। कुछ भर्ती परीक्षाओं के परिणाम जारी हो चुके हैं। इनके लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसके अलावा मप्र लोक सेवा आयोग भी विभिन्न पदों पर भर्तियां कर रहा है।

मप्र लोक सेवा आयोग ने राज्य पात्रता परीक्षा की संभावित तारीख भी जारी कर दी है। इससे लंबे से समय भर्ती का इंतजार कर रहे युवाओं को राहत मिली है। सरकार की मंशा के अनुरूप इस साल प्रदेश के सरकारी विभागों में खाली पदों को भरे जाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसके तहत मप्र कर्मचारी चयन मंडल, मप्र लोक सेवा आयोग साल के अंत तक ज्यादा से ज्यादा भर्ती परीक्षाएं कराने में जुट गए हैं। पुलिस भर्ती परीक्षा, चिकित्सा शिक्षा विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, बिजली विभाग में बड़े पैमाने पर भर्तियां हो रही हैं। इनमें खाली पदों के लिए आयोजित कई भर्ती परीक्षाओं के परिणाम जारी हो चुके हैं। कुछ भर्ती परीक्षाएं इस साल के अंत तक हो जाएंगी। एमपीपीएससी ने भी इस साल ज्यादातर एग्जाम का आयोजन कर लिया है। अब सहायक पंजीयक भर्ती परीक्षा 23 नवंबर में होना है। इसके अलावा खाद्य सुरक्षा अधिकारी परीक्षा 14 दिसंबर को होना प्रस्तावित है। खनि निरीक्षक भर्ती परीक्षा और परिवहन उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा भी दिसंबर में हो सकती है। इसके अलावा प्रदेश के सरकारी कॉलेज और विश्वविद्यालयों में खाली असिस्टेंट प्रोफेसर के लिए होने वाली राज्य पात्रता परीक्षा अगले साल जनवरी आयोजित हो सकती है।

टूटेगा भर्तियों का रिकॉर्ड

माना जा रहा है कि इस साल के अंत तक होने वाली भर्ती परीक्षाएं पिछले सालों का रिकार्ड तोड़ सकती हैं। केवल पुलिस विभाग ही नहीं, बल्कि चिकित्सा शिक्षा विभाग में भी भर्ती की राह खुल गई है। प्रदेश सरकार ने सीनियर रेसीडेंट के 354 नए पदों को मंजूरी दी है। इन पदों का सृजन राज्य के 13 सरकारी चिकित्सा महाविद्यालयों में किया गया है, जिनमें भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, रीवा, सतना, विदिशा, रतलाम, खंडवा, शहडोल, शिवपुरी, दतिया और छिंदवाड़ा शामिल हैं। इन नियुक्तियों से चिकित्सा महाविद्यालयों का संचालन और अधिक सुचारू होगा तथा स्नातकोत्तर छात्रों को प्रशिक्षण और रेसीडेंसी का अवसर मिलेगा। इससे नॉन क्लीनिकल और पैरा क्लीनिकल संकायों को भी योग्य चिकित्सा शिक्षक मिल सकेंगे। मंडल ने माध्यमिक शिक्षक भर्ती परीक्षा 2024 परीक्षा परिणाम भी जारी कर दिए है। यह परीक्षा 9882 पदों के लिए आयोजित हुई थी। इस एग्जाम में 1 लाख 85 हजार परीक्षार्थी शामिल हुए थे। माध्यमिक शिक्षक हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, खेल, संगीत सहित विभिन्न पदों के लिए आयोजित परीक्षा के परिणाम जारी हो चुके है। जारी परिणामों के आधार पर स्कूल शिक्षा विभाग भर्ती प्रक्रिया शुरू करेगा। मप्र बिजली विभाग में खाली पदों को भी भरा जा रहा है। इसके तहत 2573 पदों के लिए भर्ती परीक्षा हो चुकी है और इसके परिणाम भी जारी हो चुके है। इसके अलावा सरकार कने 49263 पदों को मंजूरी दी है। इनमें से 30 पद अगले तीन साल में भरे जाने हैं। इन पदों को भरे जाने की प्रक्रिया जल्द शुरू हो जाएगी। गृह विभाग के अंतर्गत सूबेदार (अनुसचिवीय), शीघ्रलेखक और सहायक उप निरीक्षक (अनुसचिवीय) के 500 पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन 3 अक्टूबर से 17 अक्टूबर तक स्वीकार किए जाएंगे। परीक्षा 10 दिसंबर से भोपाल, इंदौर, जबलपुर, खंडवा, नीमच, रीवा, रतलाम, सागर, सतना, सीधी और उज्जैन में आयोजित होगी।

7,500 पदों के लिए साढ़े नौ लाख से अधिक आवेदन

युवाओं में सरकार नौकरी की चाह किस कदर बढ़ रही है, इसका अंदाजा पुलिस आरक्षक भर्ती के लिए हो रही परीक्षा में आ रहे आवेदनों को देखकर लगाया जा सकता है। पुलिस आरक्षक भर्ती परीक्षा में 7,500 पदों के लिए परीक्षा होगी, इसमें अभी तक साढ़े नौ लाख से अधिक आवेदन आ चुके हैं। इस बार एमबीए और इंजीनियरिंग पास युवाओं ने भी आवेदन किया है। इसके अलावा कई पीजी पास अभ्यर्थी भी रेस में शामिल हैं। एमपी कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) की ओर से मध्य प्रदेश पुलिस आरक्षक भर्ती-2025 परीक्षा के लिए आवेदन की तारीख बढ़ा दी गई है। अब छह अक्टूबर तक आवेदन होंगे। अभी तक 29 सितंबर तक अंतिम तारीख थी। अब तक करीब नौ लाख आवेदन हो चुके हैं। अधिकारियों का कहना है कि छह अक्टूबर तक करीब 10 लाख आवेदन आने की संभावना है। इसमें पीजीए एमबीए और कई इंजीनियरिंग पास युवाओं ने भी आरक्षक बनने के लिए आवेदन किए हैं। खासतौर पर ग्रामीण और दूरस्थ जिलों के युवाओं ने अधिक आवेदन किए हैं। अधिकारी के मुताबिक आवेदन की तारीख बढ़ाए जाने से करीब एक लाख आवेदन और आएंगे। अभ्यर्थी छह अक्टूबर तक आवेदन करेंगे और आठ अक्टूबर तक आवेदन में संशोधन कर सकेंगे। वहीं अभी ईएसबी की ओर से जारी आदेश में 30 अक्टूबर से परीक्षा शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं, लेकिन अव आवेदन की तारीख बढ़ाने के कारण इसकी परीक्षा नवंबर में आयोजित होने की संभावना है।

बंगाली समाज की पुरानी संस्था में विवाद, पुलिस को शिकायत

भोपाल। हबीबगंज स्थित हबीबगंज कल्चरल एसोसिएशन के अध्यक्ष परितोष नंदी ने संस्था पर कब्जे की साजिश का आरोप लगाते हुए पुलिस में आवेदन दिया है। नंदी का कहना है कि कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा बलपूर्वक संस्था पर कब्जा करने की कोशिश की जा रही है और उन्हें तथा संस्था के सचिव को जान से मारने की धमकियां दी जा रही हैं। संस्था द्वारा थाना प्रभारी को दिए गए आवेदन में आरोप लगाते हुए कहा गया है कि गौतम सरदार, दीपेन हालदार सहित कुछ बाहरी लोगों द्वारा संगठन पर दबाव बनाकर कब्ज़ा करने की कोशिश की जा रही है। इन लोगों ने संस्था पदाधिकारियों को इस्तीफा देने के लिए धमकाया है। नंदी ने कहा कि यह लोग न तो संस्था के सदस्य हैं और न ही उनके पास कोई वैध दस्तावेज हैं। अध्यक्ष नंदी ने बताया कि हबीबगंज कल्चरल एसोसिएशन (पंजीयन क्रमांक 11339) का गठन वर्ष 1982 में हुआ था। यह संस्था फर्म एवं सोसाइटी कार्यालय में विधिवत पंजीकृत है और हर वर्ष धारा 27 व 28 के अंतर्गत रिपोर्ट और ऑडिट विवरण जमा किया जाता है। संस्था का बैंक खाता भारतीय स्टेट बैंक में सक्रिय है और सभी गतिविधियां नियमित रूप से संचालित की जा रही हैं।

संस्था अध्यक्ष ने कहा कि हमने वर्ष 1999 में इस संस्था को पुनर्जीवित किया था। तब यह लगभग निष्क्रिय थी। बीएचएल की लीज पर ली गई जमीन पर हमने कालीबाड़ी मंदिर का निर्माण कराया। लगभग चार लाख रुपए की बकाया राशि और बिजली बिल चुकाकर संस्था को दोबारा सक्रिय किया। बीते 27 वर्षों से हम लोग यहां मां काली की पूजा और सांस्कृतिक कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित कर रहे हैं। बता दें कि इस परिसर में एक क्लब भी संचालित होता है, इसके अलावा यहां सांस्कृतिक कार्यक्रमों और धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन होता है। हर वर्ष दुर्गा पूजा का पंडाल भी यहीं लगाया जाता है। इसी को लेकर अब बंगाली समाज के कुछ लोगों और अन्य नागरिकों ने भी पुलिस से शिकायत की है। नंदी ने आरोप लगाया कि कुछ लोगों ने आगामी 5 अक्टूबर को संस्था परिसर में बिना अनुमति पिकनिक का आयोजन कर विवाद पैदा करने की योजना बनाई है। उन्होंने बताया कि नवरात्र की नवमी के दिन भी कुछ तत्वों ने झगड़ा और उन्माद फैलाने की कोशिश की थी, जिसकी शिकायत महिलाओं ने भी थाने में दर्ज कराई थी।

विभागों ने सरकार को नहीं दिया बजट प्लानिंग का ब्यौरा

भोपाल। मोहन सरकार द्वारा तैयार कराए जा रहे रोलिंग बजट की प्लानिंग को लेकर कई विभाग गंभीर नहीं हैं। वित्त विभाग द्वारा जारी निर्देश में कहा गया है कि वर्ष 2026- 2027 के प्रस्तावित बजट और 2027-28 व 2028-29 के रोलिंग बजट तैयार करने के लिए पहले दौर की विभाग की बैठक हो चुकी हैं। इस दौरान कई विभागों ने वित्त विभाग द्वारा मांगी गई जानकारी नहीं दी है और कुछ विभागों ने आधी अधूरी जानकारी उपलब्ध कराई है। इसके चलते बजट प्लानिंग की पहले दौर की मीटिंग होने के बाद वित्त विभाग को अब सेकेंड फेज के लिए मीटिंग शेड्यूल तय करना पड़ा है।

वित्त विभाग ने जारी किए 41 विभाग की सूची

विभागों के आधी अधूरी जानकारी के कारण वित्त विभाग ने 57 विभागों में से 41 विभाग की सूची जारी की है। जिसमें विभागाध्यक्षों से कहा है कि आगामी वित्त वर्ष के बजट और आने वाले दो वर्षों के लिए तैयार किए जा रहे रोलिंग बजट की पूरी जानकारी दे साथ ही आगामी कार्य योजना भी देना होगा। विभाग ने इस पर आपत्ति भी जताई कि स्पष्ट निर्देश के बाद भी विभागों ने पूरा ब्योरा नहीं सौंपा हैं।

स्वीकृत पदों का ब्योरा भी देना होगा

विभागाध्यक्षों से यह भी कहा गया है कि आगामी बैठकों में उनके विभागों द्वारा स्वीकृत पदों की पूर्ति से संबंधित ब्योरा दिया जाना आवश्यक है जिसका पालन विभागों ने नहीं किया है। इसलिए अब वित्त विभाग ने इसके लिए दूसरे चरण की विभागवार बैठकें करने का फैसला किया है। इन बैठकों में अपर सचिव और उपसचिव वित्त के साथ होने वाली बैठक में पूरी जानकारी के साथ विभागों के अधिकारी पहुंचकर बजट तैयारियों पर चर्चा करेंगे।

पीएचक्यू अलग से वसूलेगा पुलिस भर्ती की फीस

प्रदेश में पहली बार ऐसी व्यवस्था, लिखित और शारीरिक परीक्षा के अलग-अलग शुल्क

भोपाल। मप्र में पुलिस में 7500 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन की जमा करने की प्रक्रिया जारी है। इस बार परीक्षा में अभ्यर्थियों से लिखित और शारीरिक परीक्षा के अलग-अलग शुल्क वसूले जाएंगे। 500 रुपए लिखित परीक्षा के पीईबी वसूलेगा और 200 रुपए शारीरिक परीक्षा के लिए पुलिस मुख्यालय वसूलेगा। एससी और एसटी वर्ग के अभ्यर्थियों को यह फीस आधी देनी होगी। फिजिकल परीक्षा के शुल्क से पुलिस मुख्यालय करीब 15 करोड़ की कमाई करेगा।

खास बात यह है कि शारीरिक परीक्षा शुल्क सिर्फ उन उम्मीदवारों से नहीं लिया जाएगा, जो फिजिकल टेस्ट के लिए चयनित होंगे बल्कि आवेदन करने वाले हर बेरोजगार को शारीरिक शुल्क की फीस देनी होगी। पुलिस आरक्षक भर्ती परीक्षा में 12 लाख से ज्यादा आवेदन आ सकते हैं। ऐसे में पुलिस मुख्यालय शारीरिक परीक्षा के नाम पर करीब 16 करोड़ की फीस वसूल लेगा।

पहली बार ऐसी विवादित व्यवस्था

मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल ने हाल ही में पुलिस विभाग में 7,500 कॉन्स्टेबल के पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया है। इसके लिए आवेदन प्रक्रिया 15 सितंबर से शुरू हुई और अंतिम तिथि 29 सितंबर थी, जिसे बढ़ाकर 6 अक्टूबर कर दिया गया है। जब अभ्यर्थियों ने ऑनलाइन आवेदन करना शुरू किया, तो वे यह देखकर हैरान रह गए कि उन्हें दो अलग-अलग शुल्कों का भुगतान करना पड़ रहा है। परीक्षा शुल्क सामान्य वर्ग के लिए 500 रुपए और आरक्षित वर्ग के लिए 250 रुपए। जबकि पुलिस विभागीय परीक्षा शुल्क सामान्य वर्ग के लिए 200 रुपए और आरक्षित वर्ग के लिए 100 रुपए वसूले जा रहे हैं।

सर्वे के आधार पर हाईकमान ने लिया फैसला

कांग्रेस जिला अध्यक्षों के विवाद पर जीतू पटवारी की सफाई

भोपाल। मध्यप्रदेश में कांग्रेस जिला अध्यक्षों के विवाद पर प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सफाई दी है। चयन प्रक्रिया को लेकर खुलासा करते हुए कहा - पहले स्थानीय नेताओं के हाथ में चयन प्रक्रिया होती थी, अब सर्वे के आधार पर ऊपर की लीडरशिप ने फैसला लिया है। दिग्विजय सिंह, कमलनाथ, कमलेश्वर पटेल, अरुण यादव के बयानों को पॉजिटिव बताया। कहा कि गुटबाजी खत्म कर कांग्रेस पार्टी को मजबूत करेंगे। उन्होंने 100 फीसदी कांग्रेस की सरकार बनने का दावा किया है। बीजेपी गुटबाजी के आरोप लगाती है। कांग्रेस सामूहिक नेतृत्व से आगे बढ़ रही है।

कांग्रेस संगठन और नेताओं के बयानबाजी को लेकर पहली बार पीसीसी चीफ जीतू पटवारी का बयान सामने आया है। जीतू पटवारी का कहना है कि कमलेश्वर पटेल, अरुण यादव ने जो बातें कही है वह पॉजिटिव बातें थी। दोनों ने पार्टी को मजबूत करने बात कही। कमलेश्वर पटेल ने एक जूता की बात और अरुण यादव ने विचारधारा की बात करी। उन्होंने कहा कि विचारधारा पर नहीं चलेंगे तब भी कुछ नहीं मिलेगा। संगठन संरक्षण से कुछ लोग नाराज हो सकते हैं। उन्होंने पार्टी के खिलाफ भी बयानबाजी की, अनुशासनहीनता भी करी। मुझे कमलनाथ और दिग्विजय सिंह दोनों से हमेशा सहयोग मिलता है साथ ही मीडिया पर भी जीतू पटवारी ने सवाल उठाए और कहा कि मीडिया कांग्रेस की छोटी सी बात को बड़ी कर देती है।

उमंग और जीतू पटवारी बदल दिए जाएंगे

कांग्रेस नेताओं के वीडियो को लेकर भोपाल से बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि जितने भी वीडियो जारी हो रहा है, 2025 और 26 तक जारी होंगे। मार्च 2026 में उमंग और जीतू पटवारी सब बदल दिए जाएंगे, लिहाजा अपनी योजना भी बदल ले। ये दिग्विजय सिंह को पचा नहीं पा रहे। दिग्विजय से सोचा था कि अपने लडके जयवर्धन का कई गुना विस्तार करेंगे, लेकिन उन्हें गुना तक सीमित कर दिया। जयवर्धन का विस्तार गुना में खत्म हो गया। गुना में अटक गए दिग्विजय सिंह और जयवर्धन। दिग्विजय सिंह का वार कांग्रेस में कोई झेल नहीं पता, इतिहास गवाह है, कांग्रेस को चौपट कर दिया।

ट्रेनों में अपराध नियंत्रित करने के लिए दो बड़े उपाय किए जाने की योजना

भोपाल। ट्रेनों में अपराध नियंत्रित करने के लिए दो बड़े उपाय किए जाने की योजना है। पहला तो यह कि मध्य प्रदेश और पड़ोसी राज्य एक-दूसरे से ट्रेनों में घटित अपराध के संबंध में दर्ज एफआईआर ई-मेल पर एक दूसरे से साझा करेंगे, जिससे अपराधी और अपराध की प्रकृति के संबंध में जानकारी मिल सके। एक माह पहले कुछ जिलों ने इसकी शुरुआत भी कर दी है। दूसरा यह कि रेलवे स्टेशनों के आसपास के यात्रियों की आवाजाही के क्षेत्र (सर्कुलेटिंग एरिया) में रेल पुलिस सीसीटीवी कैमरे लगाएगी। छोटे-बड़े सभी स्टेशनों में यह व्यवस्था होगी। अभी सिर्फ स्टेशन के भीतर रेलवे के तरफ से ही सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। ऐसे में सर्कुलेटिंग एरिया में आने जाने वाले लोगों और गतिविधियों के संबंध में निगरानी नहीं हो पाती। आवश्यकता पडने पर सीसीटीवी फुटेज भी नहीं मिलते।

इन राज्यों के बीच सहमति

मध्य प्रदेश की सीमा से जुड़े राज्यों जैसे उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, गुजरात के बीच लगभग एक वर्ष पहले इस पर सहमति बनी थी।

मप्र की 10 हजार करोड़ की देनदारियां चुकाने को तैयार गुजरात

मंत्रालय में दोनों राज्यों के मुख्य सचिवों की अध्यक्षता में बनी सहमति

भोपाल। गुजरात की 4 करोड़ की आबादी की प्यास बुझा रहे सरदार सरोवर बांध की 10 हजार करोड़ की देनदारियां चुकाने को लेकर पहली बार गुजरात ने हामी भरी है। हालांकि मप्र को गुजरात कब तक राशि चुकाएगा, यह स्पष्ट नहीं है। शनिवार को वल्लभ भवन भोपाल में मप्र के मुख्य सचिव अनुराग जैन और गुजरात के मुख्य सचिव पंकज जोशी की संयुक्त अध्यक्षता में सरदार सरोवर प्रोजेक्ट से जुड़ी उच्च स्तरीय बैठक हुई। जिसमें मप्र ने सरदार सरोवर बांध के विस्थापन से लेकर डूब भूमि, वन भूमि एवं अन्य की करीब 10 हजार करोड़ की देनदारियां निकाली हैं। बैठक में सहमति बनी कि दोनों राज्य आपस में समन्वय से इसका समाधान निकालेंगे। अभी तक यह मामला ऑर्बिट्रेशन में चल रहा है।

मंत्रालय में हुई बैठक में मप्र ने सरदार सरोवर के डूब क्षेत्र में आने वाली शासकीय राजस्व, आबादी एवं वन भूमि की करीब 10 हजार करोड़ की प्रतिपूर्ति राशि का मुद्दा उठाया। गुजरात ने भी कुछ देनदारियां निकाली, जिसे मप्र ने सिरे से खारिज किया। लंबी चर्चा के बाद दोनों राज्यों की लेनदारी एवं देनदारी यह सहमति बनी की दोनों राज्यों की वित्तीय टीम आपस में एक दूसरे की देनदारियों के दावों का अध्यक्ष करेंगी। जिसके बाद अगले कुछ दिनों में वित्तीय समायोजन पर निराकरण किया जाएगा। जिसमें मप्र के 10 हजार करोड़ के दावे में कमी हो सकती है। गुजरात के मुख्य सचिव सरदार सरोवर प्रोजेक्ट के मसलों पर चर्चा करने के लिए विशेष तौर पर भोपाल आए। उनके साथ गुजरात नर्मदा प्राधिकरण के अधिकारी भी थे। बैठक में नर्मदा घाटी विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, सचिव जॉन किंग्सली, सीएमडी एसएसएनएनएल श पुरी तथा दोनों राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि बांध के निर्माण के साथ ही मप्र ने गुजरात पर विस्थापन एवं डूब क्षेत्र की जमीनों की देनदारियां निकाल दी थीं। शुरू में गुजरात ने किसी तरह की देनदारियां चुकाने से साफ इंकार किया। दोनों राज्यों के बीच सालों चले पत्राचार के बाद आर्बिट्रेशन में मामला गया। आर्बिट्रेशन मप्र एवं गुजरात के शहरों में लगातार बैठकें करता रहा है। वर्तमान में मप्र की आर्बिटर पूर्व आईएएस श्रीमती अलका सिरोही हैं।

पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट पर बनी सहमति

मप्र और गुजरात के बीच सरदार सरोवर प्रोजेक्ट में गुजरात के गरुड़ेश्वर वियर के माध्यम से पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट पर सहमति बनी। खास बात यह है कि इस परियोजना में मप्र सरकार सशर्त शामिल होगी। इस परियोजना से पैदा होने वाली बिजली में मप्र की 57 फीसदी हिस्सेदारी होगी। हालांकि सरदार सरोवर से पैदा हो रही बिजली के बंटवारे का विवाद भी दोनों राज्यों के बीच चल रहा है।

18 हेक्टयर में सिंचाई, 11500 गांव और 191 शहरों में पहुंचता है पानी

सरदार सरोवर नर्मदा निगम लिमिटेड गुजरात के अनुसार बांध से गुजरात में 17.92 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई होती है। 11512 गांव और 191 में शहरों में पेयजल आपूर्ति होती है। यानी गुजरात की 4 लाख की आबाजी की प्यास बुझती है। बांध का भराव 138.68 मीटर है। बांध पर 1450 मेगावाट की जल बिजली परियोजनाएं हैं। विद्युत नर्मदा जल विवाद न्यायाधिकरण के निर्णय के अनुसार उत्पादित बिजली में मप्र का 57 फीसदी, महाराष्ट्र का 27 फीसदी और गुजरात का 16 फीसदी हिस्सा है। गुजरात मप्र के हिस्से की बिजली का भी लंबे समय से हिसाब नहीं दे रहा है। 2017 तक सरदार सरोवर परियोजना पर 58935.28 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, (भवन)
लोक निर्माण विभाग, जिला जेल के सामने बालाघाट (म.प्र.)

दूरभाष :- 07632-358737 ई-मेल :- dpepiu.balaghat@mp.gov.in

एन.आई.टी. नं. -25/2025/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण/सा/मु.अ.(भ)/जबलपुर दिनांक 29.09.2025

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :

स.क्र.	पोर्टल टेंडर क्र.	कार्य का नाम	जिला	ठेके की राशि (कार्य की लागत) (रू. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रू. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू. में)	ठेकेदार/फर्म की श्रेणी	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2025_PWPIU_455469_1	नव निर्मित कुटुम्ब न्यायालय भवन जिला बालाघाट में बाउण्ड्रीवाल, मैदान निर्माण, परिसर का विस्तार एवं बाह्य विद्युतीकरण का कार्य (प्रथम आमंत्रण)	बालाघाट	52.09	52000.00	10000.00	म.प्र. लोक निर्माण विभाग के पंजीयकृत	3

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट बेवसाईट http:// mptender.gov.in पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑन-लाईन पोर्टल पर केडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑन-लाईन दिनांक 03.10.2025 समय दोपहर 1:00 से दिनांक 17.10.2025 समय 6:00 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी बेबसाईट पर देखी जा सकती है।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त बेवसाईट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

जी-19607/25

01/10/25
कार्यपालन यंत्री (भवन)
लोक निर्माण विभाग बालाघाट

स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता

ठेंगे पर कलेक्टर मृणाल मीणा के आदेश!!

कागजो में सिमट कर रह गया पॉलिथीन मुक्त शहर अभियान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस के अवसर पर प्रदेश में 17 सितम्बर से सेवा पर्व मनाया जा रहा है।इस सेवा पर्व का समापन 2 अक्टूबर को गांधी जयंती पर किया गया।जिले में सेवा पर्व के आयोजन को लेकर 11 सितम्बर को कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में सभी विभागों के अधिकारियों की बैठक अयोजित की गई थी।इस बैठक में अधिकारियों को सेवा पर्व के दौरान किये जाने वाले कार्यों एवं गतिविधियों के लिए सभी आवश्यक तैयारी करने एवं विभागवार कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिये गये थे, और कहा गया था कि 17 सितम्बर को जिला स्तर से लेकर ग्राम स्तर तक वृहद स्तर पर कार्यक्रमों का आयोजन कर सेवा पर्व का शुभारंभ किया जाये।जिसमे अमानक पालीथीन पर रोक लगाने, पालीथिन खरीदी बिक्री करने वालो पर कार्यवाही करने, पालीथिन जप्ती व जुमार्ना की कार्यवाही भी शामिल थी।लेकिन इन निर्देशों का नगर के साथ साथ पूरे जिले में कही भी पालन नही किया गया।वही जिसके जिम्मे ये कार्य सौपा गया था।उनका मैदानी अमला भी कार्यवाही करते नजर नही आया।शायद यही वजहा है कि नगर में अमानक पालीथिन की बिक्री धडल्ले से की जा रही है।जहा सेवा पर्व शुरू होकर समाप्त भी हो गया।लेकिन नगर में अमानक पालीथीन पर कोई कार्यवाही नही की गई।कुल मिलाकर कहे तो सेवा पर्व के तहत नगर को पालीथिन मुक्त बनाने के दिए गए निदेशो पर अमल नही किया गया।वही नगर में यह अभियान महज सरकारी कागजो में सिमट कर रह गया।

11 सितंबर की बैठक में पालीथीन को लेकर दिए गए थे सख्त निर्देश

आपको बताए कि सेवा पर्व को लेकर कलेक्ट्रेट में 11 सितंबर को आयोजित बैठक में संयुक्त कलेक्टर एवं जिला शहरी विकास अभिकरण के परियोजना अधिकारी राहुल नायक ने सेवा पर्व के दौरान जिले के नगरीय क्षेत्रों में स्वच्छता ही सेवा अभियान चलाने, इस अभियान के अंतर्गत नगरीय क्षेत्रों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता के लिए कार्यक्रम अयोजित किए जाने, खास तौर पर सिंगल यूज प्लास्टिक की थैलियों को जब्त करने एवं इस पर जुर्माने की कार्यवाही करने, प्लास्टिक मुक्त अभियान के तहत आमजन को कपड़े के थैलों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करने और कपड़े के थैलों का वितरण किए जाने के निर्देश दिए थे ।लेकिन ऐसा कुछ भी होता नगर में दिखाई नही दिया।वही सेवा पर्व बीत जाने बाद भी इसपर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है।

प्रतिबंध के बावजूद नगर में धडल्ले से बिक रही पॉलीथिन

प्रतिबंध के बावजूद भी नगर के प्रतिष्ठानों में पॉलीथिन का उपयोग धड़ल्ले से किया जा रहा है। वन टाइम यूज पॉलिथीन का उपयोग वर्जित होने के बाद, पूर्व दिनों में देशव्यापी अभियान के तहत नगर में बड़े जोर शोर से जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे थे ,परंतु नगर में इन अभियानों का कोई असर नहीं हो रहा है।उधर नगर पालिका द्वारा व्यापारियो के साथ नपा में एक बैठक कर नगर में अमानक पॉलिथीन की बिक्री- खरीदी उसके भंडारण व परिवहन आदि पर रोक लगाई जाने के आदेश जारी किए गए थे।जिसके अनुसार नगर में आमानक पॉलिथीन पर पूर्ण तरीके से रोक लगनी थी, जो आज तक नही लग पायी है।उधर नए निर्देश को लागू किए करीब 1 माह होने के है। बावजूद भी इस पर रोक नहीं लग पाई है।उधर नगर में धडल्ले से खुल्लम-खुल्ला अमानक पॉलिथीन का उपयोग किया जा रहा है। जहां न केवल अमानक पॉलिथीन की खरीदी बिक्री जारी है बल्कि अमानक पॉलिथीन में सामान का विक्रय भी किया जा रहा है।कुल मिलाकर कहा जाए तो जिम्मेदार खुद,अमानक पॉलीथिन पर दिया गया अपना ही आदेश लागू नहीं करा पा रहे है।

सिर्फ कागजो में लागू हुआ है आदेश

अमानक पॉलीथिन पर प्रतिबंध लगा दिया है। बावजूद इसके पॉलीथिन का खुलेआम उपयोग हो रहा है। नगर के फुटकर व्यापारी पॉलीथिन का उपयोग कर रहे है। पदमेश न्यूज ने पॉलीथिन के उपयोग को लेकर एक स्ट्रिंग किया।इस स्ट्रिंग के दौरान नगर के फुटकर व्यापारी पॉलीथिन का उपयोग करते हुए नजर आए। इधर, पॉलीथिन के उपयोग को लेकर लोगों में भी जागरुकता नहीं आई है।जानकारी के अनुसार पूर्व से ही नगर पालिका परिषद बालाघाट ने अमानक पॉलीथिन पर पूर्ण रुप से प्रतिबंध लगा दिया है।नपा अमले द्वारा कभी कभार छुट मुट कार्यवाही तो की जाती है।लेकिन ये काफी नही है।वही नपा की यह छापामार कार्यवाही सिर्फ खाना पूर्ति नजर आ रही है।जबकि इसके पूर्व ही पॉलीथिन के उपयोग को लेकर नपा ने सभी व्यापारियों को चेतावनी भी दी थी।लेकिन इस चेतावनी का भी थोक व फुटकर व्यापारियों में कोई असर नहीं हो रहा है। कुल मिलाकर कहां जाए तो लागू अमानक पॉलिथीन बैंन का आदेश सिर्फ कागजों में लागू हुआ है। जबकि यथार्थ में इसका उपयोग धड़ल्ले से हो रहा है।

कुछ चोरी छिपे तो कुछ खुलेआम पालीथिन में दे रहे समान

नगर के गुजरी बाजार में पॉलीथिन के उपयोग को लेकर जब कैमेरा घुमाया गया तो इस दौरान कुछ सब्जी विक्रेता खुलेआम तो कुछ फुटकर सब्जी विक्रेता चोरी से पॉलीथिन का उपयोग करते नजर आए। एक सब्जी विक्रेता ने पहले तो पॉलीथिन नहीं होने की बात कही। बाद में धीरे से पॉलीथिन में हरी सब्जियों को पैक करके दे दिया।सब्जी विक्रेताओ का कहना था कि नपा ने पॉलीथिन पर प्रतिबंध लगा दिया है। इस कारण चोरी से उसका उपयोग किया जा रहा है।

पूर्व अभियानों का भी नही हुआ असर

आपको बताए कि आज से लगभग 9-10 वर्ष पूर्व, 2 अक्टूबर गांधी जयंती के दिन पॉलिथीन मुक्त नगर घोषित करने के लिए रैलियां निकाली गई थी।वहीं नगर पालिका द्वारा कार्यवाही को लेकर एक टीम भी बनाई गई थी लेकिन उसका असर भी व्यापारियों और लोगों पर पड़ता नजर नहीं आ रहा है। बात अगर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की करें ,चाहे नगरपालिका के अमले की या फिर प्रशासनिक अमले की सभी के कार्य महज कागजों और जागरूकता कार्यक्रमों तक सिमट कर रह गए हैं।

ना दुकानदार ,ना आम जनता का हो रहा मोह भंग

नगर के दुकानदारों ,फुटकर विक्रेताओं, फल दुकान ,होटल ,चाय दुकान, डेयरियो एवं किराना दुकान में प्रतिबंध के बावजूद भी पॉलिथीन की थैली में आज भी सामान दिया जा रहा है। प्रतिबंध होने के बावजूद पॉलिथीन की खरीदी -बिक्री नगर में जोरों पर है। जिस पर नगर पालिका व संबंधित विभाग का कोई ध्यान नहीं है। वही आम लोग भी थैला लेकर बाजार जाने की बजाए खाली हाथ सब्जी व अन्य सामग्री खरीदने निकल जाते है।वही जब तक दुकानदार सामग्री पालीथीन में नही देता तब तक उससे बहस करते रहते है। हद तो तब होती है जब कोई दुकानदार यदि पालीथीन में सामान नही देता तो लोग सौदा ही छोड़ देते है और बगैर सामान खरीदी के ही दूसरी दुकान जाकर सामान खरीदते हैं और उसे पालीथीन में पैक करने कहते है।

जगह-जगह लगे है पॉलीथीन के ढेर

नगर पालिका क्षेत्र में जगह-जगह पॉलिथीन के ढेर लगे हुए हैं जो प्रतिबंध के बावजूद भी नगर में इसका उपयोग धड़ल्ले से होने का प्रमाण है ।नगर की गलियों में मुख्य रास्तों के किनारों, शासकीय कार्यालयों के सामने या किसी आयोजन के बाद वन टाइम यूज प्लास्टिक जैसे, प्लास्टिक के कप, ग्लास, चम्मच, थर्माकोल के प्लेटें, थालियों के ढेर इधर-उधर बिखरे नजर आ रहे हैं। जिससे साफ जाहिर होता है कि जिम्मेदार अधिकारी व लोग अपनी जिम्मेदारियों का पालन ठीक ढंग से नहीं कर रहे हैं।

नजर नही आ रहा नपा का छापामार अमला

पॉलीथिन मुक्त नगर बनाने के लिए नपा द्वारा पूर्व में एक टीम का गठन किया गया था।जो रोजाना नगर के अलग अलग स्थानों में जाकर अमानक पालीथिन पर छापेमारी करने के कार्य को अंजाम देते थी ।वही अमानक पालीथिन का उपयोग करने वालो, उसकी खरीदी बिक्री में लिप्त लोगो से भारी जुर्बाना वसूला जाता था।इस छापामार कार्यवाही से जहां एक ओर आम नागरिकों के साथ साथ अन्य व्यापारी भी अमानक पॉलीथिन का उपयोग करने से परहेज करते थे, तो वहीं दूसरी ओर इस छापामार कार्यवाही से नगरपालिका के राजस्व में भी बढ़ोतरी होती थी। लेकिन राजस्व की बढ़ोतरी करने वाला यह नपा का अमला भी आज कल नजर नहीं आ रहा है जिसके चलते नगर में लोग अमानक पॉलीथिन का उपयोग धड़ल्ले से कर रहे हैं वहीं इसका व्यापार भी जमकर फल फूल रहा है।

बेलगाम अर्टिगा कार ने 8 वर्षीय बच्ची सहित पांच लोगों को चपेट में लिया

13 वर्षीय बालक आयुष की मौके पर मौत

बिरसा थाने के सालेटेकरी रोड पर हुई सड़क, 8 वर्षीय बच्ची सहित चार लोग हायर सेंटर रेफर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बिरसा थाना अंतर्गत सालेटेकरी रोड पर स्थित ग्राम अचानकपुर के पास एक बेलगाम अर्टिगा कार ने हाथ ठेले को ठोस मार कर जहां तीन युवकों को चपेट में लिया वही इस कार एक महिला और 8 वर्षीय बच्ची को चपेट में लेकर एक अन्य वाहन को भी ठोस मार कर फरार हो गया। 4 अक्टूबर की शाम 7:00 बजे करीब हुई इस जबरदस्त सड़क दुर्घटना में इस कार ठोकर से गंभीर रूप से घायल बालक आयुष पिता बबलू खैरवार 13 वर्ष ग्राम कनिया निवासी की मौके पर मौत हो गई। अन्य घायल युवक छत्रपाल श्रीवास नितेश पंचतिलक,दिव्या कावरे 8 वर्ष सुमित्रा मानेश्वर 50 वर्ष को बिरसा के अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 4 अक्टूबर की रात्रि में ग्राम कचनारी में छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम था। शाम 7:00 बजे करीब आयुष खैरवार अपने गांव के नितेश पंचतिलक और छत्रपाल श्रीवास के साथ गुपचुप बेचने के लिए हाथ ठेला लेकर कचनारी जा रहे थे। और वहीं से कुछ दूर सुमित्रा मानेश्वर दिव्या कावरे को लेकर भी कचनारी जा रही थी। इसी दौरान निरंजन यादव नामक युवक कचनारी निवासी अपनी अर्टिगा कार सी जी 04 पी पी 4765 को दमोह तरफ से तेज रफ्तार लापरवाही पूर्वक खरतनाक तरीके से चलाते हुए कचनारी की ओर जा रहा था। तभी अचानकपुर मैं इस बेलगाम अर्टिगा कार ने हाथ ठेला लेकर चल रहे आरुष खैरवार नितेश पंचतिलक और छत्रपाल श्रीवास को चपेट में लेते हुए इस कार ने आगे चल रहे दिव्या कावरे और सुमित्रा मानेश्वर को चपेट में लेते हुए सालेटेकरी तरफ से आ रहे एक वाहन सी जी 10 बी एफ 8306 को ठोस मारकर फरार हो गया। इस बेलगाम अर्टिगा कार की चपेट में आने से आयुष खैरवार की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं नितेश पंचतिलक छत्रपाल श्रीवास दिव्या कावरे और सुमित्रा मानेश्वर घायल हो गए। इस सड़क दुर्घटना के दौरान मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। घटना की सूचना मिलते ही आयुष खैरवार के परिवार के अलावा अन्य लोग मौके पर पहुंचे। सालेटेकरी चौकी प्रभारी धन सिंह धुर्वे भी अपने स्टाफ के साथ अचानकपुर मौके पर पहुंचे। जिन्होंने सभी घायलों को बिरसा के अस्पताल भिजवाये। जहां डॉक्टर ने आरुष खैरवार मृत घोषित कर दिए । दुर्घटना में अन्य घायल नितेश पंचतिलक, छत्रपाल श्रीवास, दिव्या कावरे सुमित्रा मानेश्वर को बिरसा के अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया। किंतु परिवार जनों ने उन्हें नगर के अन्य अस्पताल में भर्ती किए हैं। 5 अक्टूबर को बिरसा पुलिस ने आयुष खैरवार का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिये। इस मामले में लखन खैरवार 23 वर्ष ग्राम कनिया निवासी द्वारा की गई रिपोर्ट पर अर्टिगा कार चालक निरंजन यादव के विरुद्ध धारा 281,125(1),106 भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर लिया गया है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि
सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.९, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, प्रधान संपादक - उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१०, स्थानीय संपादक - विपिन बिहारी शांडिल्य, रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट